वार्षिक प्रतिवेदन
2012-2013

IIM RANCHI
बहुमुखविकासो गन्तव्यः

भारतीय प्रबंधा संस्थान राँची
INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT RANCHI

विषय सूची

1. अध्यक्ष का संदेश 92
2. निदेशक का संदेश 93
3. संगठन 94
   - ❑ शासी मंडल (बोर्ड ऑफ गवर्नर्स) 94
   - ❑ प्रशासन 96
4. संस्थान 97
   - ❑ दृष्टि, लक्ष्य एवं मूलमंत्र 97
   - ❑ मूलभूत सुविधायें 98
5. संकाय एवं कर्मचारी 100
   - ❑ मुख्य संकाय 100
   - ❑ अतिथि संकाय 113
   - ❑ कर्मचारी 116
6. नामांकन 117
7. एकेडमिक कार्यक्रम 123
   - ❑ फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) 123
   - ❑ पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) 124
   - ❑ पोस्ट ग्रेजुएट डीप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (पीजीडीएचआरएम) 126
   - ❑ पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट फॉर एग्जीक्यूटिवस (पीजीपीईएक्स) 128
8. पुरस्कार, श्रेणी, उपलब्धि और छात्रवृत्ति 129
9. प्लेसमेंट्स 133
10. दीक्षांत समारोह 138
11. गतिविधियां 141
    - ❑ प्रबंधन विकास कार्यक्रम 141
    - ❑ परामर्श परियोजनाएँ 142
    - ❑ स्थापना दिवस 142
    - ❑ पीजीपीईएक्स के दूसरे बैच का उद्घाटन 143
12. सम्मेलन संगोष्ठी एवं कार्यशाला 144
13. आयोजन 144
14. सहभागिता 148
15. कार्यक्रम 150
16. छात्रों की समितियाँ एवं क्लब 154
17. बुद्धिजीवी लीडर्स द्वारा व्याख्यान 157
18. लेखाओं का वार्षिक विवरण 159
19. राँची के विषय में 176

अध्यक्ष का संदेश

मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि आईआईएम राँची ने एक और साल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, और हम तीसरे स्थापना दिवस का जश्न मना रहे हैं।

पीजीडीएम कार्यक्रम हमेशा हमारा प्राथमिक शैक्षिक प्रयास रहेगा, और 4 मार्च 2013 को आयोजित दीक्षांत समारोह में, 66 विद्यार्थी, जिन्होंने सफलतापूर्वक अपनी पढ़ाई पूरी की, को डिप्लोमा से सम्मानित किया गया।

हमने पीजीपीईएक्स कार्यक्रम की भी शुरूआत की है और दीक्षांत समारोह के दौरान 59 सफल उम्मीदवारों को डिप्लोमा से सम्मानित किया गया। इस वर्ष के दौरान डॉ जेवियर संस्थान के निदेशक बने रहे, और हमारे द्वारा की गई प्रगति आईआईएम कोलकाता के मार्गदर्शन, तथा संस्थान के निदेशक एवं कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता के कारण संभव हो सकी। सभी नए आईआईएम की तरह, संस्थान द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों के लिए उपयुक्त फैकल्टी खोजना आसान काम नहीं है, और हमें यूएस, यूके और फिलीपींस में प्रतिष्ठित वैश्विक संस्थानों के शिक्षकों का सहारा लेना पड़ा है मैं मानता हूँ कि यह दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है और इसने हमारे छात्रों को अंतरराष्ट्रीय अभ्यासों एवं अनुभवों का एहसास कराया है।

हमारी पाठ्यचर्चा भारतीय संस्कृति, आंतरिक विकास, विश्लेषण और न्यूरो प्रबंधन पर पाठ्यक्रम उपलब्ध कराती है।

साल के दौरान स्थायी परिसर के निर्माण के लिए राज्य सरकार से जमीन पाने हेतु प्रयास निरंतर जारी है। हालांकि, विभिन्न कारणों से, वित्त वर्ष के दौरान उपयुक्त भूमि का अधिग्रहण कर हमें सौंपा नहीं जा सका। हमें उम्मीद है कि इस समस्या का समाधान जल्द से जल्द हो जाएगा।

बोर्ड ऑफ गवर्नर्स नियमित रूप से मिलते हैं और संस्थान की गतिविधियों को मार्गदर्शन और निर्देश देते हैं। प्रो. विकास श्रीवास्तव, फैकल्टी के एक प्रतिनिधि के रूप में दिसंबर 2012 में बोर्ड में शामिल हुए। मैं व्यक्तिगत रूप से संस्थान के प्रबंधन में सहयोग और समर्थन के लिए बोर्ड का आभारी हूँ।

संस्थान ने उद्योग और कारोबार के साथ बातचीत की जरूरत को समझा ताकि उनके द्वारा दी गई जानकारी हमारे लिए वास्तविक उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने एवं पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने में मददगार साबित हो सके। इसके लिए एक कार्यक्रम (पीजीडीएचआरएम) तैयार किया गया।

आईआईएम रांची से उत्तीर्ण छात्रों को उद्योग और कारोबारों द्वारा उच्च गुणवत्ता के रूप में स्वीकार किया गया।

समाप्त करने से पहले, मैं आईआईएम रांची के कर्मचारियों द्वारा दिए गए योगदान के बारे में बताना चाहूंगा, जिसके बगैर हम इतनी दूर तक का सफर तय नहीं कर सकते थे। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, हमेशा की तरह, हमारे लिए ताकत और मार्गदर्शन का एक बड़ा स्रोत रहा है। मुझे पूरा यकीन है कि सभी संबंधित लोगों के सहयोग से आईआईएम रांची तेजी से प्रगति करना जारी रखेगा।

आर. सी. भार्गव

निदेशक का संदेश

तीसरा वार्षिक प्रतिवेदन पेश करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है कि यह हमारे लिए बीते वर्षों की उपलब्धियों को प्रतिबिंबित करने के साथ ही पिछले तीन वर्षों में अपने विकास को शामिल करने का समय है। आईआईएम रांची ने 2010 में अपने शुभारंभ के समय से लेकर अब तक काफी लंबा सफर तय किया है। आज हमारे पास अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त क्लास रूम, लाइब्रेरी, कार्यालय और छात्रावास उपलब्ध हैं। आईआईएम शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी प्रदाता है, जो शिक्षण में उत्कृष्टता की प्रतिबद्धता के साथ कार्यक्रमों और सेवाओं की व्यापक श्रृंखला की पेशकश करता है। इस साल इसने अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश किया है और पीजीडीएम के तीसरे बैच में 117 छात्रों का नामांकन कराया है।

बहुत कम समय के अंदर ही हमने दो नए कार्यक्रमों की शुरूआत की है। जून 2012 से संस्थान ने फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम), जो डॉक्टरल प्रोग्राम के समतुल्य है और दो वर्षीय फुल टाइम पोस्ट ग्रेजुएट डीप्लोमा इन ह्यूमेन रिसोर्स मैनेजमेंट (पीजीडीएचआरएम) की शुरूआत की है। एफपीएम के पहले बैच में, पांच छात्रों को उनकी अपनी पसंद के क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए भर्ती कराया गया है। दो वर्षीय फुल टाइम पीजीडीएचआरएम कार्यक्रम के पहले बैच में 44 छात्रों ने दाखिला लिया। पीजीडीएचआरएम के लिए पाठ्यक्रम एनएचआरडीएन के परामर्श से तैयार किया गया है। अपने फैकल्टी को सशक्त बनाने के लिए, पिछले एक साल में विभिन्न क्षेत्रों में 10 फैकल्टी सदस्य नियुक्त किए गए हैं। हमारे शिक्षक कई पेशेवर विकास अवसरों का लाभ उठाते हुए निरंतर सीखने की नवीन एवं रणनीतिक शिक्षण पद्धतियों को अपनाते रहते हैं।

नई विश्व व्यवस्था में प्रबंधन पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 13 और 14 अगस्त, 2012 को किया गया था। इसके अलावा, वर्ष के दौरान द्वितीय एचआर कॉन्क्लेव और लीडरशिप सम्मिट आयोजित किया गया था। हमने राज्य सरकार के अधिकारियों के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन किया और भारत सरकार के साथ ही राज्य सरकार के विभाग के लिए कुछ प्रतिष्ठित परामर्शी कार्य भी हासिल किए। आईआईएम रांची ने कॉर्पोरेट जगत के दिग्गजों और शिक्षाविदों को सामने लाने का निरंतर प्रयास जारी रखा है ताकि छात्र उनके साथ विचार विमर्श कर सके और उनके लिए व्यापक क्षितिज का सृजन किया जा सके। विभिन्न क्षेत्रों से कॉर्पोरेट लीडर्स को एक साझा मंच पर लाने के उद्देश्य से, जहां छात्र उनके साथ बातचीत कर सके और उनके द्वारा हासिल विशेषज्ञता के क्षेत्र से बहुमूल्य ज्ञान हासिल कर सकें, द्वितीय वार्तालाप-2012 का उद्घाटन जुलाई में किया गया जो दिसंबर माह तक चलता रहा। आईआईएम रांची के छात्रों का शत प्रतिशत प्लेसमेंट रिकॉर्ड इसका सबूत है। छात्रों को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की ओर से प्रतिस्पर्धी मुआवजा पैकेज के साथ ऑफर मिले हैं।

हमारे सामूहिक प्रयासों तथा विशिष्ट बौद्धिक एवं शैक्षिक वातावरण के लिए अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से, हमने प्रतिदिन अपने संस्थान को विकसित करने की प्रतिज्ञा को नया रूप दिया है। हालांकि, इस माहौल का सृजन और नवीकरण करने के लिए आधारभूत संरचनाओं एवं सुविधाओं पर निरंतर ध्यान देना जरूरी है जिससे फैकल्टी और छात्रों के कार्य को समर्थन मिलता है। इनमें से कुछ भी बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के विजन एवं सहृदयता, झारखंड सरकार, हमारे फैकल्टी और स्टाफ के सहयोग के बिना संभव नहीं था। इनके सहयोग ने संस्थान की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

हम अपने गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों के मूल्यवान सुझावों और समर्थन की सराहना और आभार व्यक्त करते हैं। मैं खासतौर पर हमारे चेयरमैन, श्री आर सी भार्गव के प्रति आभार प्रकट करता हूं जिन्होंने संस्थान को इस स्तर तक ले जाने में बहुमूल्य योगदान दिया है। उनके जैसे मार्गदर्शक के बिना हम यह काम नहीं कर पाते। भविष्य में भी एक ऐसे संस्थान के निर्माण के लिए हम अपने सभी शुभचिंतकों से सहयोग की अपेक्षा करते हैं जिसे वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त हो।

हमारे मिशन, विजन और मूल्यों का नवीकरण सिर्फ नये शब्दों की समीक्षा नहीं है। यह हमारे कार्यस्थलों, कक्षाओं और हमारे दायरे और उससे परे भी समुदायों के जीवन में आत्मसात करने से संबंधित है। पिछले वर्ष हमने जो कुछ भी हासिल किया है मुझे उसपर बहुत गर्व है। जैसा कि इस रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से इंगित है, सभी छात्रों की सफलता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहेगी।

बी. बी. चक्रवर्ती

संगठन

शासी मंडल (बोर्ड ऑफ गवर्नर्स)

(1 अप्रैल 2012 - 31 मार्च 2013)

अध्यक्ष

श्री आर सी भार्गव

चेयरमैन

मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड

नई दिल्ली

सदस्यगण

श्री अशोक ठाकुर, आईएएस

सचिव (टेक्निकल एडुकेशन)

माध्यमिक एवं उच्चतर विभाग

शिक्षा, एचआरडी मंत्रालय

भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री एस के चौधरी, आईएएस

मुख्य सचिव

झारखंड सरकार

राँची

श्री ए एन झा, आईएएस

संयुक्त सचिव तथा वित्तीय सलाहकार

एचआरडी मंत्रालय, भारत सरकार

नई दिल्ली

श्री बी के त्रिपाठी, आईएएस

प्रधान सचिव, एचआरडी

झारखंड सरकार

रांची

श्री धनेन्द्र कुमार

प्रधान सलाहकार, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स ऐंड चीफ मेंटर, स्कूल ऑफ कम्पीटिशन लॉ, नई दिल्ली

प्रो. डी टी खटिंग

उप कुलपति

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड

रांची

डॉ सी एस केदार, आईएएस
कर्नाटक सरकार के अतिरिक्त प्रधान सचिव तथा कर्नाटक अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट ऐंड फाइनांस कॉर्पोरेशन, बंगलोर के चेयरमैन

श्री राजीव कौल
चेयरमैन
निक्को कॉर्पोरेशन लिमिटेड, कोलकाता

डॉ डी के पालीवाल
मेंबर सेक्रेट्री
नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडेटेशन
नई दिल्ली

प्रो. दिवाकर मिंज
सहायक प्राध्यापक
इतिहास विभाग
रांची विश्वविद्यालय, रांची

श्री चंद्रजीत बनर्जी
डायरेक्टर जेनरल
भारतीय उद्योग परिसंघ
नई दिल्ली

प्रो. एम जे जेवियर
निदेशक
आई आई एम रांची
रांची

डॉ. सुबास पाणी, आईएएस (सेवानिवृत्त)
पूर्व सचिव
योजना आयोग
भारत सरकार
नई दिल्ली

प्रो. विकास श्रीवास्तव
आईआईएम रांची
रांची

1 अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2013 तक चार बोर्ड मीटिंग आयोजित हुए :

क्रम सं0	बोर्ड मीटिंग सं0	दिनांक	स्थान	
1	8वीं बोर्ड मीटिंग	11 अप्रैल, 2012	रांची	19 दिसंबर, 2012 को आयोजित 10वीं बोर्ड मीटिंग में कर्नल बी के नायर, वाइस प्रेसिडेंट (एडमिनिस्ट्रेशन) को गर्वनिंग बोर्ड का सचिव नियुक्त किया गया
2	9वीं बोर्ड मीटिंग	18 अगस्त, 2012	नई दिल्ली	
3	10वीं बोर्ड मीटिंग	19 दिसंबर, 2012	नई दिल्ली	
4	11वीं बोर्ड मीटिंग	4 मार्च, 2013	रांची	

प्रशासन

प्रो. एम जे जेवियर
निदेशक

प्रो. जी आर चंद्रशेखर
चेयरपर्सन, एफपीएम

कर्नल बी के नायर
वाइस प्रेसिडेंट, एडमिनिस्ट्रेशन

प्रो. प्रदीप के बाला
डीन इन-चार्ज (एकेडमिक्स) तथा चेयरपर्सन, पीजीडीएम

श्री जे गेब्रियल
एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर, एडमिनिस्ट्रेशन

प्रो. बिजया मिश्रा
चेयरपर्सन, पीजीडीएचआरएम

श्री जयंत त्रिपाठी
डिपुटी लाइब्रेरियन

प्रो. विकास श्रीवास्तव
चेयरपर्सन, पीजीपीईएक्स

श्री कमलेश कुमार ठक्कर
फाइनांस एंड अकाउंट्स ऑफिसर

प्रो. शिबाशीष चक्रवर्ती
चेयरपर्सन, एडमिशंस

श्री बी जगन राव
एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर, पीजीपी

प्रो. आशीष हजेला
चेयरपर्सन, प्लेसमेंट्स

श्रीमती जानकी जगन
निदेशक की एक्जीक्यूटिव असिस्टेंट

प्रो. आनंद
चेयरपर्सन, आईटी

श्रीमती अनिता सिंह श्रवानो
प्रोग्राम कोर्डिनेटर

प्रो. एन सिवासंकरन
चेयरपर्सन, फाइनांस एंड पर्चेज

प्रो. तनुश्री दत्ता
चेयरपर्सन, लाइब्रेरी

प्रो. सुबीर वर्मा
चेयरपर्सन, रिसर्च एंड पब्लिकेशंस

संस्थान

9वें भारतीय प्रबंध संस्थान की स्थापना रांची में 2010 में की गई थी। इस कार्य को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार भारतीय प्रबंध संस्थान कोलकाता और झारखण्ड सरकार के व्यापक सहयोग से पूर्ण किया गया। हमने उस समय शुरूआत की थी जब प्रतियोगिता, आक्रामकता और किसी भी तरह से परिणाम हासिल करने की उपलब्धि पर अत्याधिक जोर देने के कारण दुनिया भर में प्रबंधन शिक्षा की आलोचना की जा रही थी। विभिन्न क्षेत्रों से आलोचना के तहत शिक्षा का अमेरिकी मॉडल आ चुका था। इसके अतिरिक्त शैक्षिक प्रौद्योगिकी ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्रबंधन के गढ़ (कोर्सेरा, ईडेक्स, खान एकेडमी आदि) से परे ले जाने में सक्षम बनाकर शीर्ष स्थान पर रहने वाले बिजनेस स्कूलों की आभा और विशिष्टता को समाप्त कर दिया। हमने पाठ्यक्रम में बड़े बदलाव की जरूरत महसूस की क्योंकि जो पढ़ाया जाता था उसमें और कारोबार तथा समाज की जरूरत के बीच तालमेल नहीं था। हमने युवाओं के मस्तिष्क में सही मूल्यों को शामिल करने और साथ ही सूचना युग के लिए प्रासंगिक शिक्षा प्रदान करने की जरूरत को समझा जो नेटवर्किंग और सहयोगात्मक लाभ को प्रोत्साहित करता है। इसके अलावा, हमने कार्यक्रम में संदर्भपरक ज्ञान का सृजन करने का फैसला भी किया।

वर्तमान में आईआईएम राँची प्रबंधन में दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडीएम) और मानव संसाधन प्रबंधन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडीएचआरएम) कोर्स अपने मुख्य कार्यक्रम के रूप में संचालित कर रहा है। 2012 से इसने डॉक्टरेट की शिक्षा के लिए फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) की पेशकश की शुरूआत की है। इसके अलावा यह कार्यरत अधिकारियों के लिए प्रबंधन में 18 महीने के स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीईएक्स) की भी पेशकश करता है।

दृष्टि, लक्ष्य एवं मूलमंत्र

दृष्टि

आधुनिक पाठ्यक्रम और तकनीक से युक्त शिक्षण विधियों के द्वारा अगले 10 वर्षों के अन्दर एशिया के 10 महत्वपूर्ण प्रबंध संस्थानों में स्थान सुनिश्चित करना। (मात्र 2 वर्षों में, हमें नए आईआईएम में सर्वश्रेष्ठ आँका गया और पूर्वी क्षेत्र में चौथी सर्वश्रेष्ठ संस्था के रूप में माना गया।)

लक्ष्य

पूर्वी ज्ञान और पश्चिमी प्रक्रियाओं की वैज्ञानिक संलयन के माध्यम से विचारशील नेतृत्व को प्राप्त करना।

मूलमंत्र

- ❑ व्यक्तिगत और व्यवसायिक सफलता के लिए विनम्रता, ईमानदारी और कठिन परिश्रम
- ❑ व्यापक रूप से व्यक्ति, संस्था और समाज का समग्र विकास
- ❑ समाज और वातावरण के साथ सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व

पश्चिमी मॉडल को भारतीय बौद्धिकता के साथ समिश्रित करके एक सम्पूर्ण ज्ञान का निर्माण करने के लिए, हमें भारतीय प्रबंधन पर गहन अनुसंधान कर उससे जुड़ी महत्वपूर्ण कारकों की सूची बनानी होगी, साथ ही साथ हमें पश्चिमी मॉडल पर आधुनिक विधि से भी अनुसंधान करना होगा। हम जिस स्थानीय वातावरण में कार्य करते हैं उसके अनुकूल बनने के लिए, हमें स्थानीय प्रबंधकीय मुद्दों पर भी अनुसंधान करने की आवश्यता है। इन क्षेत्रों के मध्य विचार-विमर्श के परिणामस्वरूप नए ज्ञान का निर्माण होगा, जो हमें प्रबंधन शिक्षा के नए प्रारूप के निर्माण में सहायता करेगी।

मूलभूत सुविधाएँ

कक्षायें

एकेडमिक ब्लॉक में वास्तु के अनुसार आधुनिक विधि से डिजायन किये हुए 6 कक्षाओं का निर्माण किया गया है, जो कम्प्युटर, प्रोजेक्टर, आधुनिक साउंड सिस्टम, ओएचपी और अन्य ऑडियो-विजुअल उपकरणों से युक्त है। सम्पूर्ण शैक्षिक परिसर जिसमें पुस्तकालय भी शामिल है, वाई-फाई इंटरनेट कनेक्टिविटी से युक्त है।

पुस्तकालय

आईआईएम राँची के पुस्तकालय को "अथनीयम् - दि लर्निंग रिसोर्स सेंटर" के नाम से संबोधित किया जाता है। यह एक अत्याधुनिक पुस्तकालय है, जिसमें प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक दोनों का मिश्रित संग्रह है, जिसमें पुस्तकें, जर्नल, डाटाबेस, सीडी/डीवीडी, ई-जर्नल, रिपोर्टस आदि शामिल हैं। शैक्षिक समुदाय को उनके बौद्धिक कार्यों के लिए उचित सूचना सेवा प्रदान करने में ''दि लर्निंग रिसोर्स सेंटर'' बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पुस्तकालय इन-हाउस और नेटवर्क आधारित सेवाओं के उपयोगकर्ताओं के लिए विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करता है। पुस्तकालय के कार्य और सेवाएं पूर्णरूप से स्वसंचालित है। उपयोगकर्ता ऑनलाइन लाईब्रेरी कैट्लौग प्राप्त कर अपने कम्प्यूटर से पुस्तकालय में उपलब्ध अध्ययन सामग्री के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकता है।

E-Resources

क्रम सं.	डाटा बेस
1	एसीएम डिजीटल लाइब्रेरी
2	कैपिटालाइन प्लस
3	सीएमआईई कैप एक्स
4	सीएमआईई प्रोवेस
5	क्रिसिल रिसर्च
6	ईब्रेरी एकेडमिक कम्प्लीट
7	ईबीएससीओ बिजनेस सोर्स कम्प्लीट
8	संपूर्ण टेक्स्ट के साथ ईबीएससीओ इकोनलिट
9	एलसेवियर साइंस डायरेक्ट
10	एमरॉल्ड ई- जर्नल्स
11	फ्रॉस्ट ऐंड सुलिवान इंडस्ट्री रिसर्च रिपोर्ट्स
12	एफटी.कॉम
13	आईसीआरए रिपोर्ट्स
14	आईईएल ऑनलाइन
15	इंडियास्टैट.कॉम
16	आईएसआई इमर्जिंग मार्केट्स- इंडिया

क्रम सं.	डाटा बेस
17	जेएसटीओआर
18	लेक्सिस नेक्सिस एकेडमिक यूनिवर्स
19	न्यू यॉर्क टाइम्स ऑनलाइन
20	ऑक्सफोर्ड हैंडबुक्स ऑनलाइन
21	प्रोक्वैस्ट एबीआई इंफॉर्म कम्प्लीट
22	प्रोक्वैस्ट डिसर्टेशंस ऐंड थिसीस
23	सेज रिफरेंस ऑनलाइन
24	स्प्रिंगर ई-जर्नल्स
25	वर्ल्ड बैंक ई-लाइब्रेरी

पुस्तकालय की संपत्ति

❑ किताबें	1465
❑ पत्र-पत्रिकाएं	15
❑ सीडी, डीवीडी	185
❑ ऑनलाइन डाटाबेस (ई-रिसोर्सेज)	25

सूचना प्रौद्यौगिकी (इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी)

सूचना प्रौद्यौगिकी (इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी) के उपकरण आईआईएम राँची की कम्प्यूटिंग और कम्युनिकेशन (संवाद-संचार) की आवश्यकताओं की पूर्ती करता है।

फाइव रैक माउन्टिंग सर्वर और थ्री ब्लेड सर्वर के साथ आवश्यक उपकरण आईआईएम राँची के वेबसाईट के विभिन्न सेवाओं को होस्ट करते है। एकेडमिक ब्लॉक में स्थापित चेक पॉइंट फायरवाल और होस्टल में स्थापित साइबेरोम अतिक्रमण की पहचान और बचाव, विषय-वस्तु (कंटेंट) और एप्लीकेशन को फिल्टर करने के साथ-साथ, एंटीवायरस, एंटीस्पाईवेयर, और गेटवे एंटी-स्पामेट को भी प्रबंधित करता है। सभी सर्वरों में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज सर्वर लाइसेंस और रेड हैट लिनक्स एंटरप्राइज का लाइसेंस है। प्रयोगशाला में स्थापित प्रत्येक कम्प्यूटर में विंडोज 7 का लाइसेंस है, और वे सभी एंटीवायरस सॉफ्टवेर से युक्त हैं।

नेटवर्क के मुख्य आधार को सिंगल मोड फाइबर ऑप्टिक्स केबल के अनुसार डिजायन किया गया है और आंतरिक नेटवर्क सिस्को 3750 कोर स्विच और सिस्को 2960 एक्सेस स्विच से युक्त है। एकेडमिक ब्लॉक आंतरिक रूप से वाई-फाई से जुड़े होने के साथ-साथ लैन से (कक्षा में रेलटेल के द्वारा उपलब्ध कराया गया 10 एमबीपीएस इंटरनेट बैंडविड्थ उपलब्ध है) युक्त है ताकि नेटवर्क से जुड़े हुए संसाधनों तक आसानी से पहुँच प्रदान की जा सके।

कुछ दूरी पर स्थित हॉस्टल, एकेडमिक ब्लॉक से वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) से जुड़ा हुआ है। हॉस्टल में वाई-फाई और वायरयुक्त लैन (रेलटेल द्वारा उपलब्ध कराये गए 20 एमबीपीएस 1:1 के इंटरनेट बैंडविड्थ) के माध्यम से 24×7 नेटवर्क से जुड़ने की सुविधा उपलब्ध है एकेडमिक और हॉस्टल दोनों क्षेत्र सिस्को एइरोनेट 1242 सिरीज यूबिक्विटी यूनीफाई आउटडोर एक्सेस पॉइंट्स और डीलिंक डीडब्ल्यूएल-3200 सिक्योर्ड वाई-फाई कनेक्टिविटी से जुड़ा हुआ है।

आईआईएम राँची राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) का भी एक हिस्सा बन चुका है, जो एक अत्याधुनिक अखिल भारतीय नेटवर्क है, और जिसका संचालन नेशनल इन्फोर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) के द्वारा किया जाता है। एनकेएन 1 जीबीपीएस की कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है, जिसमें से 100 एमबीपीएस को इंटरनेट बैंडविड्थ और शेष को इंट्रानेट बैंडविड्थ के लिए आबंटित किया है ताकि अंतर-विश्वविद्यालय और एनकेएन पूल कनेक्टिविटी प्रदान किया जा सके।

हॉस्टल

आईआईएम राँची का छात्र ब्लॉक, खेलगाँव के आवासीय क्षेत्र में स्थित है, जो सूचना भवन, राँची में स्थित एकेडमिक ब्लॉक से करीब 12 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है। खेलगाँव में छात्रों को समायोजित करने के लिए कमरे उपलब्ध हैं। आवास की सुविधा हेतु साझेदारी के आधार पर तीन बेडरूम और चार बेडरूम फ्लैट्स उपलब्ध है, जो पूरी तरह से सुसज्जित है। मेस और एक कैंटीन, तथा चिकित्सा सेवाओं के लिए डिस्पेंसरी दिन में औसतन 20 घंटे खुले रहते हैं। फ्लैट के सभी कमरों में एक लोग रह सकते हैं और यह इंटरनेट के उपयोग की सुविधा प्रदान करने के लिए कैंपस लैन तथा वाई-फाई कनेक्टिविटी से युक्त है। यहां हाउस-कीपिंग सुविधाएं भी प्रदान की जाती है। प्रत्येक ब्लॉक में दो सुरक्षाप्रहरी तैनात है जो चौबीसो घंटे निगरानी रखते हैं और छात्र, फैकल्टी तथा संस्थान के अन्य कर्मचारियों के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को अंदर जाने की अनुमति नहीं है। यहां सदस्यता के आधार पर बॉस्केटबॉल, टेनिस, बैडमिंटन, तैराकी, एथलेटिक्स आदि जैसे खेलों के लिए अलग-अलग स्टेडियम की सुविधा उपलब्ध है।

संकाय एवं कर्मचारी

मुख्य संकाय

आईआईएम राँची में संकाय सदस्यों का एक अद्वितीय समूह है, जो अनुभवी मुख्य संकाय और विजिटिंग संकाय का उचित सम्मिश्रण है। आईआईएम राँची के मुख्य संकाय सदस्य देश के श्रेष्ठ संस्थाओं के संकायों के समकक्ष हैं, जो एक-तिहाई से लेकर आधे पाठ्यक्रम तक के शिक्षण का कार्य कराते है। बाकी पाठ्यक्रम का शिक्षण उद्योग और देश/विदेश के प्रमुख संस्थाओं के अनुभवी और विद्वान विजिटिंग संकायों के द्वारा कराया जाता है। यह प्रस्तावित संकायों का सम्मिश्रण छात्रों को सशक्त सैद्धांतिक पृष्ठभूमि के निर्माण में सहायता करता है, साथ ही यह उन्हें सम्पूर्ण विश्व के उद्योगों और संस्थाओं के नवीन व्यावहारिक अनुप्रयोगों और विकास से भी परिचित कराता है।

नियुक्तियां

अप्रैल 2012 -मार्च 2013 के दौरान नियुक्त किये गये फैकल्टी की संख्या : 10

क्रम सं0	नाम	क्षेत्र	नियुक्ति की तिथि
1	डॉ आशीष हजेला	स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट	03.05.2012
2	डॉ तनुश्री दत्ता	न्यूरोसाइकोलॉजी एंड ओबी	07.05.2012
3	डॉ प्रदीप कुमार बाला	बिजनेस एनालिटिक्स ऐंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट	24.05.2012
4	डॉ बिजया मिश्रा	ओबी एंड एचआर	15.06.2012
5	डॉ शिबाशीष चक्रवर्ती	मार्केटिंग	03.07.2012
6	डॉ एन सिवाशंकरन	फाइनांस एंड एकाउंटिंग	05.07.2012
7	डॉ मौसुमी पाढ़ी	ओबी एंड एचआर	01.08.2012
8	डॉ विकास श्रीवास्तव	फाइनांस एंड एकाउंटिंग	27.08.2012
9	डॉ सासाधर बेरा	ऑपरेशंस मैनेजमेंट	29.08.2012
10	डॉ आनंद	फाइनांस एंड एकाउंटिंग	01.10.2012

प्रोफाईल

अमरेंदु नंदी

असिस्टेंट प्रोफेसर
क्षेत्र : *इकोनोमिक्स*
ईमेल : *amarendu@iimranchi.ac.in*

शिक्षण

- ❑ माइक्रोइकोनॉमिक्स
- ❑ मैक्रोइकोनॉमिक्स
- ❑ बिजनेस इन्वायर्नमेंट
- ❑ इंडिया एंड वर्ल्ड इकोनोमी
- ❑ डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स

अनुसंधान क्षेत्र

- ❑ इंटरनेशनल माइग्रेशन
- ❑ डेमोग्राफी
- ❑ सोशल सिक्यूरिटी
- ❑ कम्पेरेटिव पब्लिक पोलिसी

शिक्षा

- ❑ पीएचडी, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, सिंगापुर
- ❑ एमएससी इकोनॉमिक्स, बर्दवान यूनिवर्सिटी, वेस्ट बंगाल

पूर्व पदभार

अकादमिक

- ❑ गोवा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, गोवा असिस्टेंट प्रोफेसर

अमित सचन

असिस्टेंट प्रोफेसर
क्षेत्र : *ऑपरेशंस मैनेजमेंट*
ईमेल : *amitsachan@iimranchi.ac.in*

शिक्षण

- ❑ बिजनेस स्टेटिस्टीकस
- ❑ ऑपरेशंस रिसर्च
- ❑ ऑपरेशंस मैनेजमेंट
- ❑ सर्विस ऑपरेशंस मैनेजमेंट

अनुसंधान क्षेत्र

- ❑ सर्विस ऑपरेशंस मैनेजमेंट
- ❑ सप्लाई चेन मैनेजमेंट

शिक्षा

- ❑ फेलो इन मैनेजमेंट (पीएच.डी), मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, गुडगांव
- ❑ बी. टेक. (इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रूडकी

पूर्व पदभार

इंडस्ट्री

- ❑ सर्विस मैनेजर, इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग ग्रुप एओएन हेविट्ट, गुडगांव

आनंद

असिस्टेंट प्रोफेसर
क्षेत्र : *फाइनांस ऐंड अकाउंटिंग*
ईमेल : *anand@iimranchi.ac.in*

शिक्षण

- ❑ इनवेस्टमेंट एनालाइसिस एंड पोर्टफोलियो मैनेजमेंट
- ❑ कॉर्पोरेट फाइनांस
- ❑ प्रोजेक्ट फाइनांस
- ❑ बिजनेस प्रोसेस इंटीग्रेशन युजिंग सैप

अनुसंधान क्षेत्र

- ❑ डेरिवेटिव्स
- ❑ इन्फॉरमेशन इकोनोमिक्स
- ❑ मार्केट माइक्रोस्ट्रक्चर इसूज इन ईमर्जीग इकोनोमिक्स
- ❑ इकोनोमेट्रिक मॉडलिंग ऑफ टाइम सीरिज डाटा

शिक्षा

- ❑ पीएच.डी (थीसिस डिफेंडेड), आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी, देहरादून
- ❑ एम.टी.पी, आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी, देहरादून
- ❑ विजिटिंग डॉक्टरल स्कॉलर टू व्हिटमैन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (सिरैक्यूज यूनिवर्सिटी) अंडर विजिटिंग स्कॉलर प्रोग्राम ऑफ द आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी,देहरादून
- ❑ एम.कॉम, पटना यूनिवर्सिटी

पूर्व पदभार

अकादमिक

- ❑ असिस्टेंट प्रोफेसर, आईबीएस हैदराबाद, आईएफएचई यूनिवर्सिटी, हैदराबाद
- ❑ विजिटिंग स्कॉलर, मार्टिन जे व्हीटमैन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, (सिरैक्यूज यूनिवर्सिटी) सिरैक्यूज
- ❑ डॉक्टरल रिसर्च स्कॉलर, आईआईएमटी, हैदराबाद
- ❑ फैकल्टी रिसर्च एसोसिएट, आईएसएफएस, हैदराबाद

आशीष हजेला

असिस्टेंट प्रोफेसर
क्षेत्र : *स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट*
ईमेल : *ashish@iimranchi.ac.in*

शिक्षण

- स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट

अनुसंधान क्षेत्र

- इमर्जिंग मल्टीनेशनल कॉर्पोरेशंस (ईएमएनसी)
- स्मॉल एंड मिडियम इंटरप्राईजेज (एसएमईएस)
- बायोटेक्नोलॉजी स्पेक्टर

शिक्षा

- फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (पीएच.डी), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ
- पीजीडीएम फॉर एग्जिक्यूटिव, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ

पूर्व पदभार

अकादमिक

- असिस्टेंट प्रोफेसर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट काशीपुर, काशीपुर

उद्योग

- मैनेजर, बैंक ऑफ इंडिया

बिजया मिश्रा

असिस्टेंट प्रोफेसर
क्षेत्र : *एचआर ऐंड ओबी*
ईमेल : *bijayamishra@iimranchi.ac.in*

शिक्षण

- ह्यूमेन रिसोर्स मैनेजमेंट
- आर्गेनाइजेशनल विहेवियर
- आर्गेनाइजेशनल चेंज एंड डवलपमेंट

अनुसंधान क्षेत्र

- आर्गेनाइजेशनल चेंज एंड लर्नींग
- नॉलेज मैनेजमेंट
- इम्लॉई इंगेजमेंट

शिक्षा

- पीएच.डी, आईआईटी-दिल्ली
- पीजी इन पीएमआईआर, उत्कल यूनिवर्सिटी

पूर्व पदभार

अकादमिक

- असिस्टेंट प्रोफेसर, एआईएम-दिल्ली

उद्योग

- एचआर मैनेजर
  - नोवा पेट्रो कैमिकल्स लिमिटेड
  - अदानी एक्सपोर्ट लिमिटेड
  - एफआईआईबी, दिल्ली

जी आर चंद्रशेखर

असिस्टेंट प्रोफेसर
क्षेत्र : *स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट*
ईमेल : *grchandra@iimranchi.ac.in*

शिक्षण

- ❑ स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट
- ❑ इंटरप्रेनरशिप
- ❑ ग्रोथ एंड अनसरटेंटी

अनुसंधान क्षेत्र

- ❑ फर्म ग्रोथ, इवोल्यूशन एंड इंटरनेशनालाईजेशन
- ❑ इवोल्यूशन ऑफ बिजनेस ग्रुप्स
- ❑ अपलिकेशन ऑफ साइबरनेटिक्स एंड कॉमप्लेक्जीटि इन मैनेजमेंट
- ❑ इंडियन मैनेजमेंट

शिक्षा

- ❑ फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (पीएच.डी), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ
- ❑ पीजीडीएम, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बंगलोर
- ❑ बी.ई. (ईसीई) कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, ओस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद

पूर्व पदभार

अकादमिक

- ❑ असिस्टेंट प्रोफेसर इन आईआईएम इंदौर और एक्सएलआरआई जमशेदपुर

उद्योग

- ❑ स्टींटस इन कन्सल्टींग एंड बिजनेस डवलपमेंट इन इंडिया, मिडिल इस्ट, यूरोप एंड यूएसए
- ❑ लीडरशिप पोजिशन्स इन इंडिया एंड द यूके

हेमलता चंद्रशेखर

असिस्टेंट प्रोफेसर
क्षेत्र : *इनफॉरमेशन सिस्टम*
ईमेल : *hemalatha@iimranchi.ac.in*

शिक्षण

- ❑ इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलोजी
- ❑ मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स
- ❑ ई-बिजनेस

अनुसंधान क्षेत्र

- ❑ एजेंट मॉडल्स फॉर ई-कॉमर्स
- ❑ रेकमेंडर सिस्टम्स
- ❑ ऑटोमेटेड नेगोसिएशन

शिक्षा

- ❑ फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (पीएच.डी), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ
- ❑ बी.ई. (ईसीई), इंस्टीट्यूट फॉर रोड ऐंड ट्रांसपोर्ट टेक्नोलॉजी, ईरोड, तमिलनाडु

पूर्व पदभार

अकादमिक

- ❑ असिस्टेंट प्रोफेसर इन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट इंदौर

एम जे जेवियर

डायरेक्टर एंड प्रोफेसर
क्षेत्र : *मार्केटिंग*
ईमेल : *director@iimranchi.ac.in*

शिक्षण

- ❑ सीआरएम ऐंड डाटा माइनिंग
- ❑ बिजनेस एनालिटिक्स
- ❑ मार्केटिंग रिसर्च
- ❑ एक्सन लर्निंग
- ❑ स्प्रिचुअलिटि

अनुसंधान क्षेत्र

- ❑ बिजनेस एनालिटिक्स
- ❑ न्यूरो मार्केटिंग

शिक्षा

- ❑ फेलो इन मैनेजमेंट (पीएच.डी), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कोलकाता
- ❑ एम.टेक इन कैमिकल प्लांट इंजीनियरिंग, रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज, वारंगल
- ❑ बी.टेक इन कैमिकल इंजीनियरिंग, कोयंबटूर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर

पूर्व पदभार

अकादमिक

- ❑ डीन एट ग्रेट लेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट चेन्नई
- ❑ प्रोफेसर, आईआईएम, बंगलोर

मधुरिमा देब

असिस्टेंट प्रोफेसर
क्षेत्र : *मार्केटिंग*
ईमेल : *madhurima@iimranchi.ac.in*

शिक्षण

- ❑ मार्केटिंग मैनेजमेंट
- ❑ कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट
- ❑ सर्विसेज मार्केटिंग
- ❑ रिटेल मैनेजमेंट
- ❑ रिटेल ब्रांड मैनेजमेंट
- ❑ सेल्स मैनेजमेंट
- ❑ कन्जुमर विहेवियर

अनुसंधान क्षेत्र

- ❑ कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट
- ❑ रिटेल
- ❑ कन्जुमर विहेवियर

शिक्षा

- ❑ पीएच.डी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर
- ❑ एमबीए, आंध्रा यूनिवर्सिटी

पूर्व पदभार

अकादमिक

- ❑ असिस्टेंट प्रोफेसर एट नर्सी मूंजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई

मौसमी पाढ़ी

असिस्टेंट प्रोफेसर
क्षेत्र : *ओबी ऐंड एचआर*
ईमेल : *mousumi@iimranchi.ac.in*

शिक्षण

- ❑ इन्डस्ट्रिअल रिलेशनस
- ❑ टीम एंड ग्रुप डायनामिक्स
- ❑ रिसर्च मेथोडोलोजि
- ❑ ट्रेनिंग एंड डवलपमेंट

अनुसंधान क्षेत्र

- ❑ वर्क फैमिली इंटरफेस
- ❑ डायवर्सिटी मैनेजमेंट
- ❑ एक्यूलच्यूरेशन
- ❑ स्ट्रेटजिक एचआरएम

शिक्षा

- ❑ फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (पीएच. डी), जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट भुवनेश्वर
- ❑ एमबीए, उत्कल यूनिवर्सिटी भुवनेश्वर

पूर्व पदभार

अकादमिक

- ❑ असिस्टेंट प्रोफेसर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी राउरकेला

उद्योग

- ❑ रीजनल मैनेजर, विजया बैंक, कोलकाता

एन सिवासंकरन

असिस्टेंट प्रोफेसर
क्षेत्र : *फाइनांस ऐंड अकाउंटिंग*
ईमेल : *ns@iimranchi.ac.in*

शिक्षण

- ❑ फाइनेंनशियल रिपोर्टींग एंड एनालाइसिस
- ❑ मैनेजेरियल अकाउंटिंग
- ❑ बिजनेश वेल्यूएशन एंड माइक्रोफाइनेंस

अनुसंधान क्षेत्र

- ❑ अकाउंटिंग
- ❑ फाइनेंस
- ❑ माइक्रोफाइनेंस

शिक्षा

- ❑ पीएच.डी, भारथियर यूनिवर्सिटी
- ❑ एमबीए, भारथियर यूनिवर्सिटी

पूर्व पदभार

अकादमिक

- ❑ असिस्टेंट प्रोफेसर
  - ♦ आईआईएम शिलौंग
  - ♦ बीआईएम त्रिची
- ❑ मेंबर फैकल्टी एंड सेंटर हेड आईसीएफएआई नेशनल कॉलेज, डिंडीगुल एंड मदुरई
- ❑ लेक्चरर, जीआरडीआईएम, कोयंबटूर

प्रदीप कुमार बाला

एसोसिएट प्रोफेसर
क्षेत्र : *बिजनेस एनालिटिक्स, ऑपरेशंस मैनजमेंट*
ईमेल :*pkbala@iimranchi.ac.in*

शिक्षण

- ❑ डाटा माइनिंग
- ❑ डाटा वेयरहाउसिंग
- ❑ शॉफ्ट कम्प्यूटिंग फॉर मैनेजमेंट
- ❑ सिक्स सिग्मा
- ❑ ऑपरेशंस मैनेजमेंट
- ❑ बिजनेश स्टेटीसटिक्स
- ❑ मेटेरियल्स मैनेजमेंट

अनुसंधान क्षेत्र

- ❑ डाटा माइनिंग एप्लिकेशंस एंड एल्गोरिदम
- ❑ रिटेल इनभेंट्री मैनेजमेंट

शिक्षा

- ❑ पीएच.डी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर
- ❑ एम.टेक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर
- ❑ बी.टेक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर

पूर्व पदभार

अकादमिक

- ❑ असिस्टेंट प्रोफेसर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रूडकी
- ❑ एसोसिएट प्रोफेसर, जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, भुवनेश्वर

उद्योग

- ❑ मैनेजर, टाटा स्टील, जमशेदपुर

ससाधर बेरा

असिस्टेंट प्रोफेसर
क्षेत्र : *ऑपरेशंस मैनेजमेंट*
ईमेल : *sbera@iimranchi.ac.in*

शिक्षण

- ❑ ऑपरेशंस रिसर्च
- ❑ ऑपरेशंस मैनेजमेंट
- ❑ बिजनेस डाटा एनालिसिस, मॉडलिंग एंड ऑप्टिमाइजेशन

अनुसंधान क्षेत्र

- ❑ मल्टी स्टेज प्रोसेस ऑप्टीमाइजेशन
- ❑ एप्लीकेशन ऑफ मल्टी वेरियेट स्टेटीसटिक्स इन बिजनेस डाटा
- ❑ वेब एनाइटिक्स मेन्ली इन वेब यूजेज माईनिंग
- ❑ डाटाबेस इनालाइटिक्स (कस्टमर प्रोफाइलिंग, सेग्मेंटेशन, रिस्पांस स्कोरिंग मॉडल एंड चर्न डिटेक्शन)

शिक्षा

- ❑ पीएच.डी (थेसिस सबमिटेड) (आईआईटी बॉम्बे)
- ❑ एम.टेक इन क्वालिटी रिलायबिलिटी एंड ऑपरेशंस रिसर्च (इंडियन स्टैटिकल इंस्टीट्यूट, कोलकता)
- ❑ बी.ई (एनआईटी, दुर्गापुर)

पूर्व पदभार

उद्योग

- ❑ एसोसिएट प्रोफेसर प्रोजेक्ट मैनेजर, बॉस्टन एनालिटिक्स, मुंबई
- ❑ मैनेजर (बिजनेस एनालिसिस), 24/7 कस्टमर प्राइवेट लिमिटेड, बंगलोर
- ❑ मैनेजर, शालीमार वायर्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड, उत्तरपारा, वेस्ट बंगाल

शिबाशीष चक्रवर्ती

असिस्टेंट प्रोफेसर
क्षेत्र : *मार्केटिंग*
ईमेल : *shibashish@iimranchi.ac.in*

शिक्षण

- सर्विसेज मार्केटिंग
- सेल्स एंड डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट
- मार्केटिंग मैनेजमेंट

अनुसंधान क्षेत्र

- सर्विसेज मार्केटिंग
- सेल्स एंड डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट

शिक्षा

- पीएच.डी, जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता
- एमबीए, सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट,पुणे
- एमएससी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बॉम्बे

पूर्व पदभार

अकादमिक

- एसोसिएट प्रोफेसर, सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट,पुणे
- फैकल्टी मेंबर, आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल, कोलकाता
  - सिनियर लेक्चरर एंड सब्जेक्ट लीडर, टीएमसी इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड, सिंगापुर

उद्योग

- रीजनल मैनेजर (ईस्ट), आईएफबी अर्गो इंडस्ट्रीज लिमिटेड, कोलकाता
- ब्रांच मैनेजर, गोदरेज जीई एप्लायंसेज लिमिटेड, भुवनेश्वर
- सीनियर मार्केटिंग सुपरवाइजर, क्राम्पटन ग्रेव्स लिमिटेड, कोलकाता

सुबीर वर्मा

प्रोफेसर
क्षेत्र : *बिहेवियरल साइंस*
ईमेल : *subir.verma@iimranchi.ac.in*

शिक्षण

- ऑर्गेनाइजेशनल बिहेवियर
- ऑर्गेनाइजेशनल डिजाईन एंड चेंज
- इनफ्यूऐंशिंग एंड नेगोसिएशन स्कील
- टीम बिल्डिंग एंड लिडरशिप

अनुसंधान क्षेत्र

- ऑर्गेनाइजेशनल डेमोक्रेसी
- कॉर्पोरेट ग्रेटनेस
- इंडियन मैनेजमेंट
- इंडियन नेगोसिएशन स्टाईल्स

शिक्षा

- फेलो इन मैनेजमेंट (पीएच.डी), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद
- एम. फिल, दिल्ली यूनिवर्सिटी, एम.ए, दिल्ली यूनिवर्सिटी

पूर्व पदभार

अकादमिक

- एसोसिएट प्रोफेसर, मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, गुडगांव

तनुश्री दत्ता

असिस्टेंट प्रोफेसर
क्षेत्र : *न्यूरोसाइकोलॉजी ऐंड ओबी*
ईमेल : *tanusree@iimranchi.ac.in*

शिक्षण के क्षेत्र

- ❑ साइकोलॉजी
- ❑ न्यूरोसाइकोलॉजी
- ❑ ऑर्गनाइजेशनल बिहेवियर

अनुसंधान के क्षेत्र

- ❑ न्यूरोसाइकोलॉजी
- ❑ क्वालिटी ऑफ लाइफ

शिक्षा

- ❑ पीएच.डी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर

पूर्व पदभार

अकादमिक

- ❑ असिस्टेंट प्रोफेसर
  - ♦ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राजस्थान
  - ♦ बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी

विकास श्रीवास्तव

ऐसोसिएट प्रोफेसर
क्षेत्र : *फाइनांस ऐंड अकाउंटिंग*
ईमेल : *vikas.srivastava@iimranchi.ac.in*

शिक्षण के क्षेत्र

- ❑ कॉर्पोरेट फाइनांस
- ❑ प्रोजेक्ट फाइनांस
- ❑ मैनेजमेंट ऑफ बैंक लेंडिंग
- ❑ पब्लिक प्राइवेट पार्टनशिप एंड फाइनेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स

अनुसंधान के क्षेत्र

- ❑ पब्लिक प्राइवेट पार्टनशिप प्रोजेक्ट्स
- ❑ इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनांस सस्टेनेबल फाइनेंसियल मार्केट्स

शिक्षा

- ❑ विजिटिंग फेलो, हेलसिंकी स्कूल डॉक्टरल ऑफ इकोनॉमिक्स, फिनलैंड
- ❑ पीएच.डी (बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन), एआईएमए अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़
- ❑ एमबीए (फाइनांस), लखनऊ यूनिवर्सिटी
- ❑ एडवांस डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (एआईएमए)

पूर्व पदभार

अकादमिक

- ❑ एसोसिएट प्रोफेसर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट पुणे
- ❑ असिस्टेंट प्रोफेसर, अमिटी बिजनेस स्कूल, नोयडा

अप्रैल 2012 से मार्च 2013 के दौरान निम्न एकेडमिक काउंसिल मीटिंग्स (एसीएम) आयोजित किए गए:

क्रम सं0	एसीएम संख्या	तिथि
1	एसीएम संख्या 6/12	30.04.2012
2	एसीएम संख्या 7/12	09.07.2012
3	एसीएम संख्या 8/12	28.08.2012
4	एसीएम संख्या 9/12	10.10.2012
5	एसीएम संख्या 10/12	30.11.2012
6	एसीएम संख्या 11/12	26.02.2013

प्रकाशन

प्रो. अमरेन्दू नंदी

आलेख

- ओप-एड शीर्षक टैक्सिंग द रिच-फोकस ऑन जीएसटी ऐंड डीटीसी फर्स्ट, फाइनेंशियल एक्सप्रेस, जनवरी 17, 2013 (पृष्ठ 16)

प्रो. अमित सचन

पुस्तक

- इफेक्टिव सर्विस डिजाइन : इंटीग्रेटिंग कस्टमर प्रीफरेंसेस ऑगनाइजेशन स्ट्रेटेजी ऐंड रिसोर्सेस, लैम्बर्ट (एलएएमबीईआरटी) एकेडमिक पब्लिशिंग

पुस्तक अध्याय

- मेजरींग गैप बिटवीन कस्टमर प्रिफरेंसेस एंड मैनेजर्स परसेप्शनस ऑफ कस्टमर प्रिफेरेंसेस (शीर्षक पुस्तक के 12वें अध्याय के रूप में प्रकाशित) ''ऑपरेशंस एक्सीलेंस ए की फॉर परफॉर्मेंस एक्सेलेंस'' रवि कुमार जैन, भिमार्या ए मेत्री एंड जतिंदर एन डी गुप्ता, एक्सल बुक्स द्वारा संपादित।

आलेख, अनुसंधान प्रकाशन एवं पेपर प्रेजेंटेशन

- मेजरींग गैप बिटवीन कस्टमर प्रिफरेंसेस एंड मैनेजर्स परसेप्शनस ऑफ कस्टमर प्रिफेरेंसेस इन द सिक्सथ इंटरनेशनल कॉन्फेरेंस ऑन डिसीजन साइंस फॉर परफॉरमेंस एक्सिलेंस, एट हैदराबाद, दिसम्बर 27–29, 2012
- रिसर्च मैथोडोलौजीस इन प्राइवेट इक्विटी : 2005–2011 (सह लेखकः स्मित सुमन, सुवंश शरण), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्राइवेट इक्विटी (लैम्बर्ट एकेडमिक पब्लिकेशन), वॉल्यूम.15, सं0.3 (पृष्ठ 33–34) पर एक अवलोकन।
- स्ट्रेटेजिक सिगमेंटेशन ऑफ एटीएम युजर इन इंडिया, एएसबीएम जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, वॉल्यूम सं0. 4, अंक.2 (पृष्ठ 39–53) 2012
- ऑनलाइन ट्रेवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री एन इंडियन कॉन्टेक्सट (सह-लेखक : शुभम कुमार चौधरी), प्रोडक्टिविटी, वॉल्यूम 53, सं0 4, 2013, पृष्ठ 303-310. पर एक अवलोकन।

प्रो. आनंद

आलेख एवं अनुसंधान प्रकाशन

- ए स्टडी ऑफ इनफॉर्मेशन कांटेंट ऑफ एनालिस्टस इस्टीमेटस ऑफ अकाउंटिंग इन्कम नंबरस, प्रोसिडींग्स ऑफ इंडिया फाइनांस कांफ्रेंस (आईएफसी), आईआईएम कोलकाता, दिसंबर 2012

प्रो. आशीष हजेला

आलेख एवं अनुसंधान प्रकाशन

- हाई टेक्नोलोजी इन एमर्जींग मार्केट्स : बिल्डींग बायोटेक्टिनोलोजी क्लस्टरस, कैपेबिलिटीज एंड कॉमपीटिटिवनेस इन इंडिया (सह-लेखकः एएचएन, एम जे ऐंड अकबर, एम) एशिया-पेसिफिक जर्नल ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, वॉल्यूम. 4, अंक. 1, 2012।
- इंटर नेशनालाईजेशन ऑफ स्मॉल एंड मिडियम सॉफ्टवेयर फर्मस फ्रॉम इंडिया, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टेक्नोलॉजीकल लर्निंग, इनोवेशन ऐंड डेवलपमेंट (सह-लेखकः अकबर, एम), नई दिल्लीः एक्सेल बुक्स, वॉल्यूम. 6, सं0 1/2 (पृष्ठ 88-101) 2013।

प्रो. बिजया मिश्रा

आलेख, अनुसंधान प्रकाशन एवं पेपर प्रेजेंटेशन

- चायलेंजेस बिफोर इंडियन ट्रेड युनियनस इन द फेस ऑफ न्यू ग्लोबल ट्रेड युनियन एंड आर्डर एचआर पर्सपेक्टीवस, कांफ्रेंस प्रोसीडींगस ऑफ द 54 इंडियन सोसायटी ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स कांफ्रेंस अंडर द ऐजिस ऑफ बीएचयू, वाराणसी, 20-22 दिसंबर 2012
- स्ट्रेटेजिक एचआर इंटीग्रेशन एंड प्रोएक्टीव कम्युनिकेशन डयूरिंग एम एंड ए : अ स्टडी ऑफ इंडियन बैंक मर्जरस (सह-लेखकः उदय भास्कर और कनिका टी भाल), ग्लोबल बिजनेस रिव्यू, वॉल्यूम.13, अंक 2, सितंबर-दिसंबर 2012

प्रोफेसर एम जे जेवियर

आलेख, शोध प्रकाशन, और पेपर प्रेजेंटेशन

- वॉई इट इज इम्पोर्टेंट फॉर इंडियन बी-स्कूल्स टू अट्रॅक्ट इंटरनेशनल एप्लिकेंट्स नॉउ, पागलगाई.कॉम, 3 अप्रैल, 2012
- अग्ली डकलिंग टू ए ब्यूटीफुल स्वान, कॉमडेक्स टाइम्स, प्रबंधन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट वॉल्यूम XVIII, इसू 5, मई 2012
- जोहार आईआईएम राँची, एडूटेक, वॉल्यूम 3, अंक 5, मई 2012
- कोम्पीटेंसीस एंड स्कील्स फॉर द न्यू एमबीए, एडूटेक, वॉल्यूम 3, अंक 6, जून 2012
- इस्ट-द सेंटर्स फॉर क्वालिटी एडुकेशन, इंडिया टुडे, जून 2012
- फाइंड योर ओन वे, प्रभात खबर, जून 2, 2012
- गियरींग टू बी द नौलेज हब ऑफ ईस्ट, टीओआई- एजुकेशन टाइम्स, 30 जून, 2012
- ए यूनिक एमबीए टिचिंग मॉडल डैट इज यूजफुल टू बिजनेस, गवर्नमेंट एंड सोसाइटी, वीकेंड लीडर, वॉल्यूम 3, अंक 31, 3 अगस्त, 2012
- बिजनेस में सफलता के दस मन्त्र, लाइफ ऐट पटना, प्रभात खबर, पटना, 11 जून, 2012
- एसेंट्रीक विथ ए विजन, एडुटेक, जुलाई 2012
- झारखण्ड ए सवॉट एनालिसिस, रांची लाइफ स्टाइल, अगस्त 2012 (पेज 36-38)
- एडुकेशन टू बिकम ट्रूली प्राइसलेस, एडुटेक, वॉल्यूम 3, संख्या 9, सितम्बर 2012 (पी.पी 8-10)
- कस्टमर सर्विस - ईस्ट वेस्ट, रांची लाइफ स्टाइल, सितम्बर 2012(पी.पी 41)
- री पोजिशनिंग एमबीए- नीड फॉर ऐन अन एमबीए, आउटलुक, अक्टूबर 2012
- इंडस्ट्री-एकेडेमिया गवर्नमेंट कोलॉबेरेशन, एडुटेक, अक्तूबर 2012(पी.पी 8-10)
- फॉर सक्सेस इन बिजनेस - रांची लाइफ स्टाइल, अक्तूबर 2012(पी.पी 43)
- एमबीए एजुकेशन इन इंडियाः शेप अप और शिप आउट, नवंबर 2012(पी.पी 8 और 9)
- परचेज डिपेंडेंसी वेस्ड डिमांड फोरकास्टिंग इन इंप्रूव्ड स्पेयर पार्टस इन्वेंटरी मैनेजमेंट,(सह लेखक : डॉ पी के बाला), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन मैनेजमेंट, इकोनॉमिक्स ऐंड कॉमर्स, वॉल्यूम 2, अंक 11, नवंबर 2012
- सोल्वींग फंग्शनल इलेट्रेसी इन इंडिया एडुटेक, दिसंबर 2012
- चाइलेंजस ऑफ मैनेजमेंट एडुकेशन इन इमर्जिंग मार्केटस : ए फ्युजन ऑफ द ईस्ट एंड द वेस्ट, बिजनेस प्लस मार्केट्स - इमर्जिंग बिजनेस एंड मार्केटस रिव्यू, वॉल्यूम 1, अंक 2, दिसंबर 2012
- आईआईएम हैव टू रिनवेंट देमसेल्वस, एजुकेशन इनसाइडर, जनवरी 2013
- बिजनेस फॉर अ कॉज- इंडिया नाउ, दिसंबर- जनवरी 2013
- टैबलेट्स बैटलिंग फैकल्टी शॉर्टेज इन इंडिया, डिजिटल लर्निंग, फरवरी 2013
- वैल्यू एडुकेशन, राँची लाइफ स्टाइल, मार्च 2013, (पी.पी 14- 17)
- परसेवरेंस एंड हार्ड वर्क, कॉलम इन रांची लाइफस्टाइल, मार्च 2013 (पेज 17)
- क्लासिफिकेशन बेस्ड फोरकास्टिंग फॉर इम्प्रूव्ड इन्वेंटरी मैनेजमेंट, (सह लेखक : डॉ पी के बाला), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट, मार्च 2013
- डेटर्मिनन्ट्स ऑफ कस्टमर्स ऑनलाइन पर्चेस इंटेंशन - एन एम्पीरिकल स्टडी इन इंडिया(सह लेखक : अरूण थमिजवानन), जर्नल ऑफ इंडियन बिजनेस रिसर्च, वॉल्यूम 5 अंक 1, 2013 (पी.पी 17-32)

प्रो. मौसमी पाढ़ी

पुस्तक अध्याय

- प्रेडिक्टर्स ऑफ इथिक्ल बिहेवियर एट वर्क प्लेस इन सस्टेनिबिलिटी एंड ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट'', इन ''इनक्लूसिवनेस सस्टेनेबिलिटी एंड ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट'', एन. एम. अग्रवाल, एम. जी. जोमोन और बी. वार्के (ईडीएस.) (सह लेखकः अभिलाष आचार्य), मैकग्रौ हिल, 2013

आलेख, शोध प्रकाशन, और पेपर प्रेजेंटेशन

- बिल्डिंग ए केस फॉर रिसर्च इन वर्क फैमिली लिंकेजेस : पर्सपेक्टिवस फ्रॉम एकेडमिक एंड पोपुलर रिसर्च (सह लेखकः पटनायक, एस.) साइबर टाइम्स इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टेक्नोलॉजी ऐंड मैनेजमेंट, वॉल्यूम 5, सं. 2, 2012 (पी.पी 150-159)
- रोल ऑफ कांग्रुऐंस इन वर्क फैमिली इंटरफेस, टेंथ एआईएमएस इंटरनेशनल कांफ्रेंस, आईआईएम बंगलोर, 6-9 जनवरी, 2013
- रोल ऑफ इंटीग्रेशन - सिग्मेंटेशन इन वर्क फैमिली कान्फ्लीक्ट एंड एनरिचमेंट (सह लेखक : पटनायक,एस.), इंटरनेशनल सोसायटी फॉर द स्टडी ऑफ वर्क ऐंड ऑर्गनाइजेशनल वैल्यूज, गोवा, 24-27 जून, 2012
- ए रिसोर्स पर्सपेक्टीव टू डेलीनिटींग द बाउंड्री स्ट्रेटीजी बिटवीन वर्क एंड फैमिली ऑफ सॉफ्टवेयर इम्पलाईस इन द इंडियन आईटी सेक्टर (सह लेखकः पटनायक, एस.), 28वां ईजीओएस कोलोक्वियम 'डिजाइन?' हेलसिंकी, फिनलैंड, 5-7 जून, 2012

प्रो. एन सिवासंकरन

आलेख

- इनभेस्टमेंट लेसन्स फ्रॉम आईपीएल-5, फाइनेंशियल एक्सप्रेस, जून 2012
- एनालाइज फाइनेंशियल स्टेटमेंट्स बिफोर इनभेस्टींग, बिजनेस लाइन, सितंबर 2012
- अंडरस्टेंडिंग डिस्काउंटेड कैश फ्लोस (सह लेखक : प्रो विकास श्रीवास्तव), बिजनेस लाइन, अक्तूबर 2012
- फॉर फाइनेंशियल वेल-बियिंग इन 2013 एंड एहेड, फाइनेंशियल एक्सप्रेस, जनवरी 2013
- मेकिंग ए ट्रेडऑफ बिटविन करेंट एंड फ्यूचर निडस, फाइनेंशियल एक्सप्रेस, जनवरी 2013
- वाईटीएम मैथड कैलकुलेट प्री-टैक्स रिटर्न ऑन डिपोजिट (सह लेखक : प्रो विकास श्रीवास्तव), फाइनेंसियल एक्सप्रेस, जनवरी 2013
- कट एक्सपेंसेज फोर परमानेंट पार्किंग स्पौट इन सेफ्टी जोन, फाइनेंशियल एक्सप्रेस, फरवरी 2013
- वेज टू विल्ड पौजिटिव क्रेडिट स्कोर फॉर फाइनेंशियल अस्सिटेंस, फाइनेंशियल एक्सप्रेस, मार्च 2013
- कॉमन-साइज स्टेटमेंट फॉर मोनिटरींग वेल्थ क्रिऐशन, फाइनेंशियल एक्सप्रेस, मार्च 2013
- पुटिंग रेलवेज ऑन प्रोफिट ट्रैक (सह लेखक : प्रो अमनेन्दू नंदी), बिजनेस लाइन, मार्च 2013

प्रो प्रदीप कुमार बाला

आलेख, शोध प्रकाशन, और पेपर प्रेजेंटेशन

- इमप्रुभिंग इनवेंट्री परफोरमेंस विथ क्लस्टरिंग बेसड डिमांड फॉरकास्टस, जर्नल ऑफ मॉडलिंग इन मैनेजमेंट, वॉल्यूम 7, अंक 1, पी.पी 23-37, 2012
- एन इनवेंट्री रिप्लेनिशमेंट मॉडल अंडर परचेज डिपेंडेंसी इन रिटेल सेल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटर एप्लिकेशंस, वॉल्यूम 37, सं0 10, 2012
- परचेज डिपेंडेंसी बेस्ड डिमांड फॉरकास्टींग इन इम्प्रुभ्ड स्पेयर पार्टस इंवेंट्री मैनेजमेंट (सह लेखक : डॉ एम जे जेवियर), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन मैनेजमेंट, इकोनॉमिक्स ऐंड कॉमर्स, वॉल्यूम 2, अंक 11, नवंबर 2012
- क्लासिफिकेशन बेस्ड फॉरकास्टींग फॉर इम्प्रुभ्ड इनवेंट्री मैनेजमेंट, (सह लेखक : डॉ एम जे जेवियर), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट, मार्च 2013
- परचेज डिपेंडेंसी बेस्ड डिमांड फॉरकास्टींग इन इम्प्रुभ्ड स्पेयर पार्ट्स इंवेंटरी मैनेजमेंट (सह लेखक : डॉ एम जे जेवियर), इंटरनेशनल काफ्रेंस ऑन आईटी एंड बिजनेस इंटेलिजेंस, आईटीबीआई-2012, भुवनेश्वर, भारत, 23-25 नवंबर, 2012 (पी.पी.10)

प्रो सासाधर बेरा

आलेख

- एन इलिप्सोइडल डिस्टेंस-बेस्ड सर्च स्ट्रेटेजी ऑफ ऐंट्स फॉर नॅन लीनियर सिंगल ऐंड मल्टीपल रिसपांस ऑप्टिमाइजेशन प्रॉबलम्स (सह लेखक : इंद्रजीत मुखर्जी), यूरोपियन जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च, वॉल्यूम 223, सं0 2, पी.पी 321-332, दिसंबर 2012
- स्टडींग फाइनेंशियल इनक्लुजन इन नॉर्थ-ईस्ट इंडिया (सह लेखक : दिशा भनोट, वाराद्राज बापत), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बैंक मार्केटिंग, वॉल्यूम 30 (6), पी.पी 465-484, 2012

प्रो शिबाशीश चक्रवर्ती

आलेख एवं शोध प्रकाशन

- एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑफ इम्पोर्टटेंट एसपेक्ट ऑफ एग मार्केट इन कोलकाता, जर्नल ऑफ सिंबियोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, पुणे, वॉल्यूम 3, पी.पी 13-34
- एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑन डिटरमिनेंटस ऑफ कस्टमर सेटिसफेक्शन ऑफ लिडिंग मोबाइल नेटवर्क प्रोवाइडर्स-केस ऑफ कोलकाता, जर्नल ऑफ एडवांसेज इन मैनेजमेंट रिसर्च (एमराल्ड पब्लिकेशंस), वॉल्यूम 10, सं0 2, 2013 (पी.पी 279-298)

प्रो तनुश्री दत्ता

पुस्तक अध्याय

- पर्सपेक्टीव ऑन कॉग्नीटिव साइकोलोजी इन द बुक टाईटल्ड बायस इन ह्यूमन बिहेवियर (सह लेखक : मंडल, एम. के. और कुमार, एस.) (2012) ईडीएस, नोवा पब्लिशर्स, न्यूयॉर्क, 2012
- स्प्रीचुयल इनटिलिजेंस एट द वर्क प्लेस, इन चटर्जी, डी.,धल,एम.,ऐंड पति, एस. पी, (ईडीएस), हाई-टेक पीपल हाईटेक एचआर : आर वी मिसिंग द ह्यूमन टच? (सह लेखक : भाटिया, एन., श्रीवास्तवा, यू., ऐंड कुमार, एस.) (2013), ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड। नई दिल्ली। (आईएसबीएन : 978-82951-20-9), पृष्ठ 181-189

प्रो विकास श्रीवास्तव

पुस्तकें

- प्रोजेक्ट फाइनेंस ऐंड मेजरमेंट ऑफ रिस्क फोकस : फाइनेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्टर बॉय इंडियन बैंकस (2012), आईएसबीएन-13: 979-3848490585, एलएपी, लैम्बर्ट एकेडमिक पब्लिशिंग जीएमबीएच एंड कंपनी, केजी, 2012
- प्रोजेक्ट ऐंड इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस (2013) - आईएसबीएन -10-1-12-193484-4, टाटा मैकग्रो हिल कस्टमाइज्ड पब्लिकेशन, 2013

आलेख, शोध प्रकाशन

- टेलीकॉम सेक्टर फाइनेंसिंग इन इंडिया : बॉम्बे कम्युनिकेशन लिमिटेड की केस स्टडी, जर्नल ऑफ अप्लाएड फाइनेंस, नवंबर 2012
- अंडरस्टेंडिंग डिस्काउंटेड कैश फ्लो (सह लेखक : प्रो एन. शिवासंकरन), बिजनेस लाइन, 2013
- वाईटीएम मैथड टू कैलकुलेट प्री-टैक्स रिटर्न ऑन डिपोजिट्स (सह लेखक : प्रो एन. शिवासंकरन), फाइनेंसियल एक्सप्रेस, जनवरी 2013
- बेसल-II एंड प्रोजेक्ट फाइनेंस, द इंडियन बैंकर (सह लेखक : कावेरी), इंडियन बैंक एसोसिएशन का प्रकाशन, मार्च 2012
- कॉर्पोरेट डेब्ट रि-स्ट्रक्चरिंग, कवर स्टोरी ऑफ द इंडियन बैंकर (सह लेखक : कावेरी), इंडियन बैंक एसोसिएशन का प्रकाशन, सितम्बर 2012
- इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस : चाइलेंजेज ऑफ रि-स्ट्रक्चरिंग (सह लेखकः कावेरी), द इंडियन बैंकर, इंडियन बैंक एसोसिएशन का प्रकाशन, मार्च 2013

अतिथि संकाय

प्रो. (फादर) ए सी जेसुराजन, एसजे
जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट भुवनेश्वर
क्षेत्र : जेनरल मैनेजमेंट

प्रो. आलोक चतुर्वेदी
क्रानर्ट ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, पुर्ड्यू यूनिवर्सिटी वेस्ट लाफायेट्ट, आईएन, यूएसए
क्षेत्र : इंफॉर्मेशन सिस्टम्स ऐंड कम्प्यूटर साइंस

प्रो. अनुराधा जायसवाल
ज्ञान इंस्टीट्यूट रांची
क्षेत्र : जेनरल मैनेजमेंट

प्रो. आशीष बनर्जी
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता
क्षेत्रः मार्केटिंग

प्रो. अविनाश रवाने
क्षेत्र : अकाउंटिंग ऐंड फाइनांस

प्रो. भारद्वाज शिवाकुमारन
ग्रेट लेकस इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, चेन्नई
क्षेत्रः मार्केटिंग

प्रो. सी पांडुरंग भट्ट
भारतीय प्रबंध संस्थान कलकत्ता
क्षेत्रः जेनरल मैनेजमेंट

प्रो. डी इजराइल
एक्सएलआरआई जमशेदपुर
क्षेत्र : मार्केटिंग

प्रो. एफ एम साहू
जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट भुवनेश्वर
क्षेत्र : ओबी

प्रो. इभा कुमार
जेवियर इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट भुवनेश्वर
क्षेत्रः जेनरल मैनेजमेंट

प्रो. ए जी बालासुब्रमणियन
गोवा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट गोवा
क्षेत्र : एचआरएम

प्रो. एंड्रू दत्ता
जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट भुवनेश्वर
क्षेत्र : एचआरएम

प्रो. अर्पिता सुत्रधार
स्वतंत्र सलाहकार, नई दिल्ली
क्षेत्र : जेनरल मैनेजमेंट

प्रो. आशीष के भट्टाचार्य
भारतीय प्रबंध संस्थान कलकत्ता
क्षेत्र : अकाउंटिंग ऐंड फाइनांस

प्रो. बी बी चक्रवर्ती
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता
क्षेत्र : अकाउंटिंग ऐंड फाइनांस

प्रो. सी नागाराजन
लोयला इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन चेन्नई
क्षेत्र : ऑपरेशंस मैनेजमेंट

प्रो. सी वी बक्शी
मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट गुड़गांव
क्षेत्र : पब्लिक पॉलिसी ऐंड गवर्नेंस

प्रो. ई एम राव
जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट भुवनेश्वर
क्षेत्र : एचआरएम

प्रो. जी कन्नाबिरन
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी तिरूचिराप्पल्ली
क्षेत्र : इनफार्मेशन सिस्टम्स

प्रो. आईएसएफ ईरूदयाराज
एक्सएलआरआई जमशेदपुर
क्षेत्र : ओबी ऐंड एचआरएम

प्रो. जे एन मुखोपाध्याय
ग्लोसिन बिजनेस स्कूल, कोलकाता
क्षेत्रः अकाउंटिंग ऐंड फाइनांस

प्रो. जयेश गोर्गी
क्षेत्र : अकाउंटिंग ऐंड फाइनांस

प्रो. जिजो लुकोस्
इंस्टीट्यूट ऑफ फाइनेंशियल मैनेजमेंट ऐण्ड रिसर्च, चेन्नई
क्षेत्रः फाइनेंस

प्रो. कल्याणरमण एस
संस्थापक निदेशक, दि एकेडमिक मेंटर्स, चेन्नई
क्षेत्र : ऑपरेशंस मैनेजमेंट

प्रो. एम जी जोमोन
एक्सएलआरआई जमशेदपुर
क्षेत्र : ओबी

प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव
मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट गुडगाँव
क्षेत्रः ऑपरेशंस मैनेजमेंट

प्रो. माइकल डानिनो
कन्वेनर, इंटरनेशनल फोरम फॉर इंडियाज हेरिटेज, कोयंबटूर
क्षेत्र : जेनरल मैनेजमेंट

प्रो. मुकेश चतुर्वेदी
बीआईएम टेक, नई दिल्ली
क्षेत्र : मार्केटिंग

प्रो. नलिन एस. कोहली
क्षेत्र : जेनरल मैनेजमेंट

प्रो. नलिनीप्रवा त्रिपाठी
भारतीय प्रबंध संस्थान शिलौंग
क्षेत्र : अकाउंटिंग ऐंड फाइनांस

प्रो. निशांत गोयल
सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ साइकिएट्री रांची
क्षेत्र : जेनरल मैनेजमेंट

प्रो. निशिगंधा भुयान
भारतीय प्रबंध संस्थान कलकत्ता
क्षेत्र : जेनरल मैनेजमेंट

प्रो. पी एन शुक्ला
कंसल्टेंट, गुड़गांव
क्षेत्र : एचआरएम

प्रो. पी रथ
भारतीय प्रबंध संस्थान कलकत्ता
क्षेत्र : जेनरल मैनेजमेंट

प्रो. प्रबल के. सेन
एक्सएलआरआई
क्षेत्र : इकोनोमिक्स

प्रो. प्रलॉय मजूमदार
भारतीय प्रबंध संस्थान कलकत्ता
क्षेत्र : अकाउंटिंग ऐंड फाइनांस

प्रो. पुरबा एच राव
विजिटिंग फैकल्टी, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
ग्रेट लेक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट चेन्नई
क्षेत्रः इफॉर्मेशन सिस्टम्स

प्रो. पुरुषोत्तम सेन
भारतीय प्रबंध संस्थान कलकत्ता
क्षेत्रः फाइनांस ऐंड कंट्रोल

प्रो. राजेश के. ऐठल
भारतीय प्रबंध संस्थान लखनऊ
क्षेत्र : मार्केटिंग

प्रो. राजेश्वरी विक्टर
चेन्नई बिजनेस स्कूल, चेन्नई
क्षेत्र : मार्केटिंग

प्रो. राजीव मिश्रा
एक्सएलआरआई जमशेदपुर
क्षेत्रः प्रोडक्शन ऐंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट

प्रो. रमेश शरण
राँची विश्वविद्यालय, राँची
क्षेत्रः जेनरल मैनेजमेंट

प्रो. राशिद अहमद
क्षेत्र : मार्केटिंग

श्री संजय बढे
स्वतंत्र सलाहकार, मुंबई
क्षेत्र : मार्केटिंग

प्रो. शंकरसन बासु
भारतीय प्रबंध संस्थान बंगलौर
क्षेत्र : फाइनेंस

प्रो. शाहजहां
भारतीय प्रबधं संस्थान शिलौंग
क्षेत्र : मार्केटिंग

प्रो. शुभाज्योति रे
जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट भुवनेश्वर
क्षेत्र : ऑपरेशंस मैनेजमेंट

प्रो. सुभाष शर्मा
क्षेत्र : जेनरल मैनजमेंट

श्री सुनील परमेश्वरन
बिजनेस स्कूल प्रोफेसर तथा कॉर्पोरेट ट्रेनर एवं मैनेजमेंट कंसल्टेंट, बंगलोर
क्षेत्र : अकाउंटिंग ऐंड फाइनांस

प्रो. स्वप्न कुमार मजूमदार
जे. के. लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी, अजमेर
क्षेत्र : ऑपरेशंस मैनेजमेंट

श्री वीर मेहता
बिजनेस थिंक लर्निंग सेंटर, गुड़गांव
क्षेत्र : जेनरल मैनेजमेंट

प्रो. विद्यानंद झा
भारतीय प्रबंध संस्थान कलकत्ता
क्षेत्र : ऑर्गनाइजेशनल बिहेवियर

प्रो. विनोद लाल
मिन्नेसोटा स्टेट यूनिवर्सिटी, मूरहेड, यूएसए
क्षेत्र : ऑपरेशंस मैनेजमेंट

प्रो. एस. शिवेन्दु
दि पॉल मिराज स्कूल ऑफ बिजनेस, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, इरविन
क्षेत्र : इनफार्मेशन सिस्टम्स

प्रो. संजय बासु
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट, पुणे
क्षेत्र : अकाउंटिंग ऐंड फाइनांस

प्रो. संतोष शर्मा
संस्थापक तथा सीईओ, कांसियस एडवाइजरी सर्विसेज प्रा. लिमिटेड, जमशेदपुर
क्षेत्र : ऑर्गनाइजेशनल बिहेवियर

प्रो. शरद सरीन
एक्सएलआरआई जमशेदपुर
क्षेत्र : मार्केटिंग

श्री सिग्गी सिमॉन
ऑनलाइन मार्केटिंग मैनेजर
कैराट लेन ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई
क्षेत्र : मार्केटिंग

प्रो. सुदास राय
पूर्व-फैकल्टी सदस्य, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कलकत्ता
क्षेत्र : मार्केटिंग

प्रो. सुनीता सिंह सेनगुप्ता
फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
क्षेत्र : ओबी

प्रो. वी सनल कुमार
भारतीय प्रबंध संस्थान कोझीकोड
क्षेत्र : मार्केटिंग

श्री वेंकटेश बी
नवेरा कंसल्टिंग, चेन्नई
क्षेत्र : अकाउंटिंग ऐंड फाइनांस

श्री विनोद डुंबलेकर
मंतिस, इंटरनेशनल सिमुलेशन ऐंड गेमिंग एसोसिएशन, नई दिल्ली
क्षेत्र : अकाउंटिंग ऐंड फाइनांस

कर्मचारीगण

अप्रैल 2012-मार्च 2013 के दौरान नियुक्त किए गए स्टाफ सदस्यों का विवरण :

क्रम सं0	नाम	किस रूप में योगदान दिया	पदभार ग्रहण करने की तिथि	स्थायी/कॉंट्रैक्ट
1	कर्नल बाला के नायर	वीपी एडमिनिस्ट्रेशन	03.09.2012	कॉंट्रैक्ट
2	जे गैब्रियल	एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर	01.01.2013	कॉंट्रैक्ट

1 अप्रैल 2012-31 मार्च 2013 के दौरान संस्था से पदत्याग करनेवाले स्टाफ सदस्यों का विवरण

क्रम सं0	नाम	किस रूप में योगदान किया	त्यागपत्र देने की तिथि	स्थायी/कॉंट्रैक्ट
1	अरूण कुमार तिवारी	असिस्टेंट मैनेजर एक्सटर्नल अफेयर्स	18.10.2012	कॉंट्रैक्ट
2	कमलेश कुमार ठक्कर	फाइनांस ऐंड अकाउंट्स ऑफिसर	16.03.2013	कॉंट्रैक्ट
3	राजेश ई पात्रो	ओएसडी (झारखंड सरकार)	30.04.2012	प्रतिनियुक्ति पर
4	रामा राव थोटा	लाइब्रेरी ऐंड इंफॉर्मेशन असिस्टेंट	31.08.2012	कॉंट्रैक्ट
5	जी गिलानी	एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर (एडमिन)	12.12.2012	स्थायी

1 अप्रैल 2012-31 मार्च 2013 के समयावधि में पेरोल पर रहनेवाले स्टाफ सदस्यों का विवरण

क्रम सं0	नाम	पद
	स्थायी	
1	जयंत कुमार त्रिपाठी	डिपुटी लाइब्रेरियन
	कॉंट्रैक्ट पर	
1	अभय कुमार	हॉस्टल सुपरवाइजर
2	अनिता सिंह सरवानो	प्रोग्राम को-आर्डिनेटर
3	बी जगन राव	ए.ओ-पीजीपी
4	दिलीप कुमार पाठक	ऑफिस असिस्टेंट
5	ज्ञान प्रकाश	डाक्टर
6	गौतम कुमार शर्मा	अकाउंटेंट
7	जानकी जगन	एक्जीक्यूटिव असिस्टेंट टू डायरेक्टर
8	जे. गेब्रियल	एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर
9	कमलेश कुमार ठक्कर	एफ एंड एओ
10	मुकेश कुमार यादव	ऑफिस असिस्टेंट
11	नवल कुमार सिंह	ऑफिस असिस्टेंट
12	परिशेष पाठक	आईटी-एक्जीक्यूटिव
13	रचना शर्मा	ऑफिस असिस्टेंट
14	शिव कुमार शंकर	फैकल्टी रिसर्च एसोसिएट
15	मानस बनर्जी	पर्सनल असिस्टेंट
16	कर्नल बाला कुमार नायर	वीपी-एडमिनिस्ट्रेशन

नामांकन

एफपीएम

इस कार्यक्रम में पांच छात्रों ने नामांकन कराया। उनके नाम तथा एकाग्रता के क्षेत्र का विवरण इस प्रकार है :

क्रम सं.	नाम	क्षेत्र
1	अभिलाष आचार्य	ओबी ऐंड एचआरएम
2	बिपुल कुमार	ओएम
3	कौस्तव साह	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट
4	शरद अग्रवाल	मार्केटिंग
5	विनीत पुन्नूसे	जेनरल मैनेजमेंट

पीजीडीएम

दाखिले के मापदंड

आईआईएम रांची में दाखिला कैट में स्कोर के समग्र प्रदर्शन, लिखित विश्लेशण परीक्षण तथा उम्मीदवारों के प्रोफाइल के अनुरूप व्यक्तिगत साक्षात्कार (डब्ल्यूएटी ऐंड पीआई) के आधार पर होता है। डब्ल्यूएटी और पीआई प्रक्रिया सभी छह नये आईआईएम, जिनके नाम हैं रांची, रोहतक, रायपुर, तिरूचिरापल्ली, उदयपुर और काशीपुर, में समान है। 2012 में आईआईएम रांची ने उपरोक्त सभी छह नए आईआईएम के लिए प्रवेश प्रक्रिया का समन्वय किया।

कट-ऑफ कैट परसेंटाइल और छात्रों की संख्या

श्रेणी	छात्रों की संख्या	न्यूनतम परसेंटाइल		
		मौखिक/लॉजिकल रीजनिंग	क्वांटिटेटिव (परिमाणात्मक) डेटा इंटरप्रिटेशन	कुल परसेंटाइल
डीएपी	109	36.97	39.55	61.57
जेनरल	4779	70.37	70.76	97
एनसी-ओबीसी	2979	65.62	65.31	70.54
अनुसूचित जाति (एससी)	1603	45.45	45.25	65.57
अनुसूचित जनजाति (एसटी)	410	41.28	40.89	60.24
कुल योग	9880			

डब्ल्यूएटी तथा पीआई के लिए प्रारंभिक शॉर्टलिस्ट

कैट परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर उम्मीदवारों की एक प्रारंभिक शॉटलिस्ट सूची तैयार की जाती है, जो डब्ल्यूएटी तथा पीआई के पात्र थे, यह सूची जनवरी के मध्य के आसपास घोशित की गई।

कैट में 40 : डब्ल्यूएटी तथा पीआई में 40 : और प्रोफाइल में 20 : के आधार पर समेकित योग्यता सूची को संकलित किया गया। प्रोफाइल के लिए तीन घटकों पर ध्यान दिया गया-अकादमिक (10वीं, 12वीं तथा अन्य गतिविधियों के अंक), कार्य अनुभव, तथा अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियां।

कार्यक्रम में 117 छात्र शामिल हुए।

बैच की विशेषताएं

कार्य अनुभव (महीने में)

माह	छात्रों की संख्या
नये	32
1-12	15
13-24	42
25-36	18
37-48	6
48 से ज्यादा	4

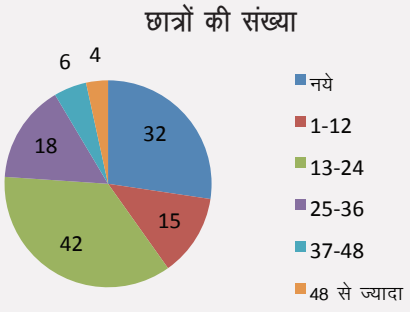

लिंग

लिंग	छात्रों की संख्या
महिला	21
पुरूष	96

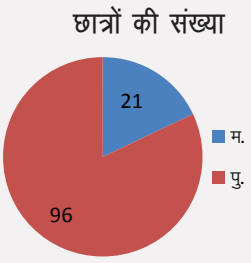

श्रेणी

श्रेणी	छात्रों की संख्या
सामान्य	44
ओबीसी	35
एससी	19
एसटी	16
डीएपी	3

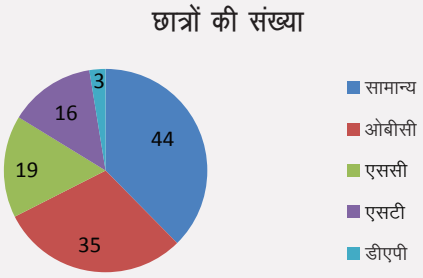

स्नातक पाठ्यक्रम

स्नातक पाठ्यक्रम	छात्रों की संख्या
इंजीनियरिंग / टेक्नोलॉजी	108
नन इंजीनियर्स	9

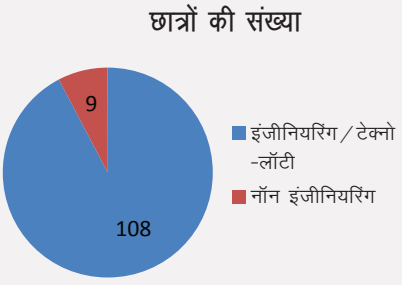

क्षेत्र के अनुसार वितरण

क्षेत्र	छात्रों की संख्या
दक्षिण	39
पूर्व	25
उत्तर	39
पश्चिम	14

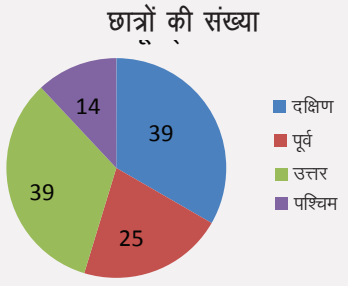

राज्य के अनुसार छात्रों का वितरण

राज्य	महिला	पुरूष	कुल संख्या
आंध्र प्रदेश	2	11	13
असम		2	2
बिहार		4	4
चंडीगढ़		2	2
छत्तीसगढ़	1		1
दिल्ली	4	8	12
गुजरात	1	2	3
हरियाणा	1	5	6
हिमाचल प्रदेश		1	1
झारखंड	3	2	5
कर्नाटक	2	10	12
केरल		3	3
मध्य प्रदेश		4	4
महाराष्ट्र	3	4	7
ओडिशा		6	6
पंजाब		2	2
राजस्थान	1	3	4
तमिलनाडू		11	11
उत्तर प्रदेश	2	8	10
उत्तराखंड		2	2
पश्चिम बंगाल	1	6	7
कुल	21	96	117

नोट : 117 छात्रों में से 5 छात्र प्रबंधन में फेलो कार्यक्रम के लिए हैं और तीन छात्र पहले टर्म के दौरान संस्थान छोड़ चुके हैं।

पीजीडीएचआरएम

दाखिले के मापदंड

उम्मीदवारों की प्रारंभिक शॉर्टलिस्ट स्नातक की पढ़ाई के आधार पर किया जाता है। जिन उम्मीदवारों ने कैट की परीक्षा दी है उन्हें स्नातक की पढ़ाई के आधार पर पांच श्रेणियों में बांटा जाता है और इन पांच श्रेणियों से ही उम्मीदवारों को कैट स्कोर के आधार पर बुलाया जाता है। कुल 2445 उम्मीदवारों को शार्टलिस्ट किया गया।

यह समेकित योग्यता सूची (सीएमएल) को 20 प्रतिशत कैट स्कोर, 50 प्रतिशत जीडी ऐंड पीआई, 30 प्रतिशत प्रोफाइल के आधार पर संकलित किया गया। प्रोफाइल में, तीन घटक थे - शैक्षणिक, कार्य अनुभव और अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियां। शैक्षणिक में 10वीं तथा 12वीं के अंक एवं अन्य गतिविधियों को भी ध्यान में रखा गया।

इस कार्यक्रम में 44 छात्र शामिल हुए।

बैच की विशेषताएं

कार्य अनुभव

कार्य अनुभव (महीने में)	छात्रों की संख्या
नये	32
1-12	15
13-24	42
25-36	18
37-48	6
48 से ज्यादा	4

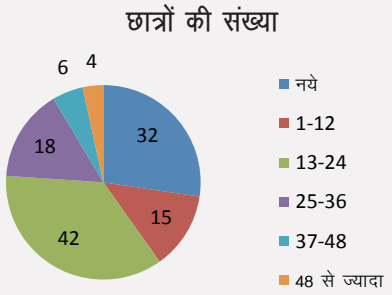

लिंग

लिंग	छात्रों की संख्या
महिला	21
पुरुष	96

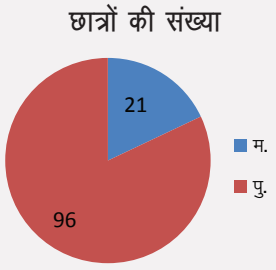

श्रेणी

श्रेणी	छात्रों की संख्या
सामान्य	16
ओबीसी	12
एससी	11
एसटी	5

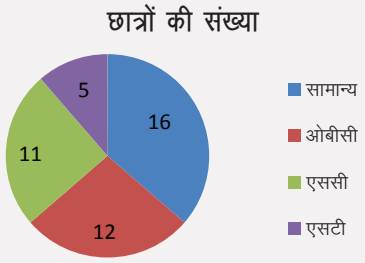

स्नातक पाठ्यक्रम

स्नातक पाठ्यक्रम	छात्रों की संख्या
बीई + बीएससी	11
बी. कॉम	9
बीए + लॉ	6
मेडिसीन + फार्मा	8
बीबीए + बीबीएम	10

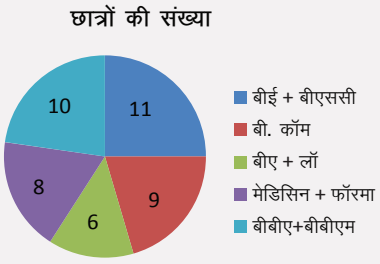

क्षेत्र के अनुसार वितरण

क्षेत्र	छात्रों की संख्या
दक्षिण	10
पूर्व	8
उत्तर	17
पँचिम	9

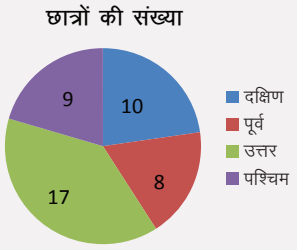

राज्य के अनुसार छात्रों का वितरण

राज्य	महिला	पुरुष	कुल संख्या
आंध्र प्रदेश	2		2
असम	2		2
चंडीगढ़	1		1
दिल्ली	5	3	8
गुजरात		3	3
हरियाणा	2		2
झारखंड	3	1	4
कर्नाटक	2	3	5
केरल	1	1	2
मध्य प्रदेश	1	1	2
महाराष्ट्र		4	4
राजस्थान	2		2
तमिलनाडू		1	1
उत्तर प्रदेश	2	2	4
पश्चिम बंगाल		2	2
कुल	23	21	44

पीजीपीएक्स

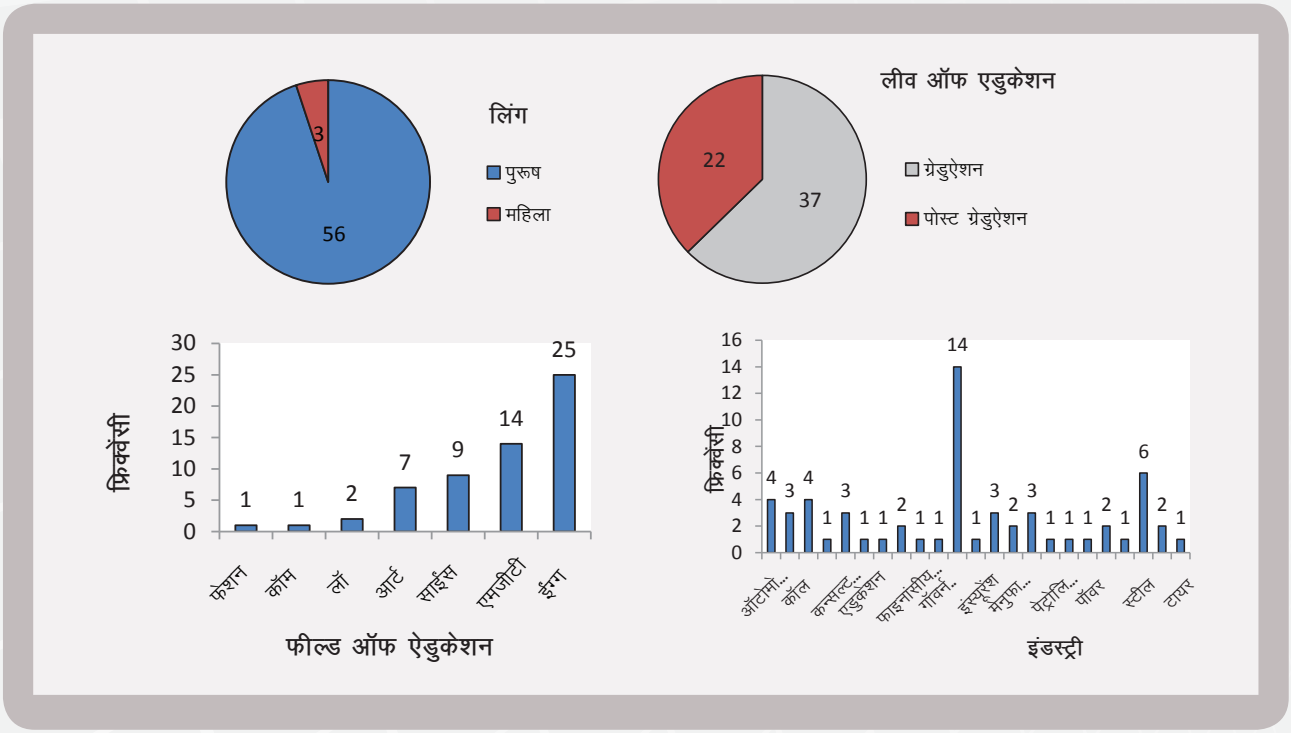

पीजीडीएम तथा पीजीडीएचआरएम (2012-14 बैच) के लिए शुल्क संरचना

क्रम सं0	विवरण	प्रथम सत्र (रु.)	द्वितीय सत्र(रु.)	तृतीय सत्र (रु.)	कुल (रु.)
1	ट्यूशन शुल्क	99,000.00	99,000.00	99,000.00	297,000.00
2	अध्ययन सामग्री	24,000.00	24,000.00	24,000.00	72,000.00
3	कम्प्यूटर शुल्क	13,000.00	13,000.00	13,000.00	39,000.00
4	पुस्तकालय शुल्क	8,000.00	8,000.00	8,000.00	24,000.00
5	कमरे का किराया	6,000.00	6,000.00	6,000.00	18,000.00
6	जमानत की राशि*	10,000.00	-	-	10,000.00
7	मेस के लिए जमा राशि*	10,000.00	-	-	10,000.00
	कुल	170,000.00	150,000.00	150,000.00	470,000.00
	बिना जमानत राशि के				450,000.00

*वापसी योग्य

क्रम सं0	विवरण	चौथा सत्र (रु.)	पांचवा सत्र(रु.)	छठा सत्र (रु.)	कुल (रु.)
1	ट्यूशन शुल्क	99,000.00	99,000.00	99,000.00	297,000.00
2	अध्ययन सामग्री	24,000.00	24,000.00	24,000.00	72,000.00
3	कम्प्यूटर शुल्क	13,000.00	13,000.00	13,000.00	39,000.00
4	पुस्तकालय शुल्क	8,000.00	8,000.00	8,000.00	24,000.00
5	कमरे का किराया	6,000.00	6,000.00	6,000.00	18,000.00
	कुल	150,000.00	150,000.00	150,000.00	450,000.00
	बिना जमानत राशि के				450,000.00

एकेडमिक कार्यक्रम

आउटबाउंड कार्यक्रम

2012-14 के नये बैच के लिए आउटबाउंड कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्टेप कंसल्टिंग प्रा. लिमिटेड के सहयोग से 29 जून से 2 जुलाई 2012 तक एक ट्रिप आयोजित किया गया। ट्रिप में नये सदस्यों के लिए रांची के आसपास स्थित कुछ स्थानों का भ्रमण और एक कैम्पफायर रात्रि शामिल था।

फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम)

परिचय

फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) आईआईएम राँची का डॉक्टरल कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बिजनेस स्कूल/विश्वविद्यालयों या प्रबंधन अनुसंधान संस्थानों में शिक्षण के क्षेत्र या अनुसंधान के क्षेत्र में, या सरकारी सेवाओं, एनजीओ या इसी प्रकार के कार्य के लिए किसी भी संस्था में जहाँ विशेष विश्लेषणात्मक और अनुसंधान क्षमताओं की आवश्यकता होती है, उसके लिए श्रेष्ठ विद्वानों का विकास करना है। इसे प्राप्त करने के लिए, संस्थान वैसे छात्रों के प्रवेश को प्रथिमकता देगी जिनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि मजबूत हो, जो बहुत अधिक उत्साहित हों और ओरिजिनल (मूल) अनुसंधान कार्य को संचालित करने की बौद्धिक जिज्ञासा से परिपूर्ण हों। ऐसे छात्रों को संस्था ज्ञान और अनुसंधान की योग्यता प्रदान कर उन्हें विद्यमान और उभर रहे विभिन्न प्रकार के प्रबंधन के क्षेत्रों के विशेषज्ञ अनुसंधानकर्त्ता के रूप में रूपांतरित करती है।

अपना डॉक्टरेट पूरा करने के लिए छात्र सामान्य रूप से चार वर्षों का समय लेते है, जिसमें दो वर्षों का पाठ्यक्रम के लिए कठिन परिश्रम शामिल है। पाठ्यक्रम का प्रथम वर्ष आईआईएम राँची के पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के समान ही है और इसका लक्ष्य प्रबंधन के क्षेत्र को व्यापक रूप से समझने वाले प्रतिभागी का निर्माण करना है। पाठ्यक्रम के दूसरे वर्ष में इस तथ्य पर जोर दिया जाता है कि छात्र के पास उसके क्षेत्र विशेष की गहरी समझ हो और वह अपने चयनित विषय (क्षेत्र) में गहरा अनुसंधान कार्य करने में सक्षम हो। दूसरे वर्ष की समाप्ति पर एरिया काम्प्रीहेंशन एक्जामिनेशन का उद्देश्य इस तथ्य की सफल जाँच करना है कि सम्बंधित छात्र/छात्रा अपने क्षेत्र विशेष की गहरी समझ विकसित करने में सफल हुआ है या नहीं। अगले वर्ष में, छात्र अपने डॉक्टरल शोध-निबंध पर कार्य करता है, जिसे प्रबंधन के क्षेत्र में मूल (ओरिजिनल) योगदान करने की अपेक्षा की जाती है।

कार्यक्रम में नामांकित छात्रों को पर्याप्त मात्रा में वित्तीय सहयोग प्रदान किया जाता है, जिसमें शिक्षा प्राप्त करने और रहने का व्यय शामिल है। संस्था में अत्याधुनिक पुस्तकालय, कम्प्यूटिंग और संकाय संसाधन उपलब्ध हैं। संस्था में कुछ छात्रों को प्रसिद्ध अन्तराष्ट्रीय संकायों के मार्गदर्शन में कार्य करने की सुविधा भी उपलब्ध है।

क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त (जिसे नॉलेज डोमेन कहा जाता है)

- ❑ बिजनेस इकोनोमिक्स
- ❑ फाइनेंस
- ❑ ओबी एंड एचआरएम
- ❑ इनफार्मेशन सिस्टम्स
- ❑ मार्केटिंग
- ❑ ओएम एंड डिसीजन साइंसेज
- ❑ स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट
- ❑ पब्लिक पालिसी एंड गर्वनेन्स
- ❑ न्यूरो मैनेजमेंट
- ❑ बिजनेस एनालिटिक्स
- ❑ इन्डियन मैनेजमेंट

पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम)

पाठ्यक्रम

पीजीडीएम दो साल का एक पूर्णकालिक कार्यक्रम है, जिसमें छह ट्राइमेस्टर के साथ किसी प्रतिष्ठित संगठन में समर इंटर्नशिप करना अनिवार्य है। पाठ्यक्रम की रूपरेखा वैश्विक परिदृश्य में संगठनों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है और निम्न पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया है :

- जबकि कठिन तत्वों (विश्लेषणात्मक उपकरण यानी एनालिटिक टूल्स)को सार्वभौमिक रूप से लागू किया जा सकता है, वहीं आसान तत्वों (वैल्यूज, व्यवहार आदि) को विशिष्ट सांस्कृति से जुड़ा होना चाहिए।
- एक प्रबंधक को उन स्थितियों की व्यापक समझ होनी चाहिए, जहां उसका कारोबार संचालित हो रहा है।
- पूर्व में शक्ति के स्थानांतरण के साथ, खासतौर पर भारत और चीन की ओर, हमारे पास महत्वपूर्ण अवसर है कि हम ऐसे मॉडल्स विकसित करें जिसका सार्वभौमिक महत्व हो।
- विवेकशील नेतृत्व प्राप्त करने के लिए, समग्र विकास और वैज्ञानिक संलयन के संस्थान के विजन के अनुरूप पाठ्यक्रम को संरेखित करें।

प्रथम वर्ष के दौरान (पहले, दूसरे और तीसरे सत्र), प्रबंधन के सभी प्रमुख फंक्शनल एरिया के लिए नींव रखे जाने के साथ छात्रों को मुख्य पाठ्यक्रम पढ़ाया गया जिसमें मार्केटिंग, फाइनेंस, क्वांटिटेटिव मेथड्स, ऑपरेशंस, ऑर्गनाइजेशनल बिहेवियर एवं स्ट्रेटेजी के क्षेत्र में कुल 53 क्रेडिट्स शामिल हैं। दूसरे साल में (चौथे, पांचवे और छठे सत्र) उन्हें तीन मुख्य पाठ्यक्रम के साथ ही कुछ नन-क्रेडिट अनिवार्य पाठ्यक्रम भी पूरा करना था। छात्रों को कार्यात्मक क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए ऐच्छिक पाठ्यक्रम के व्यापक श्रृंखला से पाठ्यक्रम चयन करने की जरूरत है। यदि कोई छात्र दोहरी विशेषज्ञता हासिल करना चाहता है तो वह छात्र/छात्रा ऐसा कर सकते हैं। स्नातक करने के लिए कुल 120-126 क्रेडिट्स आवश्यक है।

प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम (पीजीडीएम 2012-14 बैच)

प्रथम सत्र

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
1	माइक्रो इकोनॉमिक्स एनालिसिस फॉर बिजनेस डिसिजन्स	3
2	फाइनेंसियल रिपोर्टिंग ऐंड एनालिसिस	3
3	ऑगनाइजेशनल बिहेवियर	3
4	क्वांटिटेटिव मेथड्स फॉर बिजनेस -1	3
5	हिस्टोरिकल ऐंड फिलॉसोफिकल फाउंडेशंस ऑफ बिजनेस	3
6	इंडियन फिलॉसोफी ऐंड सोसायटी : कल्चर	1.5
7	बिजनेस कम्युनिकेशंस -I	1.5
8	आईटी टूल्स फॉर मैनेजर्स	1.5
	कुल क्रेडिट्स	19.5

द्वितीय सत्र

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम	क्रेडिट्स
1	मैक्रो इकोनॉमिक्स	3
2	मैनेजेरियल अकाउंटिंग	3
3	क्यूटी फॉर बिजनेस -2	3
4	मार्केटिंग मैनेजमेंट	3
5	बिजनेस कम्युनिकेशंस -II	1.5
6	आईटी फॉर बिजनेस	3
7	बिजनेस ऐंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट	1.5
8	इंडियन फिलॉसोफी ऐंड सोसायटी : इनर डेवलपमेंट	1.5
	कुल क्रेडिट्स	19.5

तीसरा सत्र

क्रम	पाठ्यक्रम	क्रेडिट्स
1	कॉर्पोरेट फाइनेंस	3
2	एचआरएम	3
3	रिसर्च मेथडोलॉजी ऐंड बिजनेस एनालिटिक्स	3
4	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट	3
5	प्रोडक्शन ऐंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट	3
6	ऑर्गनाइजेशनल डिजाइन ऐंड चेंज	3
7	सोशल एसपेक्ट्स ऑफ बिजनेस	1.5
8	इंडियन फिलॉसोफी ऐंड सोसायटी : एथिक्स ऐंड वैल्यूज	1.5
9	केस राइटिंग	3
	कुल क्रेडिट्स	24

द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम (पीजीडीएम 2011-13 बैच)

चौथा सत्र : अनिवार्य पाठ्यक्रम

क्रम	पाठ्यक्रम	क्रेडिट्स
1	बिजनेस गर्वमेंट	नन - क्रेडिट
2	मीडिया मैनेजमेंट	नन - क्रेडिट
3	केस राइटिंग	3
4	कैपस्टोन बिजनेस सिमुलेशन	3
5	ग्रोथ ऐंड लीडरशिप बाय डिसॉल्विंग द बॉक्स	नन - क्रेडिट
6	लीडरशिप डेवलपमेंट	3
	कुल क्रेडिट्स	9

चौथे, पांचवे और छठे सत्र के दौरान पेशकश किए जानेवाले ऐच्छिक/वैकल्पिक पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम	क्रेडिट्स
अकांटिंग ऐंड फाइनेंस	
बिजनेस वैल्यूएशन	3
बैंक मैनेजमेंट	3
ऑप्शंस ऐंड फ्यूचर्स (डेरिवेटिव्स)	3
फिक्स्ड इनकम सेक्युरिटीज ऐंड देयर डेरिवेटिव्स	3
मर्जर्स ऐंड एक्वीजिशंस	1.5
इंवेस्टमेंट एनालिसिस ऐंड पोर्टफोलियो मैनेजमेंट	1.5
माइक्रो फाइनेंस	1.5
प्रोजेक्ट ऐंड इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग	3
बिहेवियरल फाइनेंस	1.5
फाइनेंसिल रिस्क मैनेजमेंट	3
बैंक लेंडिंग	1.5
प्राइवेट इक्विटी ऐंड वेंचर्स कैपिटल	1.5
कॉर्पोरेट टैक्सेशन	3
फाइनेंसिल मॉडलिंग यूजिंग एक्सेल	1.5
जेनरल मैनेजमेंट	
न्यूरो मैनेजमेंट	3
इंफॉर्मेशन सिस्टम्स	
बिजनेस एनालिटिक्स	3
डेटा वेयरहाउसिंग ऐंड डेटा माइनिंग	3
बिजनेस एनालिसिस ऐंड आईटी कंसल्टिंग	3
कम्पीटिटिव इंटेलिजेंस	3
सोशल मीडिया एनालिटिक्स	3
मार्केटिंग	
सेल्स ऐंड डिस्ट्रीव्यूशन	3
कन्ज्यूमर बिहेवियर	3
स्ट्रेटेजिक मार्केटिंग	3
सर्विसेज मार्केटिंग	3
रूरल मार्केटिंग	3
इंटीग्रटेड मार्केटिंग कम्युनिकेशन	3
ब्रांड मैनेजमेंट	3
बिजनेस-टू-बिजनेस मार्केटिंग	3
रिटेल मैनेजमेंट	3
न्यू प्रोडक्ट डेवलपमेंट ऐंड प्रोडक्ट मैनेजमेंट	3
कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट (सीआरएम)	3
इंटरनेशनल मार्केटिंग	3
ओबी ऐंड एचआरएम	
इंफ्लूऐंसिंग ऐंड नेगोसिएटिंग स्किल्स	1.5
पिपुल मैनेजमेंट फॉर कम्पीटिटिव एडवांटेज	3
ट्रेनिंग ऐंड डेवलपमेंट	3
ऑपरेशंस	
लॉजिस्टिक्स ऐंड सप्लाई चेन	3
क्वालिटी ऐंड सिक्स सिग्मा	3
प्रोजेक्ट मैनेजमेंट	3

पोस्ट ग्रेजुएट डीप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (पीजीडीएचआरएम)

पृष्ठभूमि

अधिक-उपद्रवों, अनिश्चित स्थितियों और जटिलताओं के परिणामस्वरूप व्यवसाय के संचालन की परिस्थितियों को अप्रत्याशित अनिरंतरता के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसका सूत्रपात सबसे पहले वैश्वीकरण तथा सूचना और संचार तकनीकों में आई क्रांति के साथ हुआ, और अब आर्थिक और वित्तीय अनिश्चितता बढ गई है। राजनैतिक, वृहद-आर्थिक और सामाजिक संचालक शक्तियों के मध्य उलझे हुए कारपोरेशन और उनके प्रबंधकों पर अत्यधिक दबाब है कि वे तीव्र गति से बदलती हुई तकनीकि स्थितियों, वैश्विक प्रतिस्पर्द्धाओं के साथ-साथ सरकार की बदलती हुई नीतियों के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ें। असंख्य अध्ययनों से यह तथ्य स्पष्ट हो चुका है कि अगली कक्षा में सफल होने के लिए, कंपनियों को अवश्य ही चिरस्थायी रूप से तैयार रहना चाहिए, उन्हें लचीला और आधुनिक होने के साथ-साथ सामर्थ्य को निरंतर रूप से निर्मित करते रहने की क्षमता होनी चाहिए। उन्हें साझीदारों के पारिस्थितिकी-तंत्र और परिवर्तनों से निपटने में सक्षम होना चाहिए। जनसांख्यिकीय परिदृश्य और ''सहस्राब्दी पीढ़ी की''अपेक्षाओं ने भी संगठनों के काम को व्यवस्थित और पुरस्कृत करने के लिए नवीन विधियों को विकसित करने की आवश्यकता है।

अगले मोड़ तक इस परिवर्तन में, एचआर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होने के साथ व्यवसाय से अविच्छिन्न रूप से जुड़ गया है। सबसे महत्वपूर्ण इस तथ्य का स्पष्ट होना है कि एचआर केवल एचआर के लिए ही नहीं हो सकता है, बल्कि आज एचआर व्यवसाय के भविष्य का आधार भी बन चुका है।

आईआईएम राँची में पीजीडीएचआरएम की रूपरेखा का निर्माण इन्ही महत्वपूर्ण परिवर्तनों को ध्यान में रखकर किया गया है। इसे शिक्षा शास्त्र और पाठ्यक्रम पर माना जाता है जो अपने प्रतिभागियों को व्यापार ज्ञान के विस्तार और गहराई, एचआर मैनेजमेंट अवधारणाओं और जागरूकता में महारत, व्यापार के संदर्भ में एचआर लर्निंग (सीखने) और प्रथाओं के अनुप्रयोग की सराहना और समझ प्रदान करना चाहता है।

उद्देश्य

आईआईएम राँची में पीजीडीएचआरएम का उद्देश्य एचआर पेशेवरों का निर्माण करना है जो निम्नलिखित गुण-सामर्थ्य से युक्त होंगे:

- ❑ संगठन के व्यवसाय और उसे आगे बढ़ाने वाले कारकों को बेहतर समझना
- ❑ व्यवसाय और एचआर डिलिवरेबल्स (प्रदेय) के बीच संबंधों को समझना
- ❑ संगठन में स्वीकृति, विश्वसनीयता और सम्मान के निर्माण में स्वयं की भूमिका को समझना
- ❑ कर्मचारियों और उनकी मनःस्थिति को समझना ताकि उनकी आकांक्षाओं और संस्था की मांग के मध्य एक सम्बन्ध का निर्माण किया जा सके
- ❑ अपनी संस्था में सर्वश्रेष्ठ मानव संसाधन प्रथाओं के निर्माण और कार्यान्वय का नेतृत्व करना या उसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाना, और
- ❑ संस्थागत लक्ष्यों और उद्देश्यों के विकास और प्राप्ती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना

कुल मिलाकर आईआईएम राँची का उद्देश्य वास्तविक, विश्वासपात्र और व्यवसाय के अनुकूल एचआर पेशेवर का निर्माण करना है, जिनमें कर्मचारियों और व्यवसाय दोनों को आगे बढ़ाने और उपलब्ध कराने की उचित क्षमता मौजूद हो।

प्रथम वर्ष कोर्स (2012-14 बैच)

प्रथम सत्र

क्रम सं0	कोर्स	क्रेडिट्स
1	हिस्टोरिकल ऐंड फिलॉसोफिकल फाउंडेशन ऑफ बिजनेस	3
2	इंडियन फिलॉसोफी	1.5
3	बिजनेस कम्युनिकेशंस - I	1.5
4	इंट्रोडक्शन टू एचआर	1.5
5	इंट्रोडक्शन टू इंडस्ट्रियल रिलेशंस	1.5
6	ह्यूमन बिहेवियर इन ऑर्गनाइजेशंस	3
7	आईटी फॉर एचआर	1.5
8	मार्केटिंग फॉर एचआर	3
9	क्वांटिटेटिव टेक्निक्स फॉर एचआर	3
	कुल क्रेडिट्स	19.5

दूसरा सत्र

क्रम सं0	कोर्स	क्रेडिट्स
1	बिजनेस ऐंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट	1.5
2	मैनेजेरियल इकोनॉमिक्स	3
3	बिजनेस कम्युनिकेशंस - II	1.5
4	इंडियन फिलॉसोफी ऐंड सोसायटीः इनर डेवलपमेंट	1.5
5	जर्नी टू सेल्फ	3
6	कम्पेंसेशन ऐंड रिवार्ड मैनेजमेंट	3
7	टीम ऐंड ग्रुप डायनामिक्स	3
8	ऑपरेशंस फॉर एचआर	3
	कुल क्रेडिट्स	19.5

तीसरा सत्र

क्रम सं0	कोर्स	क्रेडिट्स
1	फाइनेंस फॉर एचआर	3
2	सोशल एसपेक्ट्स ऑफ बिजनेस	1.5
3	इंडियन फिलॉसोफी ऐंड सोसायटीः एथिक्स ऐंड वैल्यूज	1.5
4	केस राइटिंग वर्कशॉप	-
5	ऑगनाइजेशन प्लानिंग ऐंड डिजाइन	3
6	रिक्रूटमेंट ऐंड सलेक्शन	3
7	साइकोलॉजिकल ऐंड साइकोमेट्रिक टेस्टिंग	3
8	ह्यूमन रिसोर्स इंफॉर्मेशन सिस्टम्स	3
9	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट ऐंड एचआरएम	3
	कुल क्रेडिट्स	21

पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट फॉर एग्जीक्यूटिवस (पीजीपीईएक्स)

पीजीपीएक्स को 6 सत्रों में विभाजित किया गया है, जिसमें से प्रत्येक सत्र की अवधि 3 माह है। प्रथम तीन सत्र प्रतिभागियों को फाउंडेशन कोर्स से परिचित कराता है और उन्हें कार्यकारी कौशल भी प्रदान करता है। चौथा और पांचवां सत्र चयनित कोर्स को समर्पित है। छठा सत्र परियोजना कार्य को समर्पित किया गया है।

प्रत्येक कोर्स में 20 घंटों की कक्षा और 9 घन्टे स्व-अध्ययन को आबंटित किया गया है। प्रत्येक दूसरे सप्ताह, 14 घंटों के लिए कक्षाओं का आयोजन किया गया है। तीन महीनों में, 84 से अधिक कक्षा के घंटों को प्राप्त करेंगे। पीजीपीएक्स के लिए चयनित कोर्स का निर्धारण प्रवेश पाये हुए छात्र की पृष्ठभूमि को ध्यान में रखकर किया जाएगा।

शुल्क : कुल शुल्क 18 महीनों के प्रोग्राम के लिए = रू. 4.5 लाख

प्रथम वर्ष का कोर्स (पीजीपीईएक्स 2012-14 बैच)

क्रं सं	सत्र	कोर्स	क्रेडिट्स
1	I	इकोनॉमिक्स फॉर मैनेजरस	3.0
2	I	प्रिंसिपल्स ऑफ मैनेजमेंट	3.0
3	I	फाइनेंश्यिल रिपोर्टिंग एंड कण्ट्रोल	3.0
4	I	क्वांटिटेटिव मेथड्स ऑफ बिजनेस	3.0
5	II	फाइनेंश्यिल मैनेजमेंट	3.0
6	II	बिजनेस कम्युनिकेशन	3.0
7	II	मार्केटिंग मैनेजमेंट	3.0
8	II	प्रोडक्शन एंड ऑपरेशनस मैनेजमेंट	3.0
9	III	एमआईएस एंड आईटी	3.0
10	III	एचआरएम एंड इंडस्ट्रियल रिलेशनस	3.0
11	III	सप्लाई चैन मैनेजमेंट	3.0
12	III	ऑर्गनाईजेशनल बिहेवियर	3.0
13	IV	कैपस्टोन बिजनेस सिमुलेशन	3.0
14	IV	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट	3.0
15	IV	सॉफ्ट स्किल्स मैनेजमेंट	3.0

द्वितीय वर्ष के लिए ऐच्छिक / वैकल्पिक कोर्स (पीजीपीएक्स 2011-13 बैच)

कोर्स	क्रेडिट्स
फाइनेंस	
❑ बिजनेस वैल्यूएशन	3.0
❑ कॉर्पोरेट रि-स्ट्रक्चरिंग इन्क्लुडिंग एम एंड ए	3.0
❑ फाइनेंश्यिल रिस्क मैनेजमेंट	3.0
❑ इन्वेस्टमेंट एनालिसिस एंड पोर्टफोलियो मैनेजमेंट	3.0
❑ प्रोजेक्ट एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस	3.0
❑ कॉम्पीटेंसी मेपिंग एंड टेलेंट मैनेजमेंट	3.0
❑ एसेंशियल्स ऑफ लेबर लॉ	3.0
❑ लीडरशिप, पॉवर एंड इन्फ्लुएंस	3.0
❑ ऑर्गनाइजेशनल डिजायन एंड चेंज	3.0
❑ स्ट्रेटेजिक एचआरएम	3.0
मार्केटिंग	
❑ इंटरनेशनल मार्केटिंग	3.0
❑ एनपीडी एंड ब्रांड मैनेजमेंट	3.0
❑ सेल्स एंड डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट	3.0
❑ सर्विसेज मार्केटिंग	3.0
❑ स्ट्रेटेजिक मार्केटिंग	3.0
ऑपरेशनस	
❑ बिजनेस एनालिटिक्स एंड इंटेलिजेंस	3.0
❑ लोजिस्टिक्स एंड सप्लाई चैन मैनेजमेंट	3.0
❑ आपरेशनस प्रोजेक्ट मैनेजमेंट	3.0
❑ आपरेशनस स्ट्रेटेजिक वैल्यू चैन एप्प्रोप्रियेशन	3.0
❑ वर्ल्ड क्लास मैन्युफैक्चरिंग	3.0
प्रोजेक्ट वर्क (अन्य फंक्शनल एरिया में)	6.0

पुरस्कार, श्रेणी, उपलब्धि और छात्रवृत्ति

पुरस्कार

अमरेन्दु नंदी

दिनांक 24 नवम्बर 2012 को मुंबई स्थित देवांग मेहता बिजनेस स्कूल के 20वें देवांग मेहता पुरस्कार समारोह में प्रोफेसर अमरेन्दु नंदी को ''अर्थशास्त्र के श्रेष्ठ प्रोफेसर'' के लिए पुरस्कृत किया गया।

प्रो. अमित सचान

दिनांक 24 नवम्बर 2012 को मुंबई स्थित देवांग मेहता बिजनेस स्कूल के 20वें देवांग मेहता पुरस्कार समारोह में प्रोफेसर अमित सचान को ''ऑपरेशन मैनेजमेंट के श्रेष्ठ प्रोफेसर'' के लिए पुरस्कृत किया गया।

प्रो. बिजया मिश्रा

दिनांक 29 जून 2012 को वर्ल्ड एजुकेशन काँग्रेस 2012 के द्वारा ''इकीसवीं सदी में शिक्षा : अधिकार और अवसर'' विषय पर केंद्रित ग्लोबल सम्मिट में ''मानव संसाधन प्रबंधन के बेस्ट प्रोफेसर'' का पुरस्कार प्रोफेसर बिजया मिश्रा को दिया गया।

प्रोफेसर हेमलता चंद्रशेखर

16 फरवरी 2013 को मुंबई में ईटी नाव द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नेतृत्व पुरस्कार समारोह में प्रोफेसर हेमलता चंद्रशेखर को ''सूचना तकनीक की श्रेष्ठ प्रोफेसर'' के रूप में सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर एम जे जेवियर

1. एजुकेशन लीडरशिप पुरस्कार : 25 सितम्बर 2012 को दुबई के एशियन कॉन्फेडरेशन ऑफ बिजनेस के साथ उनके नीतिगत साझेदार सीएमओ एशिया के द्वारा प्रदत्त ''एजुकेशन लीडरशिप पुरस्कार'' के विजेता।
2. झारखण्ड के गौरव : राँची के साइकोग्राफिक सोसाइटी द्वारा प्रदत्त झारखण्ड के गौरव पुरस्कार के विजेता।
3. एआईएमएस अंतर्राष्ट्रीय आउटस्टैंडिंग निदेशक पुरस्कार (2012) : 7 जनवरी 2013 को आईआईएम बैंगलोर में ''प्रबंधन'' पर आधारित दसवें एआईएमएस अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में एआईएमएस अंतर्राष्ट्रीय आउटस्टैंडिंग निदेशक पुरस्कार से सम्मानित।
4. एजुकेशन लीडरशिप पुरस्कार : 16 फरवरी 2013 को मुंबई में ईटी नाव द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नेतृत्व पुरस्कार। यह पुरस्कार बिजनेस स्कूलों, संस्थाओं और कंपनियों के मद्देनजर होने वाले नेतृत्व, विकास और मार्केटिंग को ध्यान में रखते हुए दिया जाता है।

श्रेणी

बिजनेस टुडे (28 अक्टूबर, 2012) द्वारा उभरते पाँच बिजनेस स्कूलों में स्थान पाना।

कैरियर 360, इंडियन बिजनेस स्कूल और उनके ग्लोबल पब्लिकेशन काउंट द्वारा स्थान पाना।

''द वीक'' के कवर पृष्ठ ''कल के लिए चुनाव- चूजिंग फॉर टुमॉरो'' (17 जून, 2012, पृष्ठ 62) के द्वारा पूर्वी क्षेत्रों में चतुर्थ और राष्ट्रीय स्तर पर 42वां स्थान प्राप्त करना।

छात्रों की उपलब्धियां

एनसीएमएस-2012 : हानु प्रतीक कुंड— और वैभव कुमार (पीजीडीएम 2011-13 बैच), ये दोनों छात्र 8 दिसंबर 2012 को नई दिल्ली में प्रबंधन के छात्रों (एनसीएमएस-2012) के लिए आयोजित नौवें राष्ट्रीय प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले में प्रथम रनर अप रहे। इन दोनों को प्रमाण पत्र और 10,000 की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित भी किया गया।

फूडखोज.कॉम : नामी कंपनी अल्फा बीटा लैब्स प्राइवेट लिमिटेड के तहत संचालित फूडखोज.कॉम हानु प्रतीक कुंडरु, (वेतांशु महापात्रा और प्रदीप कुमार के द्वारा चलाया जा रहा है। इन तीनों छात्रों का चुनाव स्टार्ट अप चिली द्वारा व्यापक व्यावसायिक कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए किया गया था। जल्द ही यह कम्पनी अपना काम चिली में स्थानांतरित भी करेगी। यह कम्पनी विश्लेषणात्मक ढंग से और स्वचालित यंत्रों के माध्यम से कारगर समाधानों की खोज करने हेतु काम करती है। साथ ही इन्होंने एक ऐसी व्यवस्था व तकनीक का विकास किया है जो मेल को व्यवस्थित और देखरेख करने का कार्य करती है। यह एक ऐसा मंच तैयार करती है जहाँ से बड़े बड़े उद्यमी और विश्वविद्यालय के छात्रों से संपर्क स्थापित किया जा सके। फूडखोज.कॉम हानु प्रतीक कुंडरु के दिमाग की उपज थी जो इस कंपनी के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं। अब ये एक ऐसे समूह के रूप में उभर कर सामने आ रहा है जो ग्राहकों से संपर्क स्थापित कर उन्हें ऑनलाइन चैनल के माध्यम से ऑर्डर देने और उन्हें उनकी जरूरत के अनुसार खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाती है।

इनक्विज़िशन'12 : आईआईएफटी कोलकाता के द्वारा आयोजित **इनक्विज़िशन'12** के ऑनलाइन राउंड में पीजीडीएम 2011-13 बैच के पारस भाटिया और आकाशदीप साहा को प्रथम पुरस्कार मिला। इस समूह ने एक और समूह पीजीडीएम 2011-13 बैच के अभिषेक बासु मल्लिक और समीर अग्रवाल के साथ मिलकर स्टेज फाइनल के लिए चयनित हुए। अभिषेक बासु मल्लिक और समीर अग्रवाल की टीम ने इस प्रतियोगिता के फाइनल में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

इंटैग्लियो 2013 : पीजीडीएम (2012-14) के छात्र निपुन बंसल, एस विजय कुमार और आर वेंकटेष कुमार ने आईआईएम कोलकाता के मुख्य कार्यक्रम इंटैग्लयो 2013 में उद्योग द्वारा प्रायोजित दो प्रमुख कंसल्टिंग एवं बिजनेस स्ट्रेटेजी संबंधित कार्यक्रम में अन्य आईआईएम के साथ ही अंतरराष्ट्रीय कॉलेजों की टीम को पराजित कर जीत हासिल की।

- विजाड्र्स ऑफ बिज, 5 जनवरी 2013 : 270 टीमों ने भाग लिया, दो राउंड के बाद, फाइनल कैंपस राउंड के लिए चयनित हुए, जहां हम सिमुलेषन राउंड के साथ साथ शेल द्वारा केस कम्पीटिषन स्टडी दोनों में अव्वल रहे।
- कंसल्टिंग नाइट्स, 6 जनवरी 2013: 330 टीमों ने भाग लिया, 2 ऑनलाइन राउंड के बाद, फाइनल कैंपस राउंड के लिए चयनित हुए, जहां हमें केस स्टडी कम्पीटिशन में प्रथम घोशित किया गया।

ब्रांड अम्बेस्डर : पीजीडीएचआरएम (2012-14) के छात्र शिवांग गणात्रा को

- बिजनेस स्टैंडर्ड के लिए कैम्पस पत्रकार नियुक्त किया गया।
- मैनेजमेंट पैराडाइज. कॉम के लिए ब्रांड अम्बेस्डर भी नियुक्त किया गया।

इसके साथ ही उसने हाल ही में विमोचित हुए एक पुस्तक के लिए आलेख भी लिखे हैं। फिलहाल यह किताब ई बुक के रूप में आमेज. कॉम पर उपलब्ध है। इस पुस्तक का नाम ''मार्केटिंग फॉर आर्किटेक, अ प्रेक्टिकल गाइड'' है।

इलेक्ट्रोन क्विज : एनटीपीसी द्वारा पटना में आयोजित पूर्वी क्षेत्र के फाइनल में पीजीडीएम 2012-14 के छात्र परमीत अग्रवाल और जीषान अली के ग्रुप को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

देवाशीष साहू और अंकुर कृष्णा (पीजीडीएम 2012-14) की टीम को एनटीपीसी द्वारा पटना में आयोजित पूर्वी क्षेत्र के फाइनल में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

जीईएसएस : 20 सितम्बर से 28 सितम्बर के बीच जर्मनी के म्युनिक में आयोजित ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप समर स्कूल (जीईएसएस) में भाग ले रहे 25 देशों से आये 35 छात्रों में हानु प्रतीक कुंडरू (पीजीडीएम 2011-13) भी एक था।

टाटा जागृति यात्रा : टाटा जागृति यात्रा 2012 की ओर से रचित शर्मा (पीजीडीएम 2011-13) का चुनाव सोशल इंटरप्रेन्योर इनीशिएटिव के लिए किया गया।

रिसर्च प्रोजेक्ट (गुजरात सरकार) : साल 2012 के दूसरी तिमाही के दौरान गुजरात सरकार के द्वारा किये जा रहे शोध कार्य में पूरे भारत से चयनित 5 छात्रों में रचित शर्मा (पीजीडीएम 2011-13) भी एक छात्र थे।

स्टार्टिंगब्लॉक फेलोशिप (यूएसए) : उभरते नेताओं के व्यापक समूह द्वारा रचित शर्मा (पीजीडीएम 2011-13) को स्टार्टिंगब्लॉक फेलोशिप के रूप में चयनित किया गया और उन्हें इस समूह के लिए आजीवन सदस्यता प्रदान की गई।

श्रेष्ठ छात्र पुरस्कार (बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड) : मुंबई के ताज लैंड्स ऐंड में 16 फरवरी, 2013 को रचित शर्मा (पीजीडीएम 2011-13) को ईटी नाव, नेशनल एडुकेशन लीडरशिप की तरफ से बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड दिया गया।

चौथा वार्षिक हॉल्ट पुरस्कार समारोह : दुबई में आयोजित चौथे वार्षिक हॉल्ट पुरस्कार समारोह के लिए अंशुमान भारती, नितांश पलाटिया, पुलकित बोहरा, रोहित अग्रवाल और शोभित सक्सेना (पीजीडीएम 2012-14) के समूह को रिजनल फाइनल के लिए चयनित किया गया। इसमें 150 देशों के 350 विश्वविद्यालयों के 10,000 छात्रों ने हिस्सा लिया था। छात्रों के इस समूह ने शीर्ष 250 समूहों में अपना स्थान बनाया।

विश्लेषण : आईआईटी खड़गपुर द्वारा 2 नवम्बर से 4 नवम्बर 2012 के बीच चल रहे राष्ट्रीय स्तर के प्रबंधन मेले ''पूर्वोदय 12'' का एक भाग है विश्लेषण। विवेक तोमर (पीजीडीएम 2012-14) और विकास एच के (पीजीडीएचआरएम 2012-14) ने एन्हेंसमेंट ऑफ सप्लाय चैन विजिबिलिटी इन स्टील इंडस्ट्री (इस्पात उद्योग में वितरण प्रणाली में पारदर्शिता का विकास) विषय पर अपनी प्रस्तुति दी और पूरे भारत से आये 75 प्रबंधन संस्थानों के बीच रनर आप का खिताब पाने में कामयाब रहे।

एमबीए स्कूल आलेख लेखन : अंकुर सौरभ और शुभा मुखर्जी (पीजीडीएम 2012-14) को ''भारतीय अर्थ व्यवस्था 2012 : 2011 के संस्मरण में'' विषय पर लिखे आलेख के लिए सम्मान प्रशस्ति पत्र दिया गया। इस आलेख में 1991 और 2012 की भारतीय अर्थव्यवस्था के बीच तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया था .ये उस समय की बात है जब नीतियों के असक्षम होने की बात हर किसी के जुबां पर थी।

ऑनलाइन सिम्यूलेशन स्ट्रेटेजी इवेंट : दो दिवसीय ऑनलाइन सिम्यूलेशन स्ट्रेटेजी इवेंट में अभिजीत कुमार यादव, अंकुर सौरभ (टीम लीड) और शुभा मुखर्जी (पीजीडीएम 2012-14) की टीम ने देश भर के स्कूलों के बीच तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस इवेंट में देश भर के बिजनेस स्कूलों में से 150 समूहों ने भाग लिया और उनमें से 10 टीम को फाइनल इवेंट के लिए चुना गया।

सीएफए संस्थागत शोध चुनौती (इंस्टीच्यूट रिसर्च चैलेंज), पूर्वी क्षेत्र : सीएफए संस्थागत शोध चुनौती के एक वैश्विक प्रतियोगिता, जिसमें विश्व विद्यालय के छात्रों के तार्किक योग्यता, आलोचनात्मक सोच, मूल्यांकन बोध और प्रस्तुति कुशलता को आँका जाता है, उस प्रतियोगिता में पूर्वी जोन से आईआईएम राँची का प्रतिनिधित्व कर रहे थे अमन दीप सिंह, शेखर मोदी, पीएसएन वामसी, रोहित ठाकुर और मनीष गुप्ता की टीम। यहाँ फैकल्टी मेंटर के रूप में प्रोफेसर एन शिवशंकरण उपस्थित थे।

इस प्रतियोगिता के दौरान इन छात्रों ने मैकलियॉड रसेल इंडिया लिमिटेड विषय पर इक्विटी रिसर्च रिपोर्ट तैयार किया था और इसी रिपोर्ट को उन्होंने फाइनल में भी प्रस्तुत किया।

वर्चस्व 2012 : आईआईएम लखनऊ द्वारा आयोजित सांस्कृतिक और खेल समारोह में लगभग 1000 छात्रों ने भागीदारी की। आईआईएम राँची के लगभग 50 विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और अपने संस्थान के लिए कई पुरस्कार बटोरे। ये पुरस्कार निम्नलिखित हैं :

- शॉट पुट (बालक वर्ग) : विकास कुमार भगत (पीजीडीएम 2012-14) को प्रथम पुरस्कार और स्वर्ण पदक।
- 200 मीटर दौड़ (बालिका वर्ग) : स्वाति शालिनी कुजूर (पीजीडीएम 2012-14) को प्रथम पुरस्कार और स्वर्ण पदक।
- 100 मीटर दौड़ (बालिका वर्ग) : स्वाति शालिनी कुजूर (पीजीडीएम 2012-14) को द्वितीय पुरस्कार और रजत पदक।
- 400 मीटर दौड़ (बालिका वर्ग) : स्वाति शालिनी कुजूर (पीजीडीएम 2012-14), हनाह, जिनिद सियोन टोपनो, अलेक्या नुथलकान्ति (पीजीडीएचआरएम 2012-14) को द्वितीय पुरस्कार और रजत पदक से नवाजा गया।

एमबीएस्कूल : एमबीएस्कूल (http ://www.mbaskool .com) के द्वारा वित्त (फाइनेंस) विभाग के अंतर्गत एक आलेख लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। यह आयोजन www.dare2compete.com के द्वारा संचालित था। इस आलेख लेखन प्रतियोगिता में अभिषेक वदुरकर के आलेख का चयन किया गया।

महिंद्रा एक्यू : देश के सबसे बड़े ऑटोमोबाईल क्विज में अर्चन जे रवेल और अनिरूद्ध शाह वीएलपी (पीजीडीएम 2012-14) ने सिटी राउंड प्रतियोगिता जीता। इन छात्रों ने पूर्वी जोन के फाइनल राउंड में भी भाग लिया और 20,000 की नगद राशि पुरस्कार में जीता। इस क्विज को एनडीटीवी पर प्रसारित भी किया गया।

माइक्रोसॉफ्ट टैलेंट हंट : माइक्रोसॉफ्ट के द्वारा आयोजित प्रतिभा खोज में अभिनन्दन नारायण (पीजीडीएम 2012-14) को विजेता घोषित किया गया।

महिंद्रा वार रूम : 12 नवम्बर, 2012 को महिंद्रा वार रूम के मूल्यांकन स्पर्धा में पूर्वी क्षेत्र से पुलकित बोहरा, तरूण गुप्ता, पुलकित माथुर और मुदित कुमार जैन को कैम्पस चैम्पियन 2012 का खिताब दिया गया।

संक्रिया : नवम्बर 2012 से संक्रिया ऑपरेशन क्लब ने ''ग्रीन थीम'' को अपनाया है। इनके द्वारा एक ''लोगो'' ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित की गई ताकि बच्चे ''हरित यात्रा'' के प्रति अपने क्रियात्मकता को प्रदर्शित कर सकें। वी007 समूह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस समूह में अभिषेक चौधरी, विकास कुमार भगत और प्रीति वंदना शामिल थे। खलीफा ग्रुप को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ, जिसमें सौरभ बरापात्रे, दीपक कुमार और गौरव शर्मा शामिल थे। विजेता समूहों को कूल गूगल गुडीज, जिसकी कीमत 2000 रूपये थी, देकर पुरस्कृत किया गया।

छात्रवृतियां :

ओपीजेईएम छात्रवृति :

ओ पी जिंदल कंपनी समूहों और ओपीजेईएम द्वारा दिए जा रहे ओ पी जिंदल इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट छात्रवृति के लिए आईआईएम राँची का नाम भी शामिल किया गया। प्रथम (प्रथम वर्ष में मिले सीजीपीए के आधार पर) और द्वितीय वर्ष (ओवरऑल एडमिशन स्कोर के आधार पर) के सर्वश्रेष्ठ 20 छात्रों ने 7 सितम्बर, 2012 को ऑनलाइन टेस्ट दिया। इस टेस्ट में सफल हुए छात्रों का साक्षात्कार 23 और 24 सितम्बर 2012 को लिया गया।

पुलकित माथुर, अनंत शुक्ला और निपुण बंसल (पीजीडीएम 2012-14) में से प्रत्येक को 1.25 लाख की छात्रवृत्ति राशि दी गई।

केन्द्रीय सरकार छात्रवृत्ति :

जनजातीय मामलों के मंत्रालय

क्रम	छात्र/छात्रा का नाम	कार्यक्रम एवं बैच
1	सौभाग्य रंजन राणा सिंह नायक	पीजीडीएम 2012-14
2	विकाश कुमार भगत	पीजीडीएम 2012-14
3	सुश्री करिश्मा खाखलारी	पीजीडीएचआरएम 2012-14

सामाजिक न्याय और अधिकारिता (सशक्तीकरण) मंत्रालय

क्रम	छात्र/छात्रा का नाम	कार्यक्रम एवं बैच
1	टोनी नाओरेम	पीजीडीएचआरएम 2012-14
2	करिश्मा क्षत्रिय	पीजीडीएचआरएम 2012-14
3	दीपिका	पीजीडीएचआरएम 2012-14

क्रम	छात्र/छात्रा का नाम	कार्यक्रम एवं बैच
4	नितेश संत	पीजीडीएम 2012-14
5	चंदन सॉ	पीजीडीएम 2012-14
6	सयंती सरदार	पीजीडीएम 2012-14
7	दर्शन सी.जी.	पीजीडीएम 2012-14
8	अमित कुमार राजोरा	पीजीडीएम 2012-14
9	कार्तिक ज्वाला	पीजीडीएम 2012-14
10	घोदके अविनाश रामचंद्र	पीजीडीएम 2012-14
11	अभिजीत दास	पीजीडीएम 2012-14
12	मोहित कुमार	पीजीडीएम 2012-14

अन्य छात्रवृत्तियां

क्रम	छात्र/छात्रा का नाम	कार्यक्रम एवं बैच	संगठन का नाम
1	सैकत मंडल	पीजीडीएम 2011-13	एनटीपीसी
2	अनंत शुक्ला	पीजीडीएम 2011-14	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन

प्लेसमेंट्स

समर प्लेसमेंट

आईआईएम राँची, जो देश में सर्वाधिक तेजी से उभरते बिजनेस स्कूलों में से एक है, ने समर प्लेसमेंट प्रक्रिया संपन्न किया, जिसमें विविध कार्यक्षेत्रों से सम्बंधित 65 कंपनियों ने हिस्सा लिया। इस वर्ष मुश्किल बाजारी हालात में भी आईआईएम रांची उन उच्च मानकों को बरकरार रखने में सफल रहा जिनमें अपने पिछले वर्ष के मुकाबले ढाई गुना बड़े बैच के प्लेसमेंट की चुनौती भी शामिल थी। सभी नए आईआईएम में 154 छात्रों वाले सबसे बड़ा बैच साइज होने के बावजूद यह संस्थान शानदार समर प्लेसमेंट सीजन देने में कामयाब रहा। कैंपस में शामिल होने वाली कंपनियों की संख्या में 50 प्रतिशत की तीव्र बढ़ोत्तरी हुई, इन चयनकर्ताओं की बढ़ती हुई सूचि में अनेकों प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट ब्रांड्स का इजाफा भी हुआ। पिछले वर्ष सभी सेक्टर्स में हुए सफल प्लेसमेंट को बरकार रखते हुए आईआईएम रांची ने 34 नई कंपनियों को भी प्लेसमेंट के लिए आकर्षित किया।

उद्योग जगत की प्रतिक्रिया अतिउत्साहवर्धक रही, और बैच के शत प्रतिशत छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों से सम्बंधित कंपनियों से पूरी तरह पेड इंटर्नशिप हासिल किया। मार्केटिंग, फाइनेंस, कंसल्टिंग, एचआर, ऑपरेशंस, और एनालिटिक्स के क्षेत्र की बहुचर्चित प्रोफाइल्स इन छात्रों को प्रदान की गयी। निम्नलिखित ग्राफ द्वारा कैंपस में प्रदान की गई भूमिकाओं को सेक्टरवाइज दर्शाया गया है।

पीजीडीएम

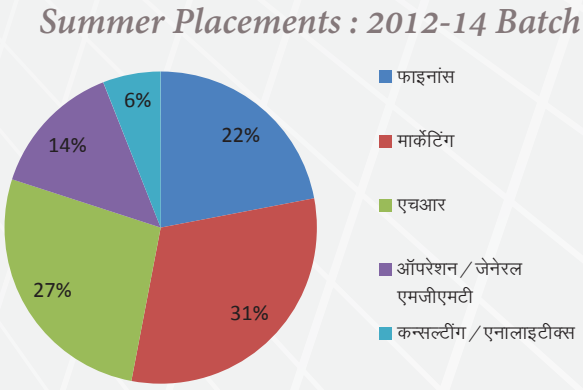

प्रख्यात नियोक्ताओं की सूची :

बेक्टॉन डिकिंसन, बायोकॉन, ब्लू स्टार, ब्रिटानिया, डाबर, डेटावाइस, डन ऐंड ब्राडस्ट्रीट, फर्स्ट रैंड बैंक, फुलरटॉन, गॉडफ्रे फिलिप्स, जेएसके फार्मा, हीरो मोटोकॉर्प, ह्यूलैट पैकार्ड, हिन्दुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस, एचएसबीसी, एचटी मीडिया, आईबीएम, आईसीआईसीआई, आईएल ऐंड एफएस, इंडेक्स एडवाईजरी, आईएनजी वैश्या, झारक्राफ्ट, जेपी मॉर्गन चेस, जेसीपीएल, केपीएमजी, कोटक महिंद्रा, लुई वुईत्तोन, मारूति, पिडिलाइट, पीडब्ल्यूसी, रेकिट बेंकिजर, रॉयल ऑर्किड होटल्स, आरपीजी, सोसाइटी जेनरल, टीसीआईएल, यनिकॉन सेक्युरिटीज, यस बैंक।

पीजीडीएचआरएम

आईआईएम रांची पहला और एकमात्र आईआईएम है जो पूर्णकालिक दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (पीजीडीएचआरएम) की पेशकश करता है। अग्रणी बैच को कुल 47 प्रस्ताव दिए गए थे जिसमें 41 छात्र शामिल थे। कैंपस में ऑफर किए गए कुछ भूमिकाएं इस प्रकार हैं एचआर कंसल्टिंग, लीडरशिप कंसल्टिंग, स्ट्रेटेजिक स्टाफिंग, संगठनात्मक पुनर्गठन, टैलेंट मैनेजमेंट, औद्योगिक संबंध और पीएसएस।

प्रख्यात नियोक्ताओं की सूची :

माइकल पेज, आरपीजी, बेकटॉन डिकिंसन, यूबी स्पिरिट्स, हेड्रिक ऐंड स्ट्रगल्स, एबीसी कंसल्टेंट्स, एचटी मीडिया, मिजुहो सिक्योरिटीज, मारूति, गॉडफ्रे फिलिप्स, एस्कॉर्ट्स, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ, बर्जर पेंट्स, आईएल ऐंड एफएस, ग्लोब कैपिटल, स्टैंटन चेस।

केपीएमजी ने पीजीडीएचआरएम बैच के 6 छात्रों को लाइव प्रोजेक्ट्स की पेशकश की है।

प्लेसमेंट की मुख्य विशेषताएं :

भाग लेने वाली कंपनियों की संख्या	65
बैच का आकार	154
भाग लेने वाले छात्रों की संख्या	150
औसत वजीफा	52,000 रु.
सर्वाधिक वजीफा	1.70 लाख

फाइनल प्लेसमेंट्स

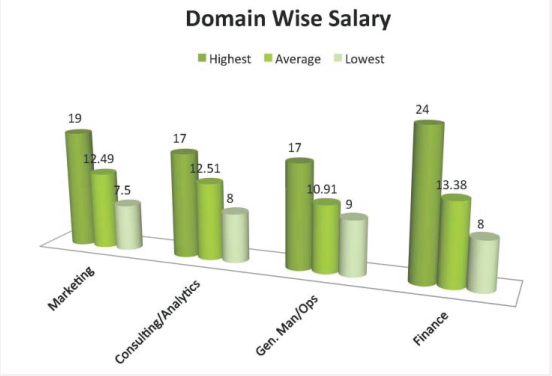

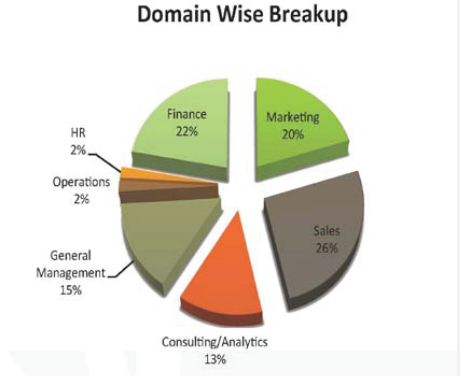

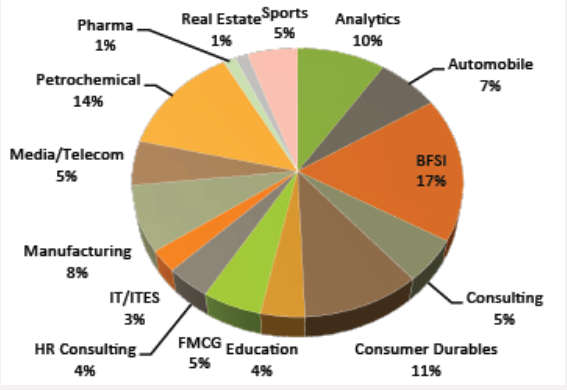

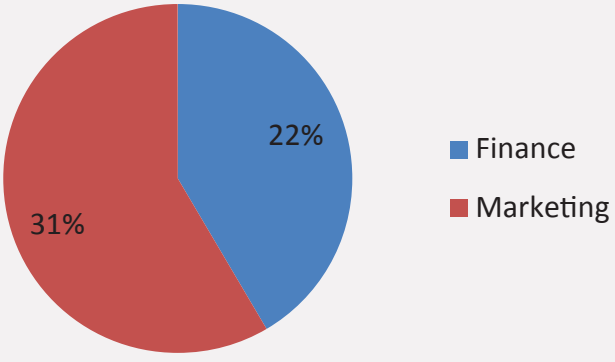

प्रमुख नियोक्ताओं की सूची :

फाइनेंस : जे पी मॉर्गन चेस, यस बैंक, एचएसबीसी, अल्टीसोर्स, आईसीआईसीआई बैंक, आईएनजी वैश्य, आईसीआरए, कोटक महिन्द्रा, हेडस्ट्रोंग।

सेल्स ऐंड मार्केटिंग : एचटी मीडिया, मारूति, एवेरेडी इंडस्ट्रीज, बर्जर पेंट्स, रैनबैक्सी, पिडिलाइट, हीरो मोटोकॉर्प, क्रॉम्पटन ग्रीव्स, आईओसीएल, मदर डेयरी, आईसीआरएम, बिसलरी।

आईटी ऐंड ऑपरेशंस : म्यूसिग्मा, केपीएमजी, स्टिरिया सिस्टम्स, हीरो मोटोकॉर्प, मैकडोनाल्डस।

कंसल्टिंग ऐंड जेनरल मैनेजमेंट : बोस्टन एनालिटिक्स, जिंदल स्टील ऐंड पावर लिमिटेड, फॉर्मसेप्ट, फोटॉन इन्फोटेक, टाटा स्टील, पीडब्ल्यूसी।

प्लेसमेंट की मुख्य विशेषताएं

बैच स्ट्रेंथ	67
भागीदारी सुनिश्चित करने वाली कुल कंपनियां	64
भाग लेनेवाली कुल कंपनियां	55
कुल पीपीओ निर्मित/स्वीकृत	9/2
कुल अंतरराष्ट्रीय प्लेसमेंट्स	8
औसत वेतन	12.4 लाख रुपये प्रतिवर्ष
उच्चतम वेतन (अंतरराष्ट्रीय)	24 लाख रुपये प्रतिवर्ष
उच्चतम वेतन (घरेलू)	19 लाख रुपये प्रतिवर्ष

2012-13 में कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम में भाग लेनेवाली कंपनियों की सूची इस प्रकार है :

क्रम	समर प्लेसमेंट
1	आरपीजी
2	जे पी मॉर्गन
3	एचएसबीसी
4	पीडब्ल्यूसी
5	आईसीआईसीआई बैंक
6	एचसीसीबी
7	डाबर
8	ब्रिटानिया
9	बेकटॉन डिंकिसन
10	माइकल पेज
11	रेकिट्ट बेंकिसर
12	फुल्लरटॉन सेक्युरिटीज
13	मारूति
14	टाइटन
15	एचपी
16	जेएसके फार्मा
17	पिडिलाइट
18	इंडैक्स एडवाइजरी
19	सिंघी एडवाजरस
20	डाटावाइस
21	एचटी मीडिया
22	डन ऐंड ब्रैडस्ट्रीट
23	यस बैंक
24	एलवीएमएच
25	बायोकॉन
26	झारक्राफ्ट
27	बर्जर पेंट्स

क्रम	समर प्लेसमेंट
28	त्रिपुरा बैंबू मिशन
29	आईएनजी वैश्य
30	कोटक महिन्द्रा
31	ट्रीटल
32	एनटीपीसी
33	ब्लूस्टार
34	यूबी स्पिरिट्स
35	लांको
36	हीरो मोटोकॉर्प
37	आईएक्सपीरिएंस
38	पोलरिस मोटर्स
39	डॉशिऑन लिमिटेड
40	आईएल ऐंड एफएस
41	यूबी स्पिरिट्स
42	एफईडीएआई
43	टीसीआईएल
44	ग्लोब कैपिटल
45	इंडोफिल
46	अपना सर्किल
47	मिजुहो सिक्युरिटीज
48	सानोफी एवेंटिस
49	सीसीडी
50	क्विजवर्क्स
51	डैक्थलॉन
52	विजमोर
53	डब्ल्यूडब्ल्यूएफ
54	मैपमाईइंडिया

क्रम	फाइनल प्लेसमेंट
1	एचएसबीसी
2	आरपीजी
3	एचटी मीडिया
4	आईसीआईसीआई
5	यस बैंक
6	रैनबैक्सी
7	मारूति
8	जे पी मॉर्गन चेस
9	केपीएमजी
10	बर्जर पेंट्स
11	आईएनजी वैश्य
12	ऐवरेडी
13	पिडिलाइट
14	हीरो मोटोकॉर्प
15	टाटा स्टील
16	क्रॉम्प्टन ग्रीव्स
17	फ्लिप
18	इंडोफिल
19	डैक्थलॉन
20	म्यूसिग्मा
21	आईओसीएल
22	ग्रामीण फाइनेंसियल सर्विसेज
23	ग्रेट प्लेस टू वर्क
24	स्टेरिया
25	ह्यूमन कैपिटल सॉल्यूशंस
26	बॉस्टन एलालिटिक्स
27	मदर डेयरी

क्रम	फाइनल प्लेसमेंट
28	जेएसपीएल
29	फॉर्मसेप्ट
30	आईसीआरएम
31	अल्टीसोर्स
32	हेडस्ट्रांग
33	इरिकसन
34	फोटॉन इन्फोटेक
35	भारत फोर्ज
36	इंटर्नशाला
37	झारक्राफ्ट
38	लेटेंट व्यू
39	बिसलरी
40	जेबीके राक
41	एचपीसीएल
42	एथेना एडवाइजर
43	बुटिक एसेट मैनेजमेंट
44	एक्साइड
45	कैरियर लांचर
46	मैकडोनाल्ड
47	फिल्ट्रेशन इंजीनियर्स
48	होम इंडिया होम
49	एचडीएफसी
50	आरईसी
51	जोइन
52	मैनसर
53	उत्तम गाल्वा
54	विक्रम सोलर
55	कोटक महिन्द्रा

उद्योग सहभागिता (कोलोक्कियम)

कोलोक्कियम संस्थान के छात्रों के सशक्तीकरण के लिए इंडस्ट्री लीडर्स द्वारा आयोजित अतिथि व्याख्यान श्रृंखला को संदर्भित करता है। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को विभिन्न व्यावसायिक कार्यों से परिचित करना और उन्हें संगठनात्मक संस्कृति की अनुभूति का अवसर प्रदान करना है। कार्यक्रम के तहत, अलग अलग डोमेन से वरिष्ठ अधिकारियों को उनके व्यक्तिगत तथा पेशेवर अनुभवों की साझेदारी करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

ये अधिकारी अनेकों विषयों पर वक्तव्य देते हैं जिसमें फाइनेंस, मार्केटिंग, कंसल्टेंसी, ऑपरेशंस एवं एचआर आदि शामिल है।

*आईआईएम रांची के छात्रों ने उद्योग जगत से संबद्ध **50** से ज्यादा कंपनी के अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया है। इनमें से कुछ के नाम नीचे वर्णित है :*

क्रम	नाम	पद	संगठन
1	श्री अनूप बागची	एमडी ऐंड सीईओ	आईसीआईसीआई सिक्युरिटीज
2	श्री अजय गर्ग	संस्थापक एवं एमडी	इक्विरियस कैपिटल
3	श्री मकरंद खटांवकर	हेड-एचआर	ड्यूटश्च बैंक
4	श्री अतुल सिन्हा	वीपी-न्यू बिजनेस डेवलपमेंट	ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज
5	श्री एम किशोर गांधी	एमडी	जे पी मॉर्गन
6	श्री आर पद्मनाभान	हेड-एचआर	कैपजेमिनी
7	श्री गजेन्द्र नागपाल	संस्थापक तथा सीईओ	यूनिकॉन फाइनेंसियल इंटरमीडियरीस
8	श्री एस वी नाथन	डायरेक्टर-टैलेंट	डेलॉयट्ट
9	सुश्री गीतु वर्मा	एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर	पेप्सिको
10	श्री ऐलेन सेक्वेरा	ईवीपी-एचआर	महिन्द्रा ऐंड महिन्द्रा
11	श्री संजेश ठाकुर	पार्टनर	ई ऐंड वाई
12	श्री के श्रीराम	प्रेसिडेंट-सेल्स ऐंड मार्केटिंग	पिडिलाइट इंडस्ट्रीज
13	श्री अभिषेक भगत	प्रबंध निदेशक	एलारा कैपिटल
14	श्री श्रमन झा	एसवीपी	एनआईआईटी
15	श्री भास्कर प्रसाद	एसवीओ	सिटीबैंक
16	सुश्री रेवती कस्तुरे	हेड ऑफ रिसर्च	केयर रेटिंग
17	श्री एन ई श्रीधर	सीनियर मैनेजर-बिजनेस एक्सेलेंस	टाइटन इंडस्ट्रीज
18	श्री अजॉय लोधा	पार्टनर	सिंघी एडवाइजर
19	श्री पल्लव सिन्हा	संस्थापक एवं सीईओ	फुल्लेरटॉन सेक्युरिटीज
20	सुश्री संद्रा मर्त्यरेस	डिपुटी सीईओ	सोसाइटी जेनेरल
21	सुश्री शैली गुप्ता	ग्रुप एचआर हेड	एडलवाइस कैपिटल
22	श्री घनश्याम दास खंडेलवाल	डायरेक्टर ऐंड हेड-स्ट्रैटेजिक ट्रांजेक्शंस ग्रुप (इंवेस्टमेंट बैंकिंग)	एचएसबीसी
23	श्री उत्कर्ष मजूमदार	वीपी-ग्लोबल रिसर्च (इक्विटी रिसर्च)	एचएसबीसी
24	श्री आलोक महापात्रा	डायरेक्टर	बीएनपी परिबस
25	गणेसन अंपलावानर	एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट	नेस्ले इंडिया
26	श्री मनीष सिन्हा	डायरेक्टर-एचआर	बेक्टॉन-डिकिंसन

क्रम	नाम	पद	संगठन
27	श्री अरूण नागारंजन	हेड-एफएक्स ऐंड डेरिवेटिव्स	कोटक महिन्द्रा बैंक
28	श्री वीकेएम रेड्डी	ईवीपी ऐंड हेड-सप्लाई चेन	वोडाफोन
29	श्री नदीम काजिम	डायरेक्टर (एचआर ऐंड पर्सनल)	एक्साइड इंडस्ट्रीज
30	श्री रक्षित हरगवे	एमडी	निविया
31	श्री नलिन कुमार	एमडी	राबोबैंक
32	श्री तन्मय कुमार	प्लानिंग डायरेक्टर	यम! रेस्टोरेंट
33	श्री दीपक भरारा	डायरेक्टर-कॉर्पोरेट एचआर	लंको इंफ्राटेक लिमिटेड
34	श्री रंजीत छाबरा	वीपी-सेल्स ऐंड मार्केटिंग	टाटा केमिकल्स
35	श्री राजेश डर्घवेन	हेड-एचआर	रिलांयस कैपिटल एसेट मैनेजमेंट
36	श्री दिवाकर ह्युक्ला	पार्टनर	ओगिल्वी ऐंड मैथर
37	श्री तपन रायगुरू	हेड ऑफ क्लाएंट सर्विसेज	म्यू सिग्मा
38	श्री अरविंद सिंघल	संस्थापक एवं सीईओ	टेक्नोपार्क
39	श्री फणिन्द्र सामा	संस्थापक	रेडबस

दीक्षांत समारोह

द्वितीय दीक्षांत समारोह

आईआईएम रांची के दूसरे दीक्षांत समारोह का आयोजन सोमवार, 4 मार्च, 2013 को रांची यूनिवर्सिटी के आर्यभट्ट सभागार में किया गया। पीजीडीएम (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट) के 66 छात्र और पीजीपीईएक्स (पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट फॉर एक्जीक्यूटिव्स) के 59 छात्र सहित कुल 125 छात्र स्नातक हुए।

दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पद्मश्री बी मुथुरामण, वाइस चेयरमैन, टाटा स्टील उपस्थित थे। गोल्ड और सिल्वर मेडल मुख्य अतिथि द्वारा प्रदान किया गया। श्री आर सी भार्गव, चेयरमैन, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईएम रांची और मारूति सुजुकी उधोग लिमिटेड ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और अध्यक्षीय भाषण दिया।

पीजीडीएम 2011-13 बैच : पीजीडीएम बैच में प्रथम रैंक पाने वाले अनूप के जॉन ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। सर्वश्रेष्ठ आउटगोइंग छात्र के लिए मुदित कुमार जैन को गोल्ड मेडल मिला वहीं पीजीडीएम बैच में द्वितीय रैंक हासिल करने के लिए सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ। रंजीथ कुमार रेड्डी इल्लूरू और श्री अभिषेक बासु मल्लिक को क्रमशः फाइनांस और मार्केटिंग में सर्वश्रेष्ठ समर प्रोजेक्ट के लिए गोल्ड मेडल दिया गया।

आशीष मेहरा, हानू प्रतीक कुंडरू, आर विशाल, रचित कुमार शर्मा, श्री राघव किरण मुक्कू और सन्नी सुमांशू को संस्थान निर्माण के लिए प्रोत्साहन प्रमाण पत्र दिया गया।

पीजीपीईएक्स 2011-13 बैचः प्रथम रैंक पाने वाले आलोक कुमार सिंह को गोल्ड मेडल दिया गया वहीं राजीव कुमार गुप्ता सर्वश्रेष्ठ आउटगोइंग छात्र चुने गए और गोल्ड मेडल हासिल किया। बैच में द्वितीय रैंक पाने वाले चंदर मोहन चुग ने रजत पदक प्राप्त किया। धीरज कुमार साहू, राजेश शर्मा, प्रदीप कुमार और अनुपम मोहन को क्रमशः फाइनांस, एचआर, मार्केटिंग ऐंड ऑपरेशन्स में सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट कार्य के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

श्री देवाशीष रॉय, श्री धनंजय कुमार, श्री मनोज कुमार खडिया, सुश्री निवेदिता रॉय, श्री प्रवीण कुमार मिश्रा, श्री संजय कुमार मिश्रा और श्री संतोष कुमार सत्पथी को संस्थान निर्माण के लिए प्रोत्साहन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

चेयरमैन, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईएम रांची, श्री आरसी भार्गव ने सफल पीजीडीएम और पीजीपीईएक्स छात्रों को डिप्लोमा सर्टिफिकेट प्रदान किया।

संस्थान के निदेशक डॉ एमजे जेवियर ने अपने रिपोर्ट में उल्लेख किया कि भारत में एमबीए शिक्षा दोराहे पर खड़ी है। डॉ प्रदीप कुमार बाला, चेयरपर्सन, पीजीडीएम ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए मेडल और स्नातकों की सूची

प्रबंधन में द्विवर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा : 2013 (कुल - 66)

स्वर्ण पदक	प्राप्तकर्ता
❑ प्रथम रैंक	अनूप कुमार जॉन
❑ बेस्ट आउटगोइंग स्टूडेंट	मुदित कुमार जैन
❑ बेस्ट समर प्रोजेक्ट : फाइनांस क्षेत्र	रंजीथ कुमार रेड्डी इल्लूरू
❑ बेस्ट समर प्रोजेक्ट : मार्केटिंग क्षेत्र	अविषेक बासु मल्लिक
रजत पदक	प्राप्तकर्ता
❑ द्वितीय रैंक	मुदित कुमार जैन

शेष नाम वर्णमाला के अनुसार क्रम में है :

अभिजीत दास	पियूष सराओगी
अभिषेक कुमार सिंह	प्रभात रंजन
आकाशदीप साह	पुरुषोत्तम कुमार साहू
आलोक कुमार	आर. विशाल
अमनदीप सिंह	रचित कुमार शर्मा
अंकुर गुलाटी	रोहित कुमार साह
आशीष आनंद	रोहित ठाकुर
आशीष मिश्रा	सैकत मंडल
भाटिया पारस दीपक	समीर अग्रवाल
दवे चिंतन नटवरलाल	समीर जाखर
देवाशीष खारगरीया	सत्यार्थ जायसवाल
दीपक चतुर्वेदी	सेंथिल कुमार के
दिनेश कुमार	शशिकांत
गौरव कुमार सिंह	शेखर कुमार मोदी
गौरव वर्मा	शिवि चतुर्वेदी
ज्ञानेंद्र शर्मा	श्री राघव किरण मुक्कू
हानू प्रतीक कुंडरु	सुजीत आनंद
हरदेव सिंह बद्धान	सुजीथ कुमार एस.
हिमांशु गुप्ता	सन्नी सुमांशू
कपिल निथारवाल	तेजिंदर अमला
कोंडापल्ली सुरेश कुमार	त्रिनाथ बाबू कोरापति
कुमार गौतम	वैभव बंसल
लोगेश्वरन एस एस	वैभव कुमार
मनीष गुप्ता	वरुण शौनिक संधू
मयंक प्रेमचंद सावला	विभोर गोयल
मो. आरिफ	विकास कुमार यादव
मोहित कुमार	विकट शशिकांत पाटिल
मुकेश कुमार यादव	विक्रम वीर सिंह
निशांत वत्स	विशाल हरीश कुमार शेट्टी
पी.एस.एन वामसी	यश अग्रवाल
पराग सभलोक	योगेश कुमार

प्रबंधन में 18 माह का एक्जीक्यूटिव पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा : 2013 (कुल - 59)

स्वर्ण पदक	प्राप्तकर्ता
❑ प्रथम रैंक	आलोक कुमार सिंह
❑ बेस्ट आउटगोइंग स्टूडेंट	राजीव कुमार गुप्ता
रजत पदक	**प्राप्तकर्ता**
❑ द्वितीय रैंक	चंदर मोहन चुग
प्रमाणपत्र	**प्राप्तकर्ता**
❑ बेस्ट प्रोजेक्ट वर्क : फाइनांस क्षेत्र	धीरज कुमार
❑ बेस्ट प्रोजेक्ट वर्क : एचआर क्षेत्र	राजेश शर्मा
❑ बेस्ट प्रोजेक्ट वर्क : मार्केटिंग क्षेत्र	प्रदीप कुमार
❑ बेस्ट प्रोजेक्ट वर्क : ऑपरेशन्स क्षेत्र	अनुपम मोहन

शेष नाम वर्णमाला के अनुसार क्रम में है :

अभिनंदन चटर्जी	निवेदिता रॉय
अविनाश कुमार साहू	प्रदीप्ता रे
अलका सिंह	प्रवीण कुमार मिश्रा
आनंद प्रकाश	राजीव बियानी
अंजना निधि	राकेश रंजन
अनुपम सिन्हा	रवि शंकर कुमार
अपूर्वा कुमार पाल	सदय कुमार
अर्पित कुमार सिन्हा	समरजीत
चंद्र प्रकाश	सम्राट सेन
देवाशीष रॉय	संजय कुमार
धनंजय कुमार	संजय कुमार
धनंजय कुमार सिंह	संजय कुमार मिश्रा
धर्मेंद्र कुमार	संजय कुमार साहू
गौरव श्रीवास्तव	संजय कुमार शेखरदेव
कनिष्क पोद्दार	संजय सिन्हा
कुमार भाष्कर	संजीव कुमार सिंह
कुमुद आनंद	संतोष कुमार सत्पथी
ललित कुमार झा	सरोज प्रसाद पाढ़ि
लंबोदर उपाध्याय	श्वेता शर्मा
मनीष कुमार सिंह	सुभाष चंद्र दास
मनोज के खड़िया	सुजीत कुमार विकास
एन बी लोलाटी टोप्पो	सुरेंद्र कुमार सिंह
नलिन कुमार सिंह	तमाल चक्रवर्ती
नवनीत कुमार	विकास हिरानी
नीरज कुमार सिंह	विमल कुमार सिंह
नीतिश कुमार चौधरी	विनय वर्धन प्रसाद

गतिविधियां

प्रबंधन विकास कार्यक्रम

फंडामेंटल ऑफ प्रोजेक्ट मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स

इंडियन इंस्टीटच्यूट ऑफ मैनेजमेंट, रांची ने यूनिवर्सिटी ऑफ हॉस्टन के साथ मिलकर 20 और 21 जुलाई, 2012 को "फंडामेंटल ऑफ प्रोजेक्ट मैनेजमेंट प्रोफेशनल (पीएमपी)" पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम किसी परियोजना/कार्य को संरचित तरीके से व्यवस्थित कर उसे समय और बजट के अनुसार पूरा करने के बारे में था। इस पाठ्क्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को पीएमपी परीक्षा के लिए तैयार करने के साथ-साथ उन्हें ऊर्जा प्रबंधन की जानकारी देना भी था।

कार्यक्रम का संचालन यूनिवर्सिटी ऑफ हॉस्टन के डॉ विनय आनंद द्वारा एक जीवंत वातावरण में किया गया जिसमें सभी 64 प्रतिभागियों ने बेहद उत्साह के साथ हिस्सा लिया। टाटा स्टील, टेल्को और सीआईएल ने इस कार्यक्रम को अपने कर्मचारियों के लिए आयोजित किए जाने की इच्छा भी जाहिर की और आईआईएम ने अगले वर्ष दोबारा इस कार्यक्रम को आयोजित करने का उन्हें भरोसा दिलाया।

फाइनांस फॉर मेडिकल प्रोफेशनल्स

The Programme was coordinated by Prof. Vikas Srivastava and Prof. N. Sivasankaran.

आईआईएम रांची ने 31 अगस्त से 5 सितंबर, 2012 तक " फाइनांस फॉर मेडिकल प्रोफेशनल्स" पर एक पांच दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम चिकित्सा पेशेवरों को लेखा, लागत, निवेश और वित्तीय निर्णय की जानकारी और मूल अवधारणाओं के साथ-साथ अस्पताल प्रशासन और प्रबंधन की जानकारी देने के लिए तैयार किया गया था। इन जानकारियों ने चिकित्सा पेशेवरों को वित्तीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए बेहतर निर्णय लेने की रूपरेखा प्रदान की। डायरेक्टर, राजेंद्र इंस्टीटच्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, रांचीः डायरेक्टर, आलम हॉस्पीटल, रांची और सीसीएल, रानी हॉस्पीटल, श्री जगन्नाथ हॉस्पीटल, एवीटी आदि संस्थानों सहित 15 प्रतिष्ठित चिकित्सा पेशवर एमडीपी में भाग लिया।

सेकेंड प्रोग्राम ऑन फाइनांस फॉर मेडिकल प्रोफेशनलस

आईआईएम रांची ने 15 और 16 दिसंबर, 2012 को संस्थान परिसर में "फाइनांस फॉर मेडिकल प्रोफेशनल्स" पर एक दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया। अपने उद्घाटन भाषण में प्रो एम. जे जेवियर, डायरेक्टर ने प्रतिभागियों को कार्यक्रम के माध्यम से मिले ज्ञान को अपने अस्पताल में लागू करने पर जोर दिया ताकि वे इस क्षेत्र में एक आदर्श अस्पताल बन सकें। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने भारत में स्वास्थ्य सेवा के प्रबंधन में सफलता के लिए अरविंद आई हॉस्पीटल और नारायण ह्रदयालय का उदाहरण उद्धृत किया। इस एमडीपी के प्रतिभागियों में रांची और आसपास के मौजूद अस्पतालों के चिकित्सक, प्रशासक और मेडिकल डायरेक्टर शामिल थे। यह दूसरा मौका था जब संस्थान ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के विषय पर एमडीपी आयोजित किया। इस कार्यक्रम की विशेषता यह थी कि इसमें निजी क्षेत्र के अस्पतालों के प्रतिभागी भाग ले रहे थे। कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को उनका लाभ और तरलता संबंधी जरूरतों के आंकलन के साथ-साथ उनके संचालन के लागत की परख की जानकारी प्रदान की। इसके अलावा अस्पतालों के निर्णय लेने वाले लोगों को बताया गया कि कैसे अपने पूंजी व्यय निर्णयों का मूल्यांकन करें और कैसे अपने निवेश से लाभ को बढ़ाएं। कार्यक्रम में भाग लेने वाले अस्पतालों में आलम हॉस्पीटल, नागरी हॉस्पीटल, चेन डेंटल क्लिनिक, गुलमोहर हॉस्पीटल, डॉ रूबन हॉस्पीटल (पटना), पार्क हॉस्पीटल (पटना) और जीवक हॉस्पीटल (पटना) शामिल थे। प्रतिभागियों ने महसूस किया कि कार्यक्रम ने उन्हें उनके अस्पतालों के वित्तीय पहलुओं के प्रबंधन के लिए सक्षम बनाया है। कार्यक्रम का संचालन प्रो. विकास श्रीवास्तव, प्रो. आनंद और प्रो. एन शिवशंकरन द्वारा किया गया। श्री बी जगन राव, एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर ने कर्नल बाला के नायर, संस्थान के वाइस प्रेसिडेंट (एडमिन) के मार्गदर्शन में कार्यक्रम के संचालन में प्रशासनिक सहयोग प्रदान किया है।

परामर्श परियोजनाएँ

नाल्को के लिए व्यापार मूल्यांकन

मेकॉन लिमिटेड की तरफ से लिए गए परामर्श परियोजना जिसका शीर्षक "नाल्को के लिए व्यापार मूल्यांकन" था, को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

रांची शहर में चलने वाले ऑटो-रिक्शाओं से संबंधित सर्वेक्षण

झारखंड सरकार के परिवहन विभाग ने आईआईएम-रांची को "रांची शहर में चल रहे ऑटो-रिक्शाओ" से संबंधित परियोजना का कार्य सौंपा है।

यह अध्ययन निम्नलिखित मुद्दों पर रांची शहर में विस्तृत सर्वेक्षण की ओर निर्देशित है:

- ❑ वर्तमान में रांची शहर में चल रहे ऑटो-रिक्शाओं की संख्या क्या है?
- ❑ ऑटो-रिक्शाओं द्वारा प्रतिदिन किए जाने वाले यात्री ट्रिप की अनुमानित संख्या क्या है?
- ❑ रांची शहर की वर्तमान जरूरतों को पूरा करने के लिए कितने ऑटो-रिक्शाओं की जरूरत पड़ेगी?

अध्ययन करने वाली टीम में डॉ एम. जे. जेवियर, डॉ सुबीर वर्मा और डॉ अमित सचान शामिल थे और उन्होंने इसके लिए अनुसंधान के इन गुणात्मक और मात्रात्मक तरीकों का इस्तेमाल किया:

- ❑ सहायक आंकड़े परियोजना के सामाजिक पलुओं से जुड़े सरकारी स्त्रोतों/दस्तावेजों, नीतियों, नियमों, दिशानिर्देशों और सरकारी आदेशों से लिए गए हैं।
- ❑ क्षेत्र का दौरा और विभिन्न स्तरों पर हितधारकों से बातचीत।
- ❑ ऑटो-रिक्शा चालकों का अर्द्ध-संरचित साक्षात्कार।

जेएसआरआरडीए के लिए अवर अभियंताओं और सहायक अभियंताओं की भर्ती

डॉ एम जे जेवियर, डॉ अमित सचान और डॉ तनुश्री दत्ता की टीम ने झारखंड राज्य ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण (जेएसआरआरडीए) के लिए अवर अभियंताओं (जेई) और सहायक अभियंताओं (एई) के लिए भर्ती प्रक्रिया संचालित की। कुल 50 एई पद और 150 जेई पदों के लिए 1195 (एई के लिए 386 और जेई के लिए 809) आवेदन प्राप्त हुए जिनकी जांच की गई और वे लिखित परीक्षा के लिए उपयुक्त पाए गए। लिखित परीक्षा के बाद एई पद के लिए 157 उम्मीदवारों और जेई पद के लिए 384 उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया गया। अंततः 50 एई और 150 जेई की एक सूची भर्ती के लिए जेएसआरआरडीए के पास भेजी गई।

ग्रामीण पेयजल आपूर्ति क्षेत्र की स्थिति और प्रदर्शन का आंकलन

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड सरकार ने "झारखंड राज्य के लिए ग्रामीण जल क्षेत्र का आंकलन" शीर्षक की एक परियोजना सौंपी। राज्य में कार्यक्रम की स्थिति और ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजनाओं के प्रदर्शन के आकलन के लिए एक टीम बनाई गई जिसमें डॉ एम जे जेवियर, डॉ सुबीर वर्मा और डॉ अमित सचान शामिल थे। टीम ने परियोजना के प्रारूप और इसके कार्यान्वयन के लिए जानकारी भी प्रदान की।

स्थापना दिवस

आईआईएम रांची ने 6 जुलाई, 2012 को होटल बीएनआर चाणक्या में अपना तीसरा स्थापना दिवस मनाया। समारोह में सम्मानित मुख्य अतिथि के तौर पर श्री ए. एम. मिश्रा, वाइस प्रेसिडेंट, कोक, सिंटर ऐंड आयरन ऐंड इंडस्ट्रियल रिलेशन्स और विशिष्ट अतिथि के तौर पर श्री आर पी सिंह, सलाहकार एमडी, टाटा स्टील लिमिटेड, जमशेदपुर मौजूद थे।

प्रो. एम जे जेवियर ने स्वागत भाषण दिया जिसमें उन्होंने तेजी से

बढ़ने वाले आईआईएम के तौर पर संस्थान के उद्देश्यों और आकांक्षाओं के बारे में बताया।

सम्मानित मुख्य अतिथि श्री ए एम मिश्रा ने अपने संबोधन में बी-स्कूल स्नातकों से इंडस्ट्री की अपेक्षाओं पर चर्चा की। सम्मानित अतिथि श्री आर पी सिंह ने भी इस मौके पर अपने विचार साझा किये और अपनी शुभकामनाएं दी।

प्रो. सुबीर वर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया जिसके बाद समारोह का समापन हुआ।

बाहरी दुनिया को आईआईएम रांची के अंदर चलने वाले जीवन की झलक देने के उद्देश्य से एक वेबसाइट तैयार करने के लिए पीजीडीएम और पीजीपीईएक्स के छात्रों ने साथ मिलकर काम किया। वेबसाइट को सभी पाठ्क्रमों के छात्रों के लिए एक मीटिंग प्वाइंट के तौर पर शुरू किया गया जिस पर सभी गतिविधियों, प्रायोजन के अवसर आदि से संबंधित पूरी जानकारी होगी। आने वाले वर्षो में नई ऊंचाइयों को छूने की आकांक्षा रख रहे आईआईएम सदस्यों की मौजूदगी में स्थापना दिवस आईआईएम रांची के इतिहास में एक और गौरवशाली दिन के रूप में चिन्हित हुआ।

पीजीपीईएक्स के दूसरे बैच का उद्घाटन

आईआईएम रांची ने 25 अगस्त, 2012 को उद्घाटन समारोह का आयोजन कर पीजीपीईएक्स छात्रों के दूसरे बैच का स्वागत किया।

इस मौके पर माननीय श्री सुदेश महतो, उप मुख्यंत्री, झारखंड और श्री अनुराग गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक, साइबर क्राइम मौजूद रहे। प्रो. एम. जे जेवियर, निदेशक, आईआईएम रांची ने औपचारिक रूप से स्वागत भाषण दिया, इसके बाद श्री सुदेश महतो जो उप मुख्यमंत्री होने के साथ-साथ ग्रामीण विकास, जल संसाधन, वन एवं पर्यावरण और साथ ही सांस्कृतिक मामलों के मंत्री भी हैं, ने प्रेरणादायक बातें कहीं। उनके द्वारा कहे गए शब्द बेहद प्रेरणादायक थे, एक ऐसे व्यक्ति के शब्द जो युवा और शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर प्रो. जो फिलिप, संस्थापक और अध्यक्ष, जेवियर इंस्टीटच्यूट ऑफ मैनेजमेंट ऐंड इंटरप्रेन्योरशिप मौजूद थे। प्रबंध शिक्षा और प्रबंधकों के लिए कौशल पर उनके विचार छात्रों के लिए काफी उपयोगी थे। इसके उपरांत श्री अनुराग गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक, साइबर क्राइम ने प्रेरक भाषण दिया। प्रो. मधुरिमा देव द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन से पीजीपीईएक्स का औपचारिक उद्घाटन पूर्ण हुआ जिसके बाद कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सम्मेलन, संगोष्ठी एवं कार्यशाला

आयोजन

सम्मेलनों की सूची

क्रम सं0	शीर्षक	तिथि	राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय
1	कैटालाइजिंग चेंज एट टेडएक्स	19 फरवरी 2012	अंतरराष्ट्रीय
2	लीडरशिप समिट-कॉन्फ्लूएंस ऑफ इंडस्ट्री कैप्टन्स	27 जुलाई 2012	राष्ट्रीय
3	इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन मैनेजमेंट इन द न्यू वर्ल्ड ऑर्डर	13 और 14 अगस्त 2012	अंतरराष्ट्रीय
4	बिजनेस एनालिटिक्स कॉन्क्लेव	17 अगस्त 2012	राष्ट्रीय
5	द्वितीय एचआर कॉन्क्लेव	21 और 22 सितंबर 2012	राष्ट्रीय
6	समर्पण	12-14 नवंबर 2012	राष्ट्रीय
7	सिम्पोजियम-सोशल इंटरप्रेन्योरशिप ए वायाबल बिजनेस प्रोपोजिशन	9 दिसंबर 2012	राष्ट्रीय
8	टेड एक्स- ड्रीम डेयर डू	3 फरवरी 2013	अंतरराष्ट्रीय

नई विश्व व्यवस्था में प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

सेंटर फॉर इंडियन मैनेजमेंट (सीआईएम) द्वारा 13 और 14 अगस्त 2012 को नई विश्व व्यवस्था में प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएमएनडब्ल्यूओ) आयोजित किया गया। सम्मेलनों की प्रस्तावित द्विवार्षिक श्रृंखला का यह पहला सम्मेलन था। पहले आईसीएमएनडब्ल्यूओ में देश भर के लेखकों से 200 से ज्यादा सारांश प्राप्त हुए जिनमें से 52 पेपर को अंततः सम्मेलन के दौरान प्रस्तुति के लिए स्वीकार किया गया। इन आलेखों को टाटा मैकग्रा हिल द्वारा प्रकाशित एक कॉफ्रेंस संस्करण में संकलित किया गया।

पहले आईसीएमएनडब्ल्यूओ से जुड़े दो अन्य विशेष अंक भी थे। सम्मेलन के विभिन्न ट्रैकों को समेटते इन विशेष अंको को जर्नल ऑफ इंडियन बिजनेस रिसर्च (इमराल्ड) और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस ऐंड इर्मजिंग मार्केट्स (इंडरसाइंस) ने प्रायोजित किया। 52 पेपर -कांफ्रेंस वाल्यूम से लिए गए पेपर इन विशेष अंको के लिए अब समीक्षा के विभिन्न चरणों में है।

पहले आईसीएमएनडब्ल्यूओ के दौरान कई मुख्य वक्ताओं ने सम्मेलन में उपस्थित श्रोताओं को संबोधित किया। इनमे प्रो. पृथ्वीराज चटोपाध्याय- हांगकांग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी, प्रो. भरत दवे-यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया, प्रो. सत्येंद्र सिंह- यूनिवर्सिटी ऑफ विनिपेज, कनाडा, प्रो. शिरीश सी श्रीवास्तव- एचईसी, पेरिस, फ्रांस और श्री एम. वी. सुबैया- मुरूगप्पा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन शामिल थे।

इन मुख्य भाषणों ने सम्मेलन के सभी सात ट्रैकों पर लेखकों के प्रस्तुतियो के साथ मिलकर रांची में बौद्धिक रूप से जीवंत दो दिवसीय अवसर प्रदान किया। सभी इंडियन इंस्टीटच्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) में यह संभवतः इस तरह का पहला प्रयास था।

व्यापार विश्लेषिकी सम्मेलन

विशेषज्ञों के ज्ञान संसाधन और आईआईएम रांची के छात्रों के उत्सुक मन के मेल से 17 अगस्त 2012 को आयोजित "व्यापार विश्लेषिकी सम्मेलन" अत्यंत सफल रहा।

विश्लेषिकी के व्यापकता को देखते हुए निदेशक प्रो. एम. जे. जेवियर ने सम्मेलन के थीम के तौर पर व्यापार विश्लेषिकी को दायरे में लाया। इस दौरान दो ज्ञान-युक्त सत्र आयोजित किए गए। सम्मेलन की अध्यक्षता व्यापार विश्लेषिकी केंद्र के अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार बाला ने किया।

श्री कुणाल दुरेजा, करियर एजुकेशन के कंट्री मैनेजर, आईबीएम ने समाधान पर पहुंचने के लिए लाइव केस स्टडी और विभिन्न उद्योगों से डाटा के महत्व के बारे में बताया। श्री प्रशांत तिवारी, कंट्री मैनेजर, व्यापार विश्लेषिकी एवं ऑप्टमाइजेशन मार्केटिंग में विभेदन के महत्व और कराधान तथा दूसरे सरकारी कार्यों में विश्लेषिकी गुंजाइश पर प्रकाश डाला।

पहला सत्र व्यापार विश्लेषिकी के साथ सीखने के प्रतिमान को पुनः परिभाषित करने के थीम पर आधारित था जिसमें विश्लेषिकी के क्षेत्र के कुछ प्रख्यात विशेषज्ञों ने छात्रो के साथ अपने उपयोगी

विचार साझा किये। वक्ताओं में प्रोफेसर गणेस कन्नाबिरन, डीन, रिसर्च ऐंड कंसल्टिंग, एनआईटी त्रिचि, श्री अजय लखानी, कैपिटल वन, श्री डेरिक जोस, फ्लूचुरा, श्री ए. जे. साईनाथ और ए टी केर्नी के श्री नीतिन गोड़ावत शामिल थे।

सम्मेलन में प्रोट्रैक एजुकेशन के डॉ. रंधीर मिश्रा, श्री धीरज अवस्थी, सीनियर वीपी, रिस्क एनालिटिक्स, एचएसबीसी, श्री राजीव बाफना, सीईओ, एनलिटिका, श्री आदित्य खांडेकर (सीएफए) सीनियर जीएम, बैंकिंग एनालिटिक्स, ग्लोबल एनालिटिक्स ग्रुप, एचपी की गिताली हलदर और श्री असीम अली किदवई जैसे उद्योगों के विश्लेषिकी क्षेत्र से कई नामचीन हस्तियों ने भाग लिया।

सत्र के दौरान छात्रों को विश्लेषिकी पेशे की जरूरतों की बारीकियों से अवगत कराया गया, खासकर के विश्लेषिकी के क्षेत्र में विजनिंग और परामर्श कौशल के महत्व के बारे में बताया गया।

लीडरशिप समिट "कॉन्फ्लूएंस ऑफ इंडस्ट्री कैपटेन्स"

27 जुलाई 2012 को एक लीडरशिप समिट "कॉन्फ्लूएंस ऑफ इंडस्ट्री कैपटेन्स" का आयोजन किया गया। सम्मेलन का मुख्य थीम "विजन 2020" था और इसमें प्रमुख कॉर्पोरेट लीडरों ने भाग लिया। आईआईएम-राँची के छात्रों के लिए यह एक सीखने वाला अनुभव रहा। कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले मेहमानों की सूची बेहद प्रभावशाली थी। वित्त, इंजीनियरिंग, आईटी, दूरसंचार और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे विभिन्न क्षेत्रों के उल्लेखनीय वक्ताओं ने बताया कि वे 2020 को किस रूप में देखते हैं।

दिन भर चले कार्यक्रम की शुरूआत श्री ए. के. सिंह (सीईओ, एस्सार पावर) के दिलचस्प व्याख्यान के साथ हुई। "ईश्वर की तरह निर्माण करो, एक राजा की तरह शासन करो, एक गुलाम की तरह काम करो" श्री सिंह ने कॉन्स्टैंटिन ब्रन्कुश की इन पंक्तियों को उद्धृत करते हुए शुरूआत की और अखंडता को मुख्य लक्षण बताते हुए एक नेता के व्यक्तित्व के अभिन्न घटकों के बारे में अवगत कराया। एक अन्य व्याख्यान में श्री गोपाल सिंह (चेयरमैन और एमडी, सेंट्रल कोल फील्ड्स लिमिटेड) ने केंद्रीय विषय पर और विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

सत्र के पहले हिस्से में दो अन्य विशिष्ट वक्ताओं श्री वी. नीलकंठन (कंट्री हेड, आईबीएम) और श्री संजय शर्मा (अध्यक्ष, जिंदल स्टील ऐंड पावर) ने अपने विचार रखें। श्री नीलकंठन ने बेहद उत्साहपूर्वक अंदाज में भारत में आईटी उद्योग के भविष्य की संभावनाओं के बारे में बताया। श्री शर्मा ने स्टील और ऊर्जा के क्षेत्र में तकनीकी विकास के असर का विश्लेषण करते हुए सत्र को आगे बढ़ाया।

सत्र के विचारपूर्ण और प्रेरक पहले भाग के बाद, भोजन के बाद के सत्र की शुरूआत श्री शिवालिक प्रसाद (निदेशक, मैप माई इंडिया) द्वारा मैप माई इंडिया की वृद्धि पर एक शिक्षाप्रद व्याख्यान के साथ हुई। स्थानीय रंग जोड़ते हुए श्री धीरेंद्र कुमार (एमडी, झारक्राफ्ट) ने कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ आत्मविश्वास का महत्व बताया। अंतिम दो वक्ताओं श्री पंकज मोहिंद्रू (राष्ट्रीय अध्यक्ष, इंडियन सेल्यूलर एसोसिएशन) और श्री ए. के. सक्सेना (कार्यकारी निदेशक, भूषण स्टील) ने क्रमशः करियर के बढ़ते अवसरों और समावेशी शिक्षा प्रणाली की जरूरत पर अपने विचार रखे।

सम्मेलन का उद्देश्य जीवन के हर क्षेत्र से एक जैसी सोच रखने वाले लोगों को एक साथ लाना था। इंडस्ट्री के कप्तानों का मेल, आईआईएम-राँची का यह लीडरशिप समिट उद्योग-व्यापार क्षेत्र के अग्रणियों को अपना विजन 2020 साझा करने के लिए एक साथ लाया। साथ ही इसने इंडस्ट्री और आईआईएम-राँची के शैक्षणिक समुदाय के बीच अपने विचार साझा करने के एक मंच का काम भी किया जिससे आज के नेताओं को कल के नेताओं से मिलने और उन्हें प्रेरित करने का अवसर मिला।

दूसरा एचआर कॉन्क्लेव

आईआईएम रांची ने अपना दो दिवसीय दूसरा वार्षिक एचआर कॉन्क्लेव 21 सितंबर 2012 को आयोजित किया। इस कॉन्क्लेव का थीम 'टर्निंग द टाइड ऑन अनरेस्ट इन वर्कफोर्स' था। इस दौरान विभिन्न उद्योगों के प्रख्यात लीडरों ने दुनियाभर में संस्थानों के सामने आ रही चुनौतियों पर गहन चर्चा की। कॉन्क्लेव में इस स्थिति को बदलने में एचआर मैनेजरों की भूमिका पर जोर दिया गया। कार्यक्रम की शुरूआत आईआईएम रांची के निदेशक प्रो. एम. जे. जेवियर द्वारा दिए गए स्वागत भाषण और प्रो. बिजया मिश्रा के मुख्य भाषण से हुई, उसके बाद आईआईएम रांची के एचआर क्लब के एचआर पत्रिका 'पीपुल शास्त्र' के पहले संस्करण का अनावरण हुआ।

महिंद्रा ऐंड महिंद्रा के सलाहकार श्री एलेन सिक्वेरा की अध्यक्षता में कॉन्क्लेव के पहले सत्र में कार्यबल में मतभेद की वजह बनने वाले विभिन्न कारकों और कैसे एचआर मैनेजर इस समस्या को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं, पर विस्तार से चर्चा हुई। श्री सिक्वेरा ने विभिन्न स्तरों पर कार्यबल के बढ़े हुए आकांक्षाओं के बारे में बताया और टॉप-डाउन के साथ-साथ बॉटम-अप संवाद के महत्व पर बल दिया जो कार्यबल में मतभेद को काफी कम करेगा। श्री के. ए. नारायण, प्रेसिडेंट-एचआर, रेमंड और श्री संदीप चौधरी, पार्टनर, एओन हेविट ने भी छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा किए।

दूसरे सत्र की अध्यक्षता पद्मजा अलगानंदन, कार्यकारी निदेशक, पीडब्ल्यूसी ने इस तथ्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उच्च विकास दर वाले व्यवस्था में धन का असमान वितरण कर्मचारियों के बीच हमेशा मतभेद की वजह बनता है। श्री अनादोरूप घोष, निदेशक, एओन हेविट, श्री बिप्लव बनर्जी, कार्यकारी निदेशक, एचआर, जीएसके लिमिटेड और श्री सेबी चाको, वीपी एचआर, थॉमसन रायटर ने विभिन्न उद्योगों में मुआवजे के प्रक्रियाओं पर चर्चा की।

भोजन के बाद सत्र की शुरूआत कार्य-जीवन संतुलन पर एक पैनल चर्चा के साथ हुई। पैनल में श्री पार्था दासगुप्ता, सीईओ, एपोजी लीड्स, श्री आर. श्रीधर, वाइस प्रेसिडेंट-एचआर, आईटीसी लिमिटेड और डॉ दलजीत सिंह, अध्यक्ष, फोर्टिस हेल्थकेयर शामिल थे। डॉ दलजीत सिंह ने आप जो करते है उसे पसंद करने के महत्व को बताया जो खुशी देता है जिससे कार्य-जीवन संतुलन सुनिश्चित होता है।

दिन के लिए समापन स्तर का संचालन श्री एस वेंकटेश, सीईओ स्वनिश्था ने किया। श्री विकास शिरोडकर, जेनरल मैनेजर-एचआर, जेनरल मोटर्स और श्री सरब प्रीत सिंह, हेड-लर्निंग ऐंड डेवलपमेंट के पैनल ने एचआर के क्षेत्र में सामरिक संरेखण के महत्व पर चर्चा की। श्री सिंह ने एचआर के क्षेत्र के रहस्यों को हटाते हुए आईआईएम-राँची के छात्रों को एक एचआर कर्मी के कार्य से जुड़ी वास्तविक जिम्मेदारियों के बारे में बताकर उन्हें सही कारणों के लिए इस क्षेत्र में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री शिरोडकर ने आज मुख्य प्रबंध अधिकारियों के सामने आ रहे मुख्य मुद्दों और समस्याओं का समाधान प्रदान करने के लिए उद्योग में एचआरएम के महत्व के बारे में बात की।

कॉन्क्लेव के दौरान विभिन्न वीडियो का प्रदर्शन भी किया गया जो एक देशव्यापी वीडियो बनाने की प्रतियोगिता में प्रविष्टियों के रूप में प्राप्त हुए थे। प्रतियोगिता का थीम "कार्य जीवन संतुलन" था जिसमें देश भर के विभिन्न बी-स्कूलों ने भाग लिया। कुल मिलाकर यह कॉन्क्लेव वहां मौजूद सभी के लिए एक समृद्ध अनुभव था और उन्हें कॉन्क्लेव में भाग लेने वाले उद्योगों के प्रसिद्ध लीडरों से बहुमूल्य अंतदृष्टि प्राप्त करने का मौका प्रदान किया।

सहभागिता

डॉ अमित सचान

- दि सोसाइटी ऑफ ऑपरेशंस मैनेजमेंट (एसओएम 2012) के 16 वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में ''सेगमेंटिंग कस्टमर चॉइसेस फॉर बेटर प्रोडक्ट डिजाइन'' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।(21-23 दिसंबर, 2013)
- हैदराबाद में डिसीजन साइंसेज फॉर परफॉरमेंस एक्सेलेंस पर आयोजित छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में ''मेजरिंग गैप बिटवीन कस्टमर प्रैफरेंसेज ऐंड मैनेजर्स पर्सेप्सन ऑफ कस्टमर्स प्रिफरेन्सेज'' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।(27-29 दिसंबर,2012)
- दि केस रजिस्ट्रेसन सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से, हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग द्वारा आईआईएम बैंगलोर में ''आर्ट ऐंड क्राफ्ट ऑफ डिस्कसन लीडरशिप'' विषय पर सेमिनार का आयोजन।(6-8 जनवरी, 2013)

डॉ अमरेंदू नंदी

- यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन ,यूके में हाई कमीशन ऑफ इंडिया, लंदन द्वारा ''इंडिया-यूके स्किल्स ऐंड पार्टनरशिप कॉन्फ्रेंस'' का आयोजन।

डॉ आनंद

- आईआईएम कलकत्ता द्वारा आयोजित इंडिया फाइनेंस कॉन्फ्रेंस 2012 में ''ए स्टडी ऑफ इनफार्मेशन कंटेंट ऑफ एनालिस्ट्सश् एस्टिमेट्स ऑफ एकाउंटिंग इनकम नंबर्स'' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। (19-21 दिसंबर, 2012)

डॉ बिजया मिश्रा

- बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी में इंडियन सोसाइटी ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स द्वारा आयोजित सेमिनार ''चैलेंजेज बिफोर इंडियन ट्रेड युनियंस इन द फेस ऑफ न्यू ग्लोबल आर्डर : ट्रेड यूनियन ऐंड एचआर परस्पेक्टिव्स'', में शोधपत्र प्रस्तुत।(20-22 दिसंबर, 2012)।

डॉ जी आर चंद्रशेखर

- कंसास सिटी, एमओ में आयोजित इंडस्ट्री स्टडीज कॉन्फ्रेंस में ''रिसर्च इंटेंसिटी ऐंड न्यू वेंचर परफॉर्मेंस'' पर शोधपत्र प्रस्तुति के लिए डॉ चंद्रशेखर को आमंत्रित किया गया।(28-31 मई, 2013)

डॉ एम जे जेवियर

- शंघाई जियाओ टोंग यूनिवर्सिटी, चाइना और एमबीए यूनिवर्स.कॉम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय बिजनेस स्कुल शंघाई कॉन्फ्रेंस (आईबीएसएससी) में चाइना- इंडिया बी स्कूल डीन्स डायलॉग सेषन'' में कॉन्फ्रेंस स्पीकर बने।(28-31 मई, 2013)

डॉ मधुरिमा देब

- सैम हॉस्टन स्टेट यूनिवर्सिटी, हॉस्टन (टेक्सास, यूएसए) में आयोजित जेनरल बिजनेस कॉन्फ्रेंस में ''माइनिंग डायमंड्स फ्रॉम कस्टमर्स एक्सपेक्टेशंस ऐंड ओरिएन्टेशन्स'' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया। यह शोधपत्र ग्राहकों की अपेक्षाओं और अनुभवों पर आधारित है। यह अध्ययन भारतीय रिटेल सेक्टर के सन्दर्भ में था।(13-14 अप्रैल, 2012)

डॉ मौसमी पाढ़ि

- इंडियन इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ इमर्जिंग ट्रेंड्स इन टेक्नोलॉजी ऐंड मैनेजमेंट में ''बिल्डिंग ए केस फॉर रिसर्च इन वर्क फॅमिली लिंकेजेज : परस्पेक्टिव्स फ्रॉम एकेडमिक ऐंड पॉपुलर रिसर्च'' नामक पेपर प्रस्तुत किया।(22 दिसंबर, 2012)
- आईआईएम बैंगलोर में आयोजित दसवें एआईएमएस इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस व मैनेजमेंट में ''रोल ऑफ कॉंग्रुएन्स इन वर्क फॅमिली इंटरफेस'' विषयक पेपर प्रेजेंट किया।(6-9 जनवरी, 2012)
- दि केस रजिस्ट्रेसन सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से, हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग द्वारा आईआईएम बैंगलोर में ''आर्ट ऐंड क्राफ्ट ऑफ डिस्कसन लीडरशिप'' विषय पर सेमिनार का आयोजन। (6-8 जनवरी, 2013)

डॉ प्रदीप के बाला

- आईएमटी नागपुर द्वारा ''आईटी ऐंड बिजनेस इंटेलिजेंस (आईटीबीआई-2012) चतुर्थ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आयोजित। (23-25 नवंबर, 2012).

डॉ शिबाशीष चक्रबर्ती

- आईआईटी दिल्ली और कर्टिन यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित छठे इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कॉन्टेम्पररी बिजनेस 2012 (आईसीसीबी 2012) में ''ऐन एक्सप्लोरेट्री स्टडी व डिटर्मिनैंटस ऑफ लीडिंग मोबाइल नेटवर्क प्रोवाइडर्स - केस ऑफ कोलकाता, इंडिया'' शीर्षक से पेपर प्रेजेंट किया। (अक्टूबर 18 एंड 19, 2012)

डॉ विकास श्रीवास्तव

- 30-31 जनवरी, 2013 को हैदराबाद में रिस्क मैनेजमेंट इन बैंकिंग, इंश्योरेन्स ऐंड फाइनांस पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मलेन में ''प्रोजेक्ट फाइनांस ऐंड रिस्क मैनेजमेंट इन इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग बाय इंडियन बैंक्स'' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

श्री जयंत त्रिपाठी

- आईआईएम रायपुर में आईआईएम लाइब्रेरी ''कॉन्सोरटियम मीटिंग'' आयोजित। (28-29 सितम्बर, 2012)
- आईआईटी गांधीनगर के साथ संयुक्त रूप से आईआईएम अहमदाबाद में ''इंडेस्ट कंसोर्टियम मीटिंग'' आयोजित। (17-19 जनवरी, 2013)
- आईआईएम कोझिकोड में ''डिजिटल लाइब्रेरीज यूजिंग ग्रीनस्टोन सॉफ्टवेयर'' पर इंटरनेशनल वर्कशॉप। (20-24 अगस्त, 2012)

श्रीमती जानकी जगन

- सोसाइटी फॉर इकोनॉमिक रिसर्च ऐंड ट्रेनिंग, नई दिल्ली द्वारा गोआ में ''गवर्नमेंट रिजर्वेशन पॉलिसी फॉर एससी, एसटी, ओबीसी, ऐंड फिजिकली हैंडीकैप्ड विथ स्पेषल एम्फैसिस ऑन द रिजर्वेशन फॉर माइनॉरिटीज'' पर टेक्निकल वर्कशॉप। (11-13 अक्टूबर, 2012)

कार्यक्रम

हिंदी पखवाडा

भारत सरकार के निर्देशानुसार 1 सितम्बर - 14 सितम्बर तक हिंदी पखवाडा का आयोजन किया गया था। इस दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये गए, जिसमें सभी कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

1. तत्क्षण भाषण
2. शब्द जाल
3. काव्य पठन
4. कहानी लेखन
5. श्रुतिलेख

कार्यक्रम के समापन दिवस पर सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

मुख्य सतर्कता अधिकारी (चीफ विजिलेंस कमिश्नर) की निगरानी और आईआईएम-राँची के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के निर्देशानुसार 31 अक्तूबर से लेकर 5 नवम्बर 2012 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इस सप्ताह के दौरान निम्नांकित कार्यक्रम आयोजित किये गए। इस कार्यक्रम में आई आई एम राँची के छात्रों ने बढ़ - चढ़कर हिस्सा लिया।

दिनांक 1 नवम्बर 2012 को ''भ्रष्टाचार मुक्त सामज'' विषय पर एक चर्चा आयोजित की गई। इस वार्ता में श्री रविन्द्र वर्मा, सीवीओ-एचईसी, श्री आनन्दो सेन, झारखण्ड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता, और आई आई एम राँची के निदेशक प्रोफेसर एम. जे. जेवियर उपस्थित थे।

इसी कड़ी के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए एक वार्ता भी आयोजित की गई। इस वार्ता के निर्णायक मंडली में डॉ. जी आर चंद्रशेखर, डॉ. विकास श्रीवास्तव और डॉ. बिजया मिश्रा उपस्थित थे। इस वार्ता का विषय था ''क्या भ्रष्टाचार को अचानक कम या खत्म किया जा सकता है?'' इस विषय पर आई आई एम के छात्रों ने अपने सुझाव और विचार रखे जिसके द्वारा भ्रष्टाचार को समाज से खत्म किया जा सकता है या कम किया जा सकता है। प्रत्येक बैच (पीजीडीएम, पीजीडीएचआरएम और पीजीपीईएक्स के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष) के छह-छह विद्यार्थियों ने इस वार्ता में भाग लिया।

मोमबत्ती रैली (कैंडल लाइट मार्च)

20 नवम्बर 2012 को खेलगांव स्थित आईआईएम के छात्रावास परिसर में आईआईएम लखनऊ की पूर्व छात्रा मंजूनाथ शानमुगम, जिसकी हत्या कर दी गई थी, उसकी याद में मोमबत्ती रैली और अखंडता की शपथ का आयोजन किया गया।

तेल में मिलावट के खिलाफ आवाज बुलंद करते वक्त आईओसीएल की सेल्स मैनेजर मंजूनाथ शानमुगम की यूपी के लखीमपुर गिरि में दिनांक 19 नवम्बर 2005 को हत्या कर दी गई थी। मंजूनाथ ने घूस लेने से इंकार कर दिया था और धमकियों की परवाह नहीं की थी।

आईआईएम-राँची के निदेशक प्रोफेसर एम.जे.जेवियर ने 200 से भी अधिक छात्रों के साथ मिलकर मंजूनाथ शानमुगम की याद में मोमबत्ती रैली निकाली। छात्रों ने ईमानदारी और अखंडता की रौशनी और सन्देश फैलाते हुए खेलगाँव स्थित आवासीय परिसर का भ्रमण किया।

तुरंत बाद सभी छात्रों ने जीवन में ईमानदारी और अच्छाई की राह पर चलने की शपथ भी ली। प्रोफेसर एम. जे. जेवियर ने भावी मैनेजरों को अपने सभी निर्णयों में ईमानदार और पारदर्शी रहने की सीख दी और उन्हें शपथ दिलवायी। सभी विद्यार्थियों ने मंजूनाथ शानमुगम और समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी लड़ाई की याद में दो मिनट का मौन भी रखा। आईआईएम-आर राँची के निदेशक ने भी भ्रष्टाचार पर बोलते हुए अपने जीवन के कुछ सच्चे अनुभव विद्यार्थियों के साथ बाँटें।

दैनिक भास्कर | रांची

भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने वाले मंजुनाथ की याद में स्टूडेंट्स ने निकाला कैंडल मार्च

मंजूनाथ शानमुगम की शहादत को नमन करते हुए आईआईएम-राँची के सभी सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने आईआईएम के सदस्यों के साथ अपनी एकजुटता प्रदर्शित की।

अंतर्राष्ट्रीय निशक्तता दिवस

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देश के आलोक में आईआईएम-राँची 3 दिसंबर 2012 को परिसर में अंतर्राष्ट्रीय निशक्तता दिवस मनाया गया।

समर्पण

समर्पण, आईआईएम-आर की सामाजिक जिम्मेदारी क्लब ने नवम्बर से जनवरी तक निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया

1. शुभेच्छा - त्योहारों के लिए शुभकामना सन्देश -समर्पण के सदस्यों ने इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में समाज के सभी वर्गों के लोगों तक दीपावली की शुभकामनाओं के सन्देश पहुँचाये। दीपावली की छुट्टियों में सभी छात्र छात्रावास में ही रहते हैं अतः उन्होंने कुछ ऐसे भले काम किये जिसे याद कर वे ताउम्र खुश होते रहेंगे।
   - पहला दिन : सदस्यों ने पहले दिन बिरसा मुंडा जेल का भ्रमण किया और वहाँ जन्मे और पल रहे बच्चों के बीच ऊनी वस्त्र, उपहार और चॉकलेट का वितरण भी किया। ये सारे बच्चे 6 वर्ष से काम आयु के थे। सदस्यों ने जेल के अंदर रह रहे लोगों के द्वारा बनाये जा रहे विभिन्न वस्तुओं को भी देखा।
   - दूसरा दिन : आईआईएम-राँची के निदेशक ने दिवाली पूजा और उसके समारोहों के दौरान आईआईएम-राँची छात्रावास के सुरक्षा प्रहरियों और गाड़ी चालकों के बीच गरम कपड़ों और स्वेटरों का वितरण किया।
   - तीसरा दिनः इस दिन वृद्धाश्रम और अनाथालय के लिए भ्रमण किया गया। इस क्लब के सदस्यों ने इन सबों के बीच मफलर, स्नेक्स और मिठाई बाँट कर उनके चेहरे पर भी त्योहारों की खुशी लाने का प्रयत्न किया। आईआईएम-राँची के छात्रों ने वहाँ रह रहे बच्चों के साथ फुटबॉल मैच भी खेला। इस एक छोटी सी पहल ने सबों के चेहरे पर हँसी की बड़ी रेखा खींच दी।
2. सिम्पोजियम :- समर्पण के सदस्यों ने 9 दिसंबर 2012 को आईआईएम-आर के सूचना भवन में ''सोशल इंटरप्रेन्योरशिप अ वाइबल बिजनेस प्रोपोजिशन'' पर एक सिम्पोजियम आयोजित किया। कल के भावी लीडरों के दिमागी कसरत के लिए एक पैनल डिस्कशन का भी आयोजन किया गया था जिसमें छात्रों को समाज के लिए किये जाने वाले कार्यक्रमों के बारे में जागरूक किया गया साथ ही कुशाग्र बुद्धि वाले छात्रों के लिए समाज में उपलब्ध अवसरों पर बात भी की गई।

पैनल डिस्कशन में आमंत्रित वार्ताकारों ने काफी अच्छे व कारगर सुझाव दिए। श्री सुनील कुमार, निदेशक लघु और मध्यम श्रेणी उद्योग, ने जोर डालते हुए कहा कि इंटरप्रेन्योरशिप में युवाओं को समुचित प्रशिक्षण और निर्देशन देने की जरूरत है। इन बातों के अभाव में युवा पीढ़ी ऐसे पेशे/नौकरी से जुड़े रह जाते हैं जिनमें उनकी रूचि नहीं होती। श्री संतोष शर्मा, जो एक सामाजिक इंटरप्रेन्योर हैं, उन्होंने कहा कि ''सोशल इंटरप्रेन्योरशिप न सिर्फ एक सही कदम है बल्कि एक स्थिर विकास के लिए सही रास्ता भी है।'' श्री एस शादाब हुसैन, निदेशक एच एच हाई स्कूल, जहाँ गरीबों और अनाथ बच्चों की देख रेख की जाती है उन्होंने कहा कि सोशल इंटरप्रेन्योरशिप की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहाँ कोई आपका प्रतिद्वंदी नहीं बल्कि सभी आपस में सहकर्मी ही हैं। श्री सम्राट सेनगुप्ता, विकास भारती राँची, ने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि कोई समुचित दिशा या योजना नहीं होने के कारण लोग इसे अवकाशीय प्रशिक्षण के रूप में अपना तो लेते हैं पर 10 प्रतिशत लोग ही इस क्षेत्र में गंभीरता से आगे बढ़ते हैं। इस कार्यक्रम ने युवाओं को संसार के यथार्थ से परिचित कराया और उनमें एक बेहतर समाज के निर्माण के लिए संघर्ष करने का जोश जगाया। कार्यक्रम के विस्तृत प्रसारण के लिए इसे आईआईएम राँची के गूगल चैनल में भी दिखाया गया।

पं. चेतन जोशी

पंडित चेतन जोशी का कार्यक्रम

आईआईएम राँची के खेल और संस्कृति विभाग के द्वारा 13 अक्टूबर 2012 को महान बाँसुरी वादक पंडित चेतन जोशी की प्रस्तुति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

टोस्ट टू टोस्टमास्टर्स

संवाद और नेतृत्व विकास में दुनिया का नेतृत्व करने वाला संगठन अंतर्राष्ट्रीय टोस्टमास्टर्स और इनके सदस्यों ने लोगों के वाचन क्षमता और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने के लिए 38 देशों के 35,700 क्लबों में सम्मलेन किया है और लोगों के बीच नेटवर्क स्थापित किया है। आईआईएम राँची टोस्टमास्टर्स क्लब ने भी वहां के छात्रों को ऐसे अवसर प्रदान किये जिनसे उनमें वाकपटुता, और एक आत्मविश्वासी नेता होने की कला विकसित हो सके। आईआईएम राँची टोस्टमास्टर्स ने 10 नवम्बर 2012 को अपनी पहली मीटिंग थीम ''एक नई शुरूआत'' के साथ की। इस मीटिंग में आईआईएम राँची के सीनियर और जूनियर बैच के छात्रों के साथ-साथ बाहर के लोगों ने भी भाग लिया और अपने विचार रखे। सदस्यों ने खुद अन्य सदस्यों की प्रस्तुति का मूल्यांकन किया। फीडबैक की यह प्रक्रिया इस कार्यक्रम के सफलता की महत्वपूर्ण कड़ी साबित हुई। छात्रों ने समय प्रबंधन के तरीकों को भी जाना।

प्रतिभागियों ने ''25 नॉट आउट'' और ''बाल्बोआ इन मी'' (प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता रॉकी बाल्बोआ की लाइन में) विषय पर अपने भाषण प्रस्तुत किये। पहले सत्र की शुरूआत बड़े ही रोचक ढंग से हुई। अनेक प्रतिभागियों ने अपने विचार रखे साथ ही श्रोताओं में से भी कुछ लोगों ने अपने विचार रखे। हर वर्ग के सबसे अच्छे वक्ता को पुरस्कृत किया गया। ''टोस्ट मास्टर्स'' कार्यक्रम ने हर व्यक्ति में इतना आत्मविश्वास भर दिया कि वे समूह के समक्ष भय मुक्त होकर अपने विचार रख सकें और भविष्य में भी अपने वाचन क्षमता से खुद को और समाज को लाभान्वित करें। निश्चित तौर पर आईआईएम राँची और इसके टोस्टमेकर्स क्लब मिलकर एक ऐसा मंच तैयार करेंगे जहाँ लीडर बनाये जाएँगे।

आईआईएम-राँची में स्पिक मैके तथा म्यूजिक क्लब का उद्घाटन

पं. राजेन्द्र प्रासन्ना

5 दिसम्बर, 2012 को आईआईएम राँची में स्पिक मैके का उद्घाटन समारोह मनाया गया। इस कार्यक्रम में विश्व प्रसिद्ध बाँसुरी वादक पंडित राजेंद्र प्रसन्ना मुख्य प्रस्तुतकर्ता थे। पंडित राजेंद्र प्रसन्ना पंडित हरि प्रसाद चौरसिया और पंडित रोनू मजूमदार की श्रेणी के विश्वप्रसिद्ध बाँसुरी वादक हैं। इस शानदार समारोह के साथ आईआईएम राँची के म्यूजिक क्लब का औपचारिक रूप से उद्घाटन हुआ। खेल और सांस्कृतिक समिति के तत्वाधान में म्यूजिक क्लब को आकार प्रदान किया गया। छात्रावास में उन प्रतिभागियों के लिए म्यूजिक कक्षा का निर्माण किया गया जो संगीत में रूचि रखते हैं या संगीत की कार्यशाला या कक्षा में भाग लेना चाहते हैं। इससे इतर भी कई सारे महत्वपूर्ण सत्रों का आयोजन किया गया। पीजीडीएम 2012-14 के विवेक तोमर और अंकुर सौरभ को क्लब का संयोजक नियुक्त किया गया।

ओडीआई का आइडिया पार्टनर

इंडिया-इंग्लैण्ड ओडीआई क्रिकेट मैच के मद्देनजर प्रतिष्ठित संस्था आईआईएम राँची ने झारखण्ड राज्य क्रिकेट संस्था से अपनी साझेदारी की। इस संयुक्त प्रयास के जनक झारखण्ड राज्य क्रिकेट संस्था के प्रेरक और विचारशील अध्यक्ष श्री अमिताभ चौधरी और आईआईएम राँची के निदेशक एम जे जेवियर थे।

आईआईएम-राँची को ओडीआई के लिए आइडिया पार्टनर बनाया गया। छात्रों ने निम्न कार्यकर्मों का आयोजन किया :

- छात्रों ने हर प्रकार की गतिविधियों का आयोजन कर सोशल मीडिया मार्केटिंग किया।
- ''हर दिन जीतें एक टिकट'' क्विज ने लोगों की भारी भीड़ इकट्ठी कर दी।
- हीरो मोटो कॉर्पोरेशन के सहयोग से आयोजित यह रोड शो
- राँची के रोड शो के इतिहास में कदाचित पहला रोड शो था जिसमें इतनी भीड़ इकट्ठी हुई थी।

19 जनवरी 2013 को राँची में नव निर्मित झारखण्ड राज्य क्रिकेट एसोसियशन स्टेडियम में पहला अंतर्राष्ट्रीय मैच खेला गया। सभी छात्र मिलकर इस मैच के प्रचार - प्रसार, न्यायायिक सहयोग, पार्किंग स्थान की उपलब्धता, भीड़ को नियंत्रित रखने की व्यवस्था, मीडिया मैनेजमेंट इत्यादि में लगे रहे।

टेड एक्स

टेड ''आइडियाज वर्थ स्प्रेडिंग'' को समर्पित एक विश्वव्यापी सस्था है। यह संस्था विचारों की शक्ति में पूर्ण विश्वास करती है और यह मानती है कि विचारों के माध्यम से हम किसी की मनोवृत्ति या जीवन में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया को बदलने का सामर्थ्य रखते हैं। आज वैश्विक क्रांति भी स्पष्ट विचारों के द्वारा ही समाज में अर्थपूर्ण परिवर्तन लाने की बात कर रही है। टेड एक्स का निर्माण कुछ इस तरह किया गया है कि इसके तहत समाज, संस्था और व्यक्ति को अपने अनुभवों को व्यक्त करने के अवसर मिल सकें। टेड एक्स के दूसरे आयोजन का नाम था ''सपने देखने का साहस करो'' जिसे 3 फरवरी 2012 को आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े वक्ताओं को अपने अनुभव बाँटने के लिए आमंत्रित किया गया। इस के तहत पंडित राजेंद्र प्रसन्ना की जीवंत प्रस्तुति का आयोजन भी किया गया।

छात्रों की समितियाँ एवं क्लब

आधारशिला का निर्माण करने के बाद आईआईएम राँची उन ऊँचाइयों को छूने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसका इसने वादा किया था। आने वाले वर्षों में इस संस्थान के छात्र इसे महान सफलता प्राप्त करने में सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आईआईएम राँची में हम एक टीम के रूप में एक साथ मिलकर काम करने की योग्यता में विश्वास रखते है। इंस्टिट्यूट (संस्था) ने एक स्टूडेंट रन प्रक्रिया का विकास किया है और छात्रों का उचित मार्गदर्शन संकाय और प्रशासन के द्वारा किया जाता है।

समितियाँ

इंस्टिट्यूट के बहुमुखी विकास को सुनिश्चित करने के लिए, विभिन्न कमिटियों और क्लबों की स्थापना की गई है। कमिटियाँ छात्र संगठनों (निकायों) के समस्याविहीन प्रदर्शन को सुनिश्चित करता है, जबकि क्लब छात्रों को उनकी रूचि के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर प्रदान करता है।

एकेडेमिक कमिटी

एकेडमिक कमिटी छात्रों और संकायों के साथ सभी एकेडमिक विषयों पर छात्रों और संकायों के मध्य औपचारिक रूप से एक संवाद-संचार के चैनल के रूप में कार्य करता है, उन एकेडमिक विषयों में कक्षाओं के समय का निर्धारण और पुनर्निर्धारण, शिक्षण के क्षेत्र के गुणवत्ता की ग्रेडिंग, और समीक्षा कक्षाओं की आवश्यता आदि, शामिल हैं। इसके साथ ही यह निरन्तर विकास में सहयोग करने के आलावा, एकेडमिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, जैसे पुस्तकालय, एकेडमिक डाटाबेस आदि, के उन्नयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एकेडेमिक कमिटी संस्थान के नियमावली के आलोक में छात्रों के आचार-संहिता के प्रबंधन के लिए भी उत्तरदायी है। छात्रों के सामान्य लाभ के लिए, सम्बंधित कार्यशालाओं और ज्ञान सत्रों के आयोजन की जिम्मेदारी भी इसके कन्धों पर है।

प्लेसमेंट कमिटी

प्लेसमेंट कमिटी कॉर्पोरेट संबंधों और कॉलेज में प्लेसमेंट से सम्बंधित गतिविधियों के प्रबंधन के लिए उत्तरदायी है।

टेक्नोलॉजी कमिटी

आईआईएम राँची के स्टूडेंट एसोसिएशन के निर्देशन में टेक्नोलॉजी कमिटी कैम्पस में सभी तकनीकी और आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर से सम्बंधित मुद्दों के लिए उत्तरदायी है। यह सेवाओं के प्रबंधन और इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे एलएएन, इन्टरनेट की सुविधा, छात्र-संकाय ईमेल, सर्वर, सॉफ्टवेर एप्लीकेशन, वीडियो कांफ्रेंसिंग, वेबसाईट डिजायन और विकास से लेकर, आईआईएम राँची को ईआरपी, लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम्स, लाइब्रेरी मैनेजमेंट, नए प्रक्रियाओं और सॉफ्टवेर के अनुप्रयोग के द्वारा होने वाले कार्यों को जैसे नामांकन, शुल्क भुगतान, कोर्स मैनेजमेंट, आदि को स्वचालित करने के लिये नवीन और अत्याधुनिक तकनीकों को लागू करने में सहायता करता है और उपयुक्त सलाह प्रदान करता है। तकनीकी समिति आईआईएम राँची को सर्वश्रेष्ठ तकनीकी सुविधा प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहता है। इसके साथ ही यह सभी प्रकार के ज्ञान प्रबंधन के कार्यों और छात्र संगठन (स्टूडेंट एसोसिएशन) के अधीन छात्र संगठनों के सॉफ्टवेर और टेक्नोलॉजी से सम्बंधित सभी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भी उत्तरदायी है।

स्पोर्ट्स एंड कल्चरल कमिटी

आईआईएम राँची मे हमारा यह विश्वास है कि सांस्कृतिक और खेल के कार्यक्रम छात्रों के समग्र व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पूर्णरूप से सुसज्जित व्यायामशाला (जिम्नेश्यिम) छात्रों को अपना पसीना बहाने का अवसर प्रदान करता है ताकि वे इस कठिन दैनिक रूटीन में शारीरिक रूप से तंदुरूस्त (फिट) बने रह सकें। व्यायामशाला (जिम्नेश्यिम) के अतिरिक्त, हॉस्टल में इनडोर और आउटडोर दोनों की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इनडोर सुविधाओं में कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस आदि शामिल हैं, और विश्वस्तरीय आउटडोर खेल की सुविधायें खेलगांव में उपलब्ध कराई गई हैं, जो हॉस्टल से कुछ ही दूरी पर स्थित है। आउटडोर सुविधाओं में क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, टेनिस, बास्केटबॉल, तैराकी आदि शामिल हैं। संस्था के द्वारा यथासंभव विभिन्न प्रकार के अंतर-कॉलेज टेबिल टेनिस, कैरम, क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जाता है।

स्टूडेंट फैसिलिटीस कमिटी

जब बात पूर्ण रूप से आवासीय कार्यक्रम की होती है, तब छात्रों को उपलब्ध कराये गए सुविधाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। छात्र अपना कैरियर बनाने के लिए अपने घरों को छोडते हैं। चूँकि संस्था में सम्पूर्ण भारत के छात्र प्रवेश लेते हैं, अतः स्टूडेंट फैसिलिटी कमिटी (एसएफसी) यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक छात्र को उसके रूची के अनुसार पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन वर्ष भर उपलब्ध कराया जाये, जिसमें उत्तर भारतीय व्यंजन से लेकर दक्षिण भारतीय व्यंजन और चाइनीज व्यंजन, जिसे देखकर मुंह में पानी भर आता है, सभी प्रकार के भोजन उपलब्ध कराया जाता है, ताकि सभी छात्रों को संतुष्ट किया जा सके। कैंटीन सारी रात खुला रहता है, ताकि आधी रात के समय भी छात्रों के भोजन की इच्छा को पूर्ण किया जा सके। समय-सारणी के अनुसार आने-जाने के लिए वाहन भी प्रदान किया जाता है। मनोरंजनात्मक गतिविधियों के लिए विशेष आवागमन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है।

चौबीसों घंटे सुरक्षा प्रहरी हॉस्टल की सुरक्षा में संलग्न रहते हैं, इस प्रकार हॉस्टल पूर्णरूप से सुरक्षित रहता है। हाउसकीपिंग और लॉंड्री सेवा नियमित अन्तराल पर उपलब्ध कराई जाती है। एसएफसी यह सुनिश्चित करता है कि छात्रों को आईआईएम राँची में उनके प्रवास के दौरान वर्ष भर शांति और सुविधा प्राप्त हो।

लिटरेरी और मीडिया पीआर कमिटी

लिटरेरी और मीडिया पीआर कमिटी बहुत ही महत्त्वपूर्ण कार्य का संचालन करता है इस कमिटी के सदस्य दुनिया की आँखों में संस्था के ब्रांड की छवि को प्रतिष्ठापित करने मे अतिमहत्वपूर्ण कार्य का संपादन करते हैं।

लिटरेरी और मीडिया पीआर कमिटीं के सदस्यों के मध्य सहयोग की आवश्यकता है ताकि दोनों कमिटियाँ उचित प्रकार से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सके। लिटरेरी कमिटी प्रशासन के साथ-साथ शिक्षण के क्षेत्र के कर्मचारियों से भी विचार विमर्श कर त्रैमासिक न्यूजलेटर और वार्षिक पत्रिका में गुणवत्तापूर्ण सामग्री का प्रकाशन सुनिश्चित करता है। मीडिया के लिए, पीआर कमिटी मीडिया के साथ संबंधों को बढावा देता है, ताकि आईआईएम राँची द्वारा आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों का प्रचार हो सके।

एलुम्नी एंड इंटरनेशनल रिलेशनस कमिटी

एलुम्नी एंड इंटरनेशनल रिलेशनस (एआईआर) कमिटी अन्य असंख्य जिम्मेदारियों के साथ, कॉर्पोरेट रिलेशनस कमिटी का भी सहयोगी है। यह संसार के अन्य महत्वपूर्ण बी-स्कूलों के साथ सम्बन्ध स्थापित करने का कार्य करता है, ताकि छात्र स्थानान्तरण कार्यक्रम को लागू किया जा सके, जो प्रसिद्ध बी-स्कूलों के पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वैश्विक परिदृश्य में, विविध संस्कृतियों का अनुभव प्राप्त करना किसी व्यक्तित्व को सशक्त और आकर्षक बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कारक है, और इस महत्वपूर्ण कार्य की जिम्मेदारी इस समिति को सौंपी गई है। कमिटी यह भी सुनिश्चित करती है कि आईआईएम राँची ब्रांड को अन्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हो। एलुम्नी कॉलेज के विरासत का एक महत्वपूर्ण भाग है। इसलिए एल्मुनी के साथ नेट्वर्किंग, कार्यशालाओं के माध्यम से एल्मुनी के बीच संवाद-संपर्क को बढ़ावा देना, व एकीकरण और विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम एआईआर कमिटी के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है।

फाइनेंस क्लब

फाइनेंस के लिए एक क्लब फिनेस्से की शुरूआत एक छात्र के पहल पर की गई जो छात्रों में फाइनेंस क्वोशन्ट को पुष्ट करने और बढ़ाने के लिए समर्पित है। साथ ही यह इंडस्ट्री के सहयोग से संबंधों के विकास के लिए समर्पित है। फिनेस्से का कार्य छात्रों को फाइनेंस के क्षेत्र की रहस्यों को जानने-समझने में सहायता कर इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करना है। यह अपने सदस्यों को एक प्लेटफार्म प्रदान करता है जिससे कि उन्हें कॉर्पोरेट फाइनेंस, कैपिटल मार्केट्स, इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, एंड अन्य सम्बंधित क्षेत्र के नवीनतम और अद्यतन ट्रेंड्स और विकास के परिचय, इंडस्ट्री से अपने संबंधों के द्व ारा प्रदान करें, और इसके लिए क्लब नवीनतम इकोनोमिक्स और फाइनेंस के विषयों पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन करता है। इसके अतिरिक्त क्लब एक त्रैमासिक पत्रिका का भी प्रकाशन करता है, जो विभिन्न सेक्टरों के विश्लेषण और स्टॉक मार्केट से सम्बंधित नवीनतम घटनाओं को प्रकाशित करता है।

मार्केटिंग क्लब

मारक्वेस, आईआईएम राँची का मार्केटिंग क्लब, छात्रों में मार्केटिंग की चाहत और रूचि जगाने के लिए समर्पित है और यह संभावित (मार्केटिंग) मैनेजरों को आवश्यक फिनेस्से (वित्त का आवश्यक ज्ञान) प्रदान करता है। मारक्वेस, विभिन्न सम्मेलनों, क्विजों और कार्यशालाओं के माध्यम से उन संकल्पनाओं और विचारों के प्रकटीकरण पर अपना ध्यान केन्द्रित करता है,

जो कंपनियों को उनके ग्राहकों की व्यापक जरूरतों और संकीर्ण इच्छाओं, को पूर्ण करने में सहायक है, जो संस्थाओं के जीवित रहने का सिद्धांत है। यह क्लब विभिन्न सम्मेलनों, सेमिनारों और बाजार के अनुसन्धान (मार्केट रिसर्च) के कार्यों का आयोजन करता है। मनोरंजन से युक्त विज्ञापन-निर्माण और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता के अलावा, क्लब विभिन्न संस्थाओं का केस एनालिसिस और कंपनियों के (लाइव) केस स्टडीज के माध्यम से उपयोग में लाये जा रहे उपायों और प्रथाओं का व्यवहारिक सम्पर्क अनुभव प्रदान करता है। इसके साथ क्लब वीकली न्यूजलेटर्स का प्रकाशन भी करता है, और यह अगले वर्ष मार्च से पूर्व अपने त्रैमासिक पत्रिका के प्रकाशन के लिए भी प्रयत्नशील है।

कंसल्टेंसी क्लब

आईआईएम राँची का कंसल्टेंसी क्लब "कॉनुन्ड्रम" का संचालन उद्योग की समस्याओं तथा चुनौतियों के व्यापक विश्लेषण द्वारा कंसल्टिंग डोमेन में उत्कृष्टता हासिल करने के उद्देश्य से किया जाता है।

इसे चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा जिसमें शामिल है छात्रों के सभी सेक्टर से संबंधित ज्ञान को समृद्ध बनाना, रणनीति पूर्ण खेलों तथा केस स्टडी आधारित प्रतियोगिताओं के आयोजन के द्वारा विश्लेषणात्मक एवं समाधान उन्मुख संस्कृति का विकास, और उद्योगों से परामर्श परियोजनाएं हासिल करना ताकि वास्तविक जीवन में उद्योगों की चुनौतियों के संबंध में प्रारंभिक अनुभव हासिल हो सके।

कॉनुन्ड्रम के दायरे में निम्नलिखित गतिविधियों की योजना तैयार की गई है :

- सप्ताह के प्रत्येक बुधवार को आईआईएम रांची में परामर्श दिवस के रूप में मनाया जाए। आईआईएम रांची में प्रत्येक परामर्श दिवस पर, कॉनुन्ड्रम एक आकांक्षी कंसल्टेंट्स के लिए अवधारणा निर्माण पर मुख्य आधार के साथ मजबूत सत्र की मेजबानी करेगा।
- छात्रों के बीच परामर्श की भावना को प्रोत्साहन देने के लिए एक राष्ट्रीय स्तरीय सम्मेलन और नियमित रूप से इंट्रा तथा इंटर-कॉलेज प्रतियोगिताएं।

कॉनुन्ड्रम दुनिया भर के कंसल्टिंग क्लबों के साथ संबंध स्थापित करने का प्रयास कर रहा है, ताकि उनमें ज्ञान की साझेदारी की भावना पैदा की जा सके, और सभी संस्थानों से परामर्शी चुनौतियों में सहयोग और भागीदारी की जा सके। इसकी योजना गतिविधियों और अतिथि व्याख्यान की साझेदारी करना, और विभिन्न पहलुओं पर बातचीत करने हेतु एक मंच प्रदान करना है।

बुद्धिजीवी लीडर्स द्वारा व्याख्यान

उद्योग से ताल्लुक रखने वाले अतिथि वक्ता : 2012-13

क्रम सं0	वक्ता का नाम	पद	कंपनी
1	श्री ऐलेन सेक्वेरा	एक्जीक्यूटिव वाइस-प्रेसिडेंट-ग्रुप एचआर	महिन्द्रा ग्रुप
2	श्री संदीप चौधरी	पार्टनर	एओएन हेविट्ट
3	श्री पार्था दासगुप्ता	चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर	टपोजी लीड्स
4	श्री हलाडी सतीश राव	पूर्व डायरेक्टर जेनरल	एशियन डेवलपमेंट बैंक
5	श्री मनीष सिन्हा	डायरेक्टर-एचआर	बेक्टॉन-डिकिंसन
6	श्री ए के सक्सेना	एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर	भूषण स्टील
7	श्री आलोक महापात्रा	डायरेक्टर	बीएनपी परिबस
8	श्री अतुल सिन्हा	वीपी-न्यू बिजनेस डेवलपमेंट	ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज
9	श्री राजेश पद्मनाभान	हेड-एचआर	कैपजेमिनी
10	श्री वीर मेहता		कैपस्टोन बिजनेस सिमुलेशन
11	सुश्री रेवती कस्तुरे	हेड ऑफ रिसर्च	केयर रेटिंग
12	श्री गोपाल सिंह	चेयरमैन तथा प्रबंध निदेशक	सेंट्रल कोलफील्ड्स लि.
13	प्रो. बिजय आनंद	मैनेजर, इंजीनियरिंग सिस्टम्स	शिकागो ब्रिज ऐंड आयरन, हौसटन
14	श्री सरबप्रीत सिंह	हेड-एल ऐंड डी	सिटीबैंक
15	श्री भास्कर प्रसाद	एसवीओ	सिटीबैंक
16	डॉ पल्लब बंदोपाध्याय	डायरेक्टर-एचआर	सिट्रिक्स सिस्टम्स
17	श्री एस वी नाथन	डायरेक्टर-टैलेंट	डेलॉयट्ट
18	श्री मकरंद खटावकर	हेड-एचआर	ड्यूटस्च बैंक
19	श्री संजेश ठाकुर	पार्टनर	ई ऐंड वाई
20	सुश्री शैली गुप्ता	ग्रुप एचआर हेड	एडलवाइस कैपिटल
21	श्री अभिषेक भगत	प्रबंध निदेशक	एलारा कैपिटल
22	श्री अजय गर्ग	संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक	इक्विरियस कैपिटल
23	श्री ए के सिंह	सीईओ	एस्सार पावर
24	श्री नदीम काजिम	डायरेक्टर (एचआर ऐंड पर्सनल)	एक्साइड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
25	श्री दलजीत सिंह	प्रेसिडेंट	फोर्टिस हेल्थकेयर
26	श्री पिनाकी भादुरी	वाइस प्रेसिडेंट-स्ट्रेटेजी	फ्रोस्ट ऐंड सुलिवान
27	श्री पल्लव सिन्हा	संस्थापक एवं सीईओ	फुल्लेरटॉन सेक्युरिटीज
28	श्री विकास सिरोदकर	हेड-एचआर	जेनरल मोटर्स
29	श्री बिपलब बनर्जी	वाइस प्रेसिडेंट-एचआर	जेएसके
30	श्री क्रिस लक्ष्मीकांथ	सीईओ	हेड हंटर्स इंडिया प्रा. लिमिटेड
31	श्री जी के पिल्लई	चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक	हेवी इंजीनियरिंग कॉर्प
32	श्री के ए नारायण	प्रेसिडेंट	एचआर रेमंड्स
33	श्री घनश्याम दास खंडेलवाल	डायरेक्टर ऐंड हेड-स्ट्रैटेजिक ट्रांजेक्शंस ग्रुप (इंवेस्टमेंट बैंकिंग)	एचएसबीसी
34	श्री उत्कर्ष मजूमदार	वीपी-ग्लोबल रिसर्च (इक्विटी रिसर्च)	एचएसबीसी
35	श्री वी नीलकंठन	कंट्री हेड	आईबीएम
36	श्री पंकज मोहिन्द्रू	नेशनल प्रेसिडेंट	आईसीए
37	श्री अनूप बागची	एमडी ऐंड सीईओ	आईसीआईसीआई सेक्युरिटीज
38	श्री आर श्रीधर	वाइस प्रेसिडेंट-एचआर	आईटीसी लिमिटेड

क्रम सं0	वक्ता का नाम	पद	कंपनी
39	श्री डी कुमार	प्रबंध निदेशक	झारक्राफ्ट
40	श्री एम किशोर गांधी	एमडी	जेपी मॉर्गन
41	श्री संजय शर्मा	प्रेसिडेंट	जेएसपीएल
42	श्री अरूण नागारंजन	हेड-एफएक्स ऐंड डेरिवेटिव्स	कोटक महिन्द्रा बैंक
43	श्री विकास अग्रवाल	निदेशक	केपीएमजी
44	श्री दीपक भरारा	डायरेक्टर-कॉर्पोरेट एचआर	लंको इंफ्राटेक लिमिटेड
45	श्री ऐलेन सेक्वेरा	एडवाइजर	महिन्द्रा ऐंड महिन्द्रा
46	श्री शिवालिक प्रसाद	वाइस प्रेसिडेंट	मैप माइ इंडिया
47	श्री तपन रायगुरू	हेड ऑफ क्लाएंट सर्विसेज	म्यू सिग्मा
48	प्रो. वेकंटेश बी	संस्थापक तथा मैनेजिंग प्रिंसिपल	नावेरा कंसल्टिंग
49	श्री गणेसन अंपलावानर	एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट	नेस्ले इंडिया
50	श्री श्रमन झा	एसवीपी	एनआईआईटी
51	श्री रक्षित हरगवे	एमडी	निविया
52	श्री दिवाकर शुक्ला	पार्टनर	ओगिल्वी ऐंड मैथर
53	सुश्री गीतु वर्मा	एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर	पेप्सिको
54	श्री के श्रीराम	प्रेसिडेंट-सेल्स ऐंड मार्केटिंग	पिडिलाइट इंडस्ट्रीज
55	श्री वी श्रीनिवासन	जेनरल मैनेजर	पंजाब नेशनल बैंक
56	सुश्री पद्मजा अलगनंदन	एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर	पीडब्ल्यूसी
57	श्री नलिन कुमार	एमडी	राबोबैंक
58	श्री फणिन्द्र सामा	संस्थापक	रेडबस
59	श्री राजेश डर्घवेन	हेड-एचआर	रिलांयस कैपिटल एसेट मैनेजमेंट
60	श्री अमृत दास	सीनियर वाइस प्रेसिडेंट-एचआर	आरपीजी
61	श्री अजॉय लोधा	पार्टनर	सिंघी एडवाइजर
62	सुश्री संद्रा मार्तृरीस	डिपुटी सीईओ	सोसाइटी जेनेरल
63	श्री राहुल नेने	एसोसिएट डायरेक्टर	स्टैनटॉन चेस इंटरनेशनल
64	प्रो सुनील परमेश्वरन	चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर	तरहील कंसल्टेंसी सर्विसेज
65	श्री राजीव सिंह छाबरा		टाटा केमिकल्स
66	श्री रंजीत छाबरा	वीपी-सेल्स ऐंड मार्केटिंग	टाटा केमिकल्स
67	श्री पी सेंथिल कुमार	चीफ एचआर ऑफिसर	टाटा स्टील
68	श्री अरविंद सिंघल	संस्थापक एवं सीईओ	टेक्नोपार्क
69	श्री सेबी चाको	वाइस प्रेसिडेंट-एचआर	थॉमसन रूटर्स
70	श्री एन ई श्रीधर	सीनियर मैनेजर-बिजनेस एक्सेलेंस	टाइटन इंडस्ट्रीज
71	श्री गजेन्द्र नागपाल	संस्थापक तथा सीईओ	यूनिकॉन फाइनेंसियल इंटरमीडियरीस
72	श्री वीकेएम रेड्डी	ईवीपी ऐंड हेड-सप्लाई चेन	वोडाफोन
73	श्री सुशील कुमार तिवारी	एवीपी ऐंड हेड-ईआरपी	वोडाफोन ग्लोबल
74	श्री सुजीत सेन	एडवाइजर	वेबकॉन
75	श्री तन्मय कुमार	प्लानिंग डायरेक्टर	यम! रेस्टोरेंट
76	श्री अभिजीत सेनगुप्ता	जेनरल मैनेजर-एचआर	एवरेडी इंडस्ट्रीज
77	श्री अनिल बजाज	सीनियर जेनरल मैनेजर	एवरेडी इंडस्ट्रीज
78	श्री श्रीनाथ वेडुला	हेड-एचआर	भारती रियाल्टी लिमिटेड

राँची के विषय में

परम्पराओं का शहर

राँची झारखंड राज्य की राजधानी है और भारत के राष्ट्रीय खनिज संसाधनों का लगभग अठारह प्रतिशत भाग इस शहर में स्थित हैं। यह छोटानागपुर घाटी में समुद्र तल से लगभग 2,150 फीट की ऊँचाई पर स्थित हैं। एक परिपूर्ण चित्र के समान यहाँ झरने, पहाड़ियां, और हरी-भरी घाटियाँ स्थित हैं। अपने शांत और मनोरम वातावरण और ऐतिहासिक महत्व के विभिन्न आकर्षणों ने इसे एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में प्रतिष्ठित किया हैं।

राँची अपने प्राकृतिक परिवेश और स्फूर्तिदायक पहाड़ी हवा के कारण तत्कालीन बिहार राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी और स्वास्थ्य रिसॉर्ट हुआ करता था। भारत के स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद, राँची का निरंतर विकास होता रहा और इस शहर में तथा इसके आस-पास अनेकों औद्योगिक कल-कारखानें स्थित थे। वर्तमान समय में, यह झारखण्ड और अधिकांश पूर्वी भारत का वाणिज्यिक और व्यावसायिक गतिविधियों का केंद्र बन चुका है और अन्य दो औद्योगिक टाउनशिप जमशेदपुर और बोकारो के साथ मिलकर यह झारखण्ड राज्य के औद्योगिक संरचना को पूर्ण करता हैं।

यह झारखंड के सभी कोनों और पड़ोसी राज्यों से आये हुए मेहनती और उद्यमी लोगों का शहर है। हमेशा औद्योगिक केंद्र के रूप में विख्यात शहर, हाल के वर्षों में सेवा उद्योग में तीव्र विकास का गवाह भी रहा है, जिसमें विपणन, मीडिया, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि शामिल हैं। देश की अर्थव्यवस्था के भविष्य के महाशक्ति के रूप में राँची की क्षमता को उद्योग और सरकार द्वारा समान और विधिवत रूप से मान्यता दी गई है, और रांची दोनों क्षेत्रों से महत्वपूर्ण निवेश प्राप्त कर तेजी से एक आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। आगामी भारतीय शहरों के बीच सकल घरेलू उत्पाद और रोजगार सृजन में सबसे अधिक विकास दर प्राप्त करने की अपनी उपलब्धि पर गर्व करते हुए, राँची अपने लोगों की गतिशीलता के कारण एक धमाकेदार शहर के रूप में जबरदस्त परिवर्तन का साक्षात्कार किया है और यह भारत के भविष्य का शहर है।

इस शहर का नामकरण स्थानीय पक्षी 'रिन्ची' के नाम पर किया गया है, जो मुख्य रूप से राँची के 'पहाड़ी मंदिर' के आस-पास पाई जाती हैं।

छोटानागपुर पठार के दक्षिणी भाग में स्थित, राँची प्रचुर मात्रा में स्पृहणीय प्राकृतिक सुंदरता और सुरम्य वातावरण से संपन्न है। यहाँ अनेक 'जलप्रपात और झीलें' है। अपनी पहाड़ी स्थलाकृति के कारण, यहाँ की जलवायु वर्ष भर सुखद रहती है।

राँची को प्राकृतिक ने बहुतायत में खनिज संसाधनों का वरदान दिया है और इसी कारण इसे पूर्व के 'मैनचेस्टर' के रूप में जाना जाता है।

राँची अच्छी तरह से मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, बेंगलूर और चेन्नई जैसे अन्य मेट्रो शहरों से जुड़ा हुआ है।